● वर्ष-3
● अंक-220
रायपुर, बुधवार
24 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ा ....

भाजपा को दिया आपका एक वोट विकसित भारत बनाएगा और यह मोदी की गारंटी हैः मोदी

धमतरी के श्याम तराई में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में जमकर गरजें नरेन्द्र मोदी

रायपुर/ धमतरी। महासमुंद लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत धमतरी के श्याम तराई में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 19 अप्रैल को बस्तर सहित देश के अन्य राज्यों में प्रथम चरण का मतदान हो गया हैं और देश ने मन बना लिया हैं की शक्तिशाली और विकसित देश बनाने के लिए एक मजबूत सरकार बनानी है इसलिए जनता जनार्दन का भरोसा भारतीय जनता पार्टी पर है । दूसरी ओर इंडी एलायंस में आपस में ही सिर फुटौव्वल चल रहा है। दो दिन पहले झारखंड में आयोजित रैली में इंडी एलायंस के नेता एक दूसरे के कपड़े फ़ाड़ दिए। आपने देखा जब इंडी एलायंस की पहली रैली थी तो कितनों ने हाथ उठाएं थे बाद में एक एक करके सब साथ छोड़कर भाग गए। आज कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि दिल्ली में एक शाही परिवार रहता है उनको कांग्रेस को ही वोट देने का अधिकार नहीं रहा। क्यों कि वहां कांग्रेस का प्रत्याशी ही नहीं है। वो देश में वोट मांगने निकले हैं। इन पर छत्तीसगढ़ कैसे भरोसा करेगा। आज देश कह रहा फिर एक बार मोदी सरकार।

विकसित भारत और विकसित छत्तीसगढ़ के लिए आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। और मुझे पूरा विश्वास है कि छत्तीसगढ़ मुझे निराश नहीं करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ के पास स्टील की ताकत है। कोयलें की शक्ति है। वन संपदा का भंडार है। छत्तीसगढ़ विकसित भारत को गति

प्रदान करने का सामर्थ है। श्री मोदी ने उपस्थित जनसमुदाय से कहा कि आपने 10 वर्ष का कार्यकाल देखा है। मुझे सेवा करने का अवसर प्रदान किया है। मैं कभी भी अपने लिए नहीं जीया। हमेशा आपके लिए जीता और जूझता रहा हूं। इन दस सालों में महासमुंद सहित छत्तीसगढ़ में पांच नए मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दी गई। हर घर में नल जल , बिजली कनेक्शन पहुंचाने का काम तेजी से हुआ है। गैस सिलेंडर योजना का लाभ मिला। रेल लाइन का दोहरीकरण हुआ। रायपुर से कोरापुट होते इकोनोमिक कारीडोर का निर्माण हो रहा है।

श्री मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय जनजातीय क्षेत्रों में इंफ्रास्ट्रक्चर के काम नहीं होते थे। कांग्रेस और विकास साथ साथ नहीं चल सकते हैं। कांग्रेस की सरकार जहां जहां रही वहां हिंसा और भ्रष्टाचार पहुंच गया। छत्तीसगढ़ में नक्सल हिंसा पर मौन रही। अपना भ्रष्टाचार छिपाने कांग्रेस ने हिंसा को बढ़ावा दिया। लोग अपनी जान गंवाते रहे और कांग्रेस अपनी तिजोरियां भरती रही। जब से भाजपा की सरकार बनी नक्सलवाद को कंट्रोल किया। मेरा माताओं से वादा है उनके बच्चों को भटकने नही दूंगा। अगर आपकी नियत सही होगी तो नतीजे भी सही होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि कांग्रेस के ही एक प्रधानमंत्री कहते थे की दिल्ली से 1 रूपए भेजों तो लाभार्थी तक 15 पैसे पहुंचता है इसका मतलब 85 पैसा बीच में ही पंजा लूट लेता था।? परंतु जब से आपने मुझे अपनी सेवा का अवसर दिया सबसे पहले लूट की दुकान में ताला लगाया।? देश में 150 करोड़ जन-धन खाते खोले गए। छत्तीसगढ़ में भी पौने दो करोड़ खाते खोले गए हैं।अब तक इन खातों में 34 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पैसे जनता को दिए गए हैं। अगर कांग्रेस होती तो 34 लाख करोड़ में से 24 लाख करोड़ उनकी सरकार के बिचौलिये खा जाते।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत 3 लाख करोड़ रुपए भेजे गए। कांग्रेस होती तो 2.5 लाख करोड़ रुपए पर पंजा मार लेती । कांग्रेस पार्टी गरीब की पीड़ा नहीं समझ सकती। सोने के चम्मच लेकर पैदा हुए लोग गरीब का दर्द क्या समझेंगे। 80 करोड़ जनता को मुफ्त में अनाज पांच सालों तक मिलता रहेगा। गरीब परिवार पर इलाज का बोझ न पड़े इसलिए 5 लाख तक इलाज की सुविधा। अब 70 साल से अधिक आयु के बुजुर्गो को इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी यह मोदी की गारंटी है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस कहती हैं मोदी का सिर फोड़ देंगे इतना ही नहीं मेरी स्वर्गीय मां को भी अपशब्द बोले। कांग्रेस ने कभी भी पिछड़ा वर्ग को संवैधानिक दर्जा नहीं दिया मेडिकल में आरक्षण नहीं दिया। श्री मोदी ने कहा कि 24 के चुनाव के लिए आपका आशीर्वाद मांगने आया हूं।आपका हर सपना पूरा करना मेरा संकल्प है। मेरा हर पल आपके लिए है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि- विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी हमारे बीच उपस्थित हैं। मोदी जी की योजनाएं गांव, गरीब , किसान , युवा और महिलाओं और वंचितों के लिए है। छत्तीसगढ़ में जनता के आशीर्वाद से भाजपा की सरकार बनी और विष्णुदेव साय सरकार ने तीन माह में महतारी वंदन योजना, किसानों को दो वर्षों का बकाया बोनस, धान की खरीदी प्रति एकड़ 21 क्विंटल 3,100 से, 18 लाख प्रधानमंत्री आवास पर स्वीकृति दी। मुझे विश्वास है छत्तीसगढ़ की जनता 11 की 11 लोकसभा सीटें भारतीय जनता पार्टी को जीताकर मोदी जी को भेंट करेगी।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि देश में पहली बार एक गरीब मां का बेटा प्रधानमंत्री बना जो गांव, गरीब किसान, युवा और महिलाओं के लिए योजनाएं बनाकर काम कर रहे हैं। पिछले चार महीने में ही विष्णुदेव साय सरकार ने मोदी जी की हर गारंटी चुन चुन कर पूरी कर रही हैं। गांव गांव में एक ही नारा चल रहा है विष्णुदेव साय सरकार में काम हो रहा है सांय-सांय, कांग्रेस बोल रही है आंय बांय।

मनमोहन का बयान करता है साम्प्रदायिकता को इंगित

मोदी जी कर रहे सत्य उजागर

रायपुर। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के देश के संसाधनों पर अल्पसंख्यकों का पहला अधिकार वाले बयान की कड़ी निंदा करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री का यह बयान गलत है और साम्प्रदायिकता की ओर इंगित करता है। इस देश में अल्पसंख्यकों के अलावा करोड़ों-करोड़ों की संख्या में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा और सामान्य वर्ग के लोग भी रहते हैं। सभी देश के लिए, देश के विकास के लिए चिंता करते हैं, तो सबका अधिकार देश के संसाधन में है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मनमोहन सिंह के इस बयान को देश के सामने लाकर अच्छा कर रहे हैं। इसके लिए उनका हृदय से धन्यवाद।

एक साक्षात्कार में विष्णु देव साय ने कहा कि राहुल गांधी 2014 और 2019 के चुनाव में भी भाजपा के कम सीटों पर सिमटने की बात करते थे। लेकिन कांग्रेस का हश्र क्या हुआ था, ये राहुल गांधी भी देख चुके हैं। वो बोलते रहें, उनकी बातों में कोई दम नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी पिछले 10 वर्षों में सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास-सबका प्रयास को ध्येय वाक्य मानते हुए देश के गांव, गरीब, किसान, मजदूर सबकी चिंता कर रहे हैं। जिससे देश की जनता का मोदी जी के प्रति विश्वास और बढ़ा है। इससे निश्चित है कि इस बार 400 पार होगा। श्री साय ने कहा कि राहुल गांधी के बयान को सचिन पायलट रिपीट कर रहे हैं। लेकिन कांग्रेसी कुछ भी बोलते रहें, कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। 2014 और 2019 के चुनाव में स्पष्ट बहुमत भारतीय जनता पार्टी को मिला था और 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता का आशीर्वाद उससे ज्यादा मिलने वाला है।

ममता का असली चेहरा लोगों के सामने उजागरः अमित शाह

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल में रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ममता का असली चेहरा लोगों के सामने उजागर हो गया है। पश्चिम बंगाल जल्द ही टीएमसी को सबक सिखाने जा रहा है। एक ओर तो ममता दीदी घुसपैठियों को प्रदेश में आने दे रही हैं, दूसरी ओर शरणार्थियों की नागरिकता का विरोध कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी या ममता बनर्जी की हिम्मत नहीं है कि वो सीएए को हटा सके। हर हिंदू शरणार्थी को नागरिकता मिलेगी।

प्रमुख समाचार

बिहारः कांग्रेस के सभी उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बिहार के लिए अपने सभी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस ने बिहार के मुजफ्फरपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा से आए अजय निषाद को मैदान में उतारा है। वहीं पटना साहिब संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद के खिलाफ पूर्व लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार के पुत्र अंशुल अविजित को उम्मीदवार घोषित किया है। मुजफ्फरपुर सीट से दो बार सांसद रहे अजय भारतीय जनता पार्टी द्वारा उन्हें हटाए जाने के बाद कांग्रेस में शामिल हो गए। 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए अपनी नवीनतम सूची में कांग्रेस की बिहार इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह के बेटे आकाश महाराजगंज से मैदान में हैं। उन्होंने पांच साल पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी के टिकट पर पूर्वी चंपारण से असफल शुरुआत की थी। कुशवाहा तब महागठबंधन के साथ थे लेकिन अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में वापस आ गए हैं।

सपा नहीं चाहती एससी-एसटी को आरक्षण का लाभ मिले

अलीगढ़/मेरठ (उत्तर प्रदेश)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने मंगलवार को आरक्षण का मुद्दा उठाते हुए आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी (सपा) नहीं चाहती कि अनुसूचित जाति (एससी)- अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के लोगों को आरक्षण का लाभ मिले। मायावती ने दावा किया कि अगर उनकी पार्टी केंद्र की सत्ता में आयी तो पश्चिमी उत्तर प्रदेश को अलग राज्य बनाया जाएगा। साथ ही उन्होंने मेरठ में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की खंडपीठ बनाने का वादा किया। बसपा प्रमुख ने मंगलवार को मेरठ के लोहिया नगर क्षेत्र के अलीपुर मैदान में पार्टी उम्मीदवार देवव्रत कुमार त्यागी और अलीगढ़ के महेश्वर इंटर कॉलेज में बसपा उम्मीदवार हितेन्द्र कुमार के समर्थन में अलग-अलग चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) व कांग्रेस पर निशाना साधा और आरक्षण के मुद्दे को लेकर सपा को कठघरे में खड़ा किया। मायावती ने कहा, सरकारी नौकरियों में दलितों, आदिवासियों के लिए आरक्षित पद सालों से भरे नहीं गए हैं।

नेताओं के भाषणों में दिख रहे हैं चुनावी नतीजों के रुझान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के स्पष्ट संदर्भ में, जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस लोगों की संपत्ति का पुनर्वितरण करना चाहती है, समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि चुनाव परिणामों के रुझान भाजपा नेताओं के भाषणों से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद अगर इंडिया ब्लॉक की सरकार बनी तो गरीबों को न केवल वर्तमान में मिल रहा राशन मिलेगा, बल्कि पौष्टिक खाद्य सामग्री भी दी जायेगी। यादव ने अलीगढ़ और हाथरस के इंडिया ब्लॉक उम्मीदवारों के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, हालांकि चुनाव के रुझान बाद में आते हैं लेकिन अब आपने दिल्ली के लोगों (पीएम) और लखनऊ के लोगों (सीएम) का भाषण सुना होगा। चुनाव नतीजों के रुझान उन लोगों के भाषणों में दिख रहे हैं जो सत्ता से बाहर होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के पहले चरण में बीजेपी की स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि जो बातें आ रही हैं और दूसरों पर थोपी जा रही हैं, वे दरअसल उनके (भाजपा के) मन की बात हैं।

मुझसे द्वेष है तो तुम मुझे बम से मार सकते होः ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को दावा किया कि उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी को गोली मार दी गई होती अगर वह उस व्यक्ति से मिले होते जिसने कथित तौर पर कोलकाता में उनके घर की रेकी की थी। पश्चिम बंगाल में एक रैली में ममता बनर्जी ने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि %ये लोग% हर किसी को मारना चाहते हैं या उन्हें सलाखों के पीछे डालना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि भाजपा के गद्दारों में से एक ने कहा कि एक बम विस्फोट किया जाएगा। यदि तुम्हें मुझसे द्वेष है तो तुम मुझे बम से मार सकते हो। आपने अभिषेक को मारने की भी कोशिश की लेकिन हमें पहले ही पता चल गया। कथित साजिश को लेकर ममता बनर्जी ने भी बीजेपी पर हमला बोला। ममता ने दावा किया कि उन्होंने उसके घर की रेकी भी की, उसे फेसटाइम पर बुलाया और मिलने का समय मांगा। अगर अभिषेक ने उसे समय दिया होता तो उसने गोली मार दी होती। ममता बनर्जी ने कहा कि ये लोग अपने खिलाफ बोलने वालों को या तो मार देना चाहते हैं या जेल में डाल देना चाहते हैं।

संविधान में कांग्रेस ने खुद 80 बार संशोधन किया : साय

रायपुर/सक्ती। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज प्रधानमंत्री की उपस्थिति में कांग्रेस पर खूब बरसे। सक्ती जिले के जेठा में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में उन्होंने कहा कि कांग्रेसी गलतफहमी फैला रहे हैं कि केंद्र में फिर से भाजपा की सरकार बनी तो आरक्षण को खत्म कर देगी, संविधान से छेड़छाड़ करेगी। लेकिन संविधान से छेड़छाड़ करने वाली तो कांग्रेस है, जिसने संविधान में अब तक 80 बार संशोधन किया है। कांग्रेस अब भाजपा पर आरोप लगाकर जनता को भरमा रही है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी भी बोल चुके हैं कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग किसी का भी आरक्षण खत्म नहीं होगा। जब श्री साय बोल रहे थे तब प्रधानमंत्री मोदी भी मंच पर आसीन थे। वे सक्ती जिले के जेठा में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज अपनी हार निश्चित देख कर कांग्रेसी, हमारे प्रधानमंत्री जी और बड़े-बड़े नेताओं पर अनर्गल बयानबाजी कर रहे हैं। लेकिन जनता इसको बर्दाश्त नहीं करेगी, लोकसभा चुनाव में करारा जवाब देगी। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस मुद्दाविहीन हो चुकी है इसलिए जनता को अलग-अलग मुद्दों पर भरमा रही है, तरह-तरह के षड़यंत्र कर रही है।

चुनावी दंगल में किसका होगा मंगल, अब हनुमान जी बनाएंगे राजनीतिक दलों के बिगड़े काम!

अंकित सिंह

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजस्थान में कांग्रेस पर एक और तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी के शासन में हनुमान चालीसा सुनना अपराध बन गया है। टोंक-सवाई माधोपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने राज्य में राम नवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था।

लोकसभा चुनाव की बढ़ती सरगर्मियों के बीच राजनीतिक वार-पलटवार का दौर जबरदस्त तरीके से जारी है। मतदाताओं को साधने के लिए राजनीतिक दलों की ओर से तरह-तरह के दावे किए जा रहे हैं। इन सब के बीच चुनावी दंगल में अब बजरंगबली की भी एंट्री हो गई है। पिछले कुछ चुनाव में बजरंगबली लगातार चर्चाओं में रहे थे। इस बार अब तक उनकी चर्चा नहीं हो रही थी लेकिन हनुमान जयंती के दिन प्रधानमंत्री ने इसकी चर्चा करके कहीं ना कहीं कांग्रेस पर एक नया बाण चला ही दिया है। इससे पहले भी कर्नाटक चुनाव के दौरान भी बजरंगबली की खूब चर्चा हुई थी। लेकिन उस वक्त यह भाजपा के लिए काम नहीं आ सकी थी। लेकिन इस बार लोकसभा चुनाव में बजरंगबली की चर्चा हुई है तो जाहिर सी बात है कि कहीं ना कहीं बजरंगबली से राजनीतिक दलों को उम्मीद जरूर होगी।

मोदी ने क्या कहा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राजस्थान में कांग्रेस पर एक और तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी के शासन में हनुमान चालीसा सुनना अपराध बन गया है। टोंक-सवाई माधोपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, पीएम नरेंद्र मोदी ने दावा किया कि कांग्रेस सरकार ने राज्य में राम नवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी अपराध हो गया है। इसका भुक्तभोगी राजस्थान रहा है...इस बार रामनवमी पर पहली बार राजस्थान में शोभा यात्रा जुलूस निकाला गया...राजस्थान जैसे राज्य में जहां लोग राम-राम का जाप करते हैं, वहां कांग्रेस ने रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दिया।

रैली में पीएम मोदी ने कांग्रेस शासित कर्नाटक में कथित तौर पर हनुमान चालीसा बजाने को लेकर एक दुकानदार पर हुए हमले का जिक्र किया।

आप का भी दांव

आप सुप्रीमो को इंसुलिन की खुराक देने से इनकार करने के बाद आम आदमी पार्टी (आप) नेता सौरभ भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि यह भगवान हनुमान थे, जिन्होंने अपने %जन्मोत्सव% पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दिया था। भारद्वाज की यह टिप्पणी इस खबर के कुछ ही घंटों बाद आई है कि आप प्रमुख, जो कि टाइप-2 मधुमेह के मरीज हैं, को तिहाड़ जेल में उनके शर्करा का स्तर 320 तक पहुंचने के बाद इंसुलिन की दो यूनिट दी गई थी। 21 मार्च को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल को दी गई यह पहली इंसुलिन खुराक थी। जब उनसे पूछा गया कि मौजूदा चुनावी मौसम के बीच बीजेपी और आरएसएस राम कार्ड की बात कर रहे हैं और क्या आम आदमी पार्टी अब हनुमान कार्ड खेल रही है? उन्होंने कहा, नहीं, ऐसा कोई कार्ड नहीं है. हम हर साल हनुमान जन्मोत्सव मनाते हैं। अरविंद केजरीवाल भगवान हनुमान के जाने-माने भक्त हैं। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आज हनुमान जयंती पर कनॉट प्लेस के हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना की।

कांग्रेस का आरोप

कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि हनुमान चालीसा पर कहां लगा बैन, क्या पीएम मोदी बता सकते हैं? वह धार्मिक ध्रुवीकरण का सहारा ले रहे हैं क्योंकि उन्हें पता है कि वे चुनाव हारने वाले हैं। आप कह रहे हैं कि मंगलसूत्र छीन लिया जायेगा। मेरे पीएम के मुंह से ऐसे शब्द शोभा नहीं देते। वाराणसी से नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार अजय राय हनुमान जयंती यात्रा में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह यात्रा हर साल आयोजित की जाती है और मैं हर साल इसमें भाग लेने आता हूं। हमें भगवान हनुमान का आशीर्वाद मिलता है।

जंगलों में 138 हाथी अलग-अलग दल में कर रहे विचरण

ड्रोन कैमरे से हाथियों का वीडियो आया सामने

रायगढ़। छत्तीसगढ़ का रायगढ़ जिला बीते कई सालों से हाथियों के आतंक से जूझ रहा है। यहां के रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ दोनों वन मंडलों के कई रेंज में हर साल हाथियों की मौजूदगी रहती है जो आए दिन जंगलो से निकलकर रिहायशी इलाकों में दस्तक देकर अपनी मौजूदगी अहसास कराते आ रहे हैं। हाथियों की लगातार बढ़ती संख्या से यहां हाथी और मानव के बीच द्वंद में कभी इंसान तो कभी हाथी की मौत की खबरे अक्सर सामने आते रही हैं। जंगलों में विचरण करने वाले हाथियों के मूवमेंट पर वन विभाग ड्रोन कैमरे से नजर बनाये हुए है ताकि हाथी प्रभावित गांव के ग्रामीणों को पहले से हाथियों के बारे में बताकर उन्हें सावधान किया जा सके। ड्रोन कैमरे का एक ऐसा वीडियो अमर उजाला को मिला है जिसमें जंगलों में हाथियों का एक दल विचरण करते हुए दिखाई दे रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक छत्तीसगढ़ का रायगढ़ जिला पहाड़ो और घने जंगलों से घिरा हुआ है यहां के जंगलों में हाथी के अलावा अन्य कई प्रकार के वन्यप्राणी विचरण करते हैं। खासकर जंगलों में भोजन और पानी की पर्याप्त मात्रा होने की वजह से हाथियों ने बीते कई सालों से डेरा डाला हुआ है।

रायगढ़ जिले के कुदमुरा गांव के जंगल में विचरण करने वाले हाथियों के एक दल का ड्रोन कैमरे का वीडियो भी सामने आया है जिसमें हाथी का दल जंगल में विचरण करते हुए दिखाई दे रहा है। वन विभाग के अधिकारियों के द्वारा लगातार ड्रोन कैमरे के जरिये जंगलों में विचरण करने वाले हाथियों पर नजर रखते हुए हाथियों

की तरफ जाने पर पूरे गांव में मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को सावधानी बरतने की बात कही जाती है। साथ ही साथ किसी भी हाल में जंगल की तरफ नही जाने की सलाह भी दी जाती है ताकि उनके क्षेत्र में किसी भी प्रकार की जनहानि की घटना घटित न हो।

एक जानकारी के मुताबिक इन दिनों रायगढ़ जिले के जंगलों में 138 हाथी रायगढ़ एवं धरमजयगढ़ वन मंडल के अलग-अलग रेंज में विचरण कर रहा है। इस दल में 34 नर हाथी, 64 मादा, 40 बच्चे शामिल है। हाथियों के इस दल में बोरो के खम्हार बीट में सर्वाधिक 32 हाथी, छाल के हाटी बीट में 2 हाथी, धरमजयगढ़ के पोटिया बीट में 12 हाथी, धरमजयगढ़ के कोयलार बीट में 10 हाथी, कापू के कुमरता पूर्व बीट में 11 हाथी के अलावा धरमजयगढ़ वन परिक्षेत्र के अलग-अलग बीट में हाथियों का दल विचरण कर रहा है। इसी तरह रायगढ़ वन मंडल के घरघोड़ा के कटंगडीह बीट में सर्वाधिक 13 हाथी है, नवापारा में 8, कांटाझरिया में 4, कमतरा में 3 के अलावा कसडोल एवं तमनार के केराखोल पूर्व में एक-एक हाथी हैं विचरण कर रहे हैं।

11 किसानों की फसल को नुकसान

वन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक धरमजयगढ़ वन मंडल के अलग-अलग बीट में हाथियों ने रविवार की रात 11 किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। जिसमें पुटुकछार में हाथियों ने 4 किसानों की धान की फसल को नुकसान, हाटी में 4 किसानों की धान एवं मूंगफली की फसल को नुकसान, बायसी, खम्हार में एक-एक किसान की धान की फसल को नुकसान के अलावा छाल के भलमुडी में धान एवं मूंगफली की फसल को नुकसान पहुंचाया गया है।

बीएसपी ने भारतीय रेलवे को आर-350 हीट-ट्रीटेड रेल की दूसरी रेक भेजी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ने 20 अप्रैल को 260 मीटर लंबाई वाली क्र-350 हीट-ट्रीटेड रेल की 1000 टन की दूसरी रेक भारतीय रेलवे को भेजी। भारतीय रेलवे, हायर एक्सल लोड के साथ रेल परिवहन को और भी तेज करने के लिए आधुनिकीकरण की ओर अग्रसर है। इसके लिए भारतीय रेलवे की ओर से, सेल द्वारा उत्पादित माइक्रो-अलॉय रेल और हीट-ट्रीटेड रेल दोनों की मांगों में बढोत्तरी हुई है। भिलाई इस्पात संयंत्र, छह दशकों से भी अधिक समय से भारतीय रेलवे की वांछित ग्रेड में रेल की मांगों को पूरा कर रहा है। संयंत्र अपने आधुनिक यूनिवर्सल रेल मिल से 130 मीटर वाली दुनिया की सबसे लंबी रेल बनाता है। साथ ही भारतीय रेलवे को 260 मीटर वेल्डेड रेल पैनल की भी आपूर्ति करता है।

भिलाई इस्पात संयंत्र ने माइक्रो-अलॉय रेल की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, नए 60 ई-1 प्रोफाइल के साथ क्र-260 रेल का एक नया ग्रेड विकसित किया था। जिसे संयंत्र द्वारा जुलाई 2022 से रोल आउट कर भारतीय रेलवे को आपूर्ति किया जा रहा है। रेल के इस नए ग्रेड उत्पाद की मानक और विशिष्टताएं, बीएसपी द्वारा पूर्व में उत्पादित ग्रेड-880 या यूटीएस-90 रेलों की तुलना में अधिक है, यहाँ तक कि ये यूरोपीयन मानक से भी बेहतर है।

संयंत्र की आधुनिक यूनिवर्सल रेल मिल ने, आर-260 ग्रेड रेल के नियमित उत्पादन के साथ भारतीय रेलवे की मांग के अनुसार, हीट-ट्रीटेड रेल की ट्रेल रोलिंग शुरू की थी। सेल के अनुसंधान विंग आरडीसीआईएस में सफल परीक्षणों और भारतीय रेलवे के अनुसंधान विंग आरडीएसओ से मंजूरी के बाद, आर-350 एचटी रेल का वाणिज्यिक उत्पादन, अक्टूबर 2023 में यूनिवर्सल रेल मिल में शुरू हुआ। 260 मीटर लंबाई में 1000 टन आर-350 एचटी रेल की पहली खेप, 31 अक्टूबर 2023 को भेजी गई थी।

ये विशेष ग्रेड हीट-ट्रीटेड रेल, अभी भारत के दक्षिणी भागों में फील्ड परीक्षणों के अधीन है। कई बार एक्सल लोड अधिक होने के साथ साथ ट्रेनों की गति तेज और धीमी होने के परिणामस्वरूप, ट्रेनों के पहिये और पटरियों के बीच घर्षण अधिक होता है। रेल परिवहन के ऐसे हिस्सों में पहिये और पटरियों के बीच घर्षण को कम करने के लिए यह विशेष ग्रेड हीट-ट्रीटेड रेल सबसे उपयुक्त है।

घर आजा संगी, मतदान प्रतिशत बढ़ाने अनूठी पहल

■ **कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने श्रमिकों का बैच लगाकर किया स्वागत**

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में लोकसभा चुनाव के दौरान शत प्रतिशत मतदान को लेकर अनूठी और अभिनव पहल किया गया है। इसका नाम घर आजा संगी दिया गया है। इसके माध्यम से दूसरे राज्यों में गए जिले के स्थानीय श्रमिक-मजदूरों को मोबाइल के माध्यम से संपर्क किया जा रहा है। श्रमिकों से संपर्क करने के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। स्वीप कार्यक्रम के तहत श्रमिकों को मोबाइल से संपर्क कर बताया जा रहा है कि लोकतंत्र का महापर्व कबीरधाम जिले में 26 अप्रैल को मनाया जाएगा।

इस दिन लोकसभा का चुनाई तिहार है, इसलिए मतदान करने अपने घर-गांव अवश्य आए। लोकतंत्र का महापर्व पांच साल में सिर्फ एक बार ही आता है। आपका एक मत एक मजबूत भारत निर्माण के लिए आवश्यक है। कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी जन्मेजय महोबे द्वारा जारी संदेश, आग्रह और अपील को सुनकर अपने घर-गांव से बाहर गए श्रमिक अपने मतदान के महत्व को समझने लगे है और मतदान करने कबीरधाम लौटने भी लगे है।

आज मंगलवार की सुबह कवर्धा के बस स्टैंड में अन्य प्रदेश से मतदान के लिए आए जिले के स्थानीय

मजदूरों का कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी जन्मेजय महोबे और जिपं सीईओ व स्वीप नोडल अधिकारी संदीप अग्रवाल ने बैच लगाकर स्वागत किया। कलेक्टर महोबे ने सभी श्रमिकों को शत प्रतिशत मतदान के प्रेरित किया और अन्य व्यक्तियों को 26 अप्रैल को मतदान के लिए जागरूक करने कहा।

इस दौरान उन्होंने मतदाताओं को स्वतंत्र, निर्भीक और निष्पक्ष होकर मतदान के लिए शपथ दिलाई। इसी तरह जिले के सहसपुर लोहारा, बोड़ला, कवर्धा और पंडरिया ब्लॉक स्तर पर भी जनपद पंचायत सीईओ द्वारा मतदान करने लौटने वाले श्रमिक परिवारों का स्वागत अभिनंदन किया जा रहा है। घर आजा संगी पहल से मतदान करने लौटें श्रमिको ने इस अभिनव पहल की तारीफ की।

हनुमान जन्मोत्सव की धूम, भूमिफोड़ बजरंगबली को लेकर करते हैं ये दावा

बालोद में 400 साल पुरानी हनुमान प्रतिमा

बालोद। बालोद जिले के ग्राम कमरौद में 400 साल पुरानी भगवान हनुमान की विशाल प्रतिमा है। इस प्रतिमा का आकार और ऊंचाई बढ़ने का दावा मंदिर समिति और भक्त करते हैं। जमीन से निकलने के कारणयह भूमिफोड़ बजरंगबली के नाम से छत्तीसगढ़ में प्रसिद्ध हैं। इस मंदिर की प्रसिद्धि को लेकर इसे पर्यटन स्थल बनाने की मांग ग्रामीण और मंदिर समिति कर रहे हैं। मंदिर की खासियत यह है कि यहां जिसने भी सच्चे मन से भगवान बजरंगबली का स्मरण किया है। उसकी मनोकामना पूरी हुई है। यही वजह है कि लोगों की आस्था बढ़ रही है।

मंदिर समिति के अध्यक्ष पुनीत राम देशलहरा ने बताया कि यहां पर भक्त दूर-दूर से आते हैं। पूरे साल भर यहां मेले का जैसा माहौल रहता है। भक्त यहां मनोकामना लेकर आते हैं। वह पूरी जरूर होती है। उन्होंने बताया कि पूर्वज कहते थे कि यहां पर भगवान हनुमान की प्रतिमा बढ़ रही है और इन्ही सब विषयों को देखते हुए हमने मंदिर ऊंचा

बनाया है। वहीं भक्त पंकज साहू ने बताया कि मेरी आस्था इस मंदिर से काफी समय से जुड़ी हुई है। जहां आकार मुझे काफी सुकून मिलता है।

समय के साथ बढ़ता गया प्रांगण

आज के समय में इस मंदिर की भव्यता देखते ही बनती है। बजरंगबली के साथ इस स्थान पर दूसरे देवी-देवताओं की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। हाल ही में मंदिर के अंदर 17 फीट ऊंची विशाल काली मां की प्रतिमा स्थापित की गई है। मंदिर के विकास के लिए स्थानीय लोगों ने सरकार से गुहार लगाई। लेकिन कोई फंड नहीं मिला है। जिसके बाद स्थानीय लोगों, व्यापारियों और आम जनता ने आपसी सहयोग से मंदिर का विकास किया। प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त बजरंगबली की मूर्ति कृत्रिम नहीं बल्कि प्राकृतिक है। यह स्थान आस्था का केंद्र है। जहां पिछले 400 साल से लोग बारह महीने दर्शन के लिए आते हैं।

जमीन से निकले हैं हनुमान जी

गांव का एक किसान अपने खेत में हल चला रहा था। किंतु एक ही जगह बार बार हल चलाने से वह टूट जा रहा था। एक दिन उस किसान को सपने में भगवान के दर्शन हुए और उसने वहां उसी जगह खेत पर जमीन से निकले हनुमान जी को एक मंदिर के रूप में स्थापित कर उनकी प्राण प्रतिष्ठा भी की। भगवान की प्राण प्रतिष्ठा से वहां उसकी मन्नतें पूरी हुई। धीरे-धीरे आसपास के ग्रामीण भी प्राण प्रतिष्ठा में लग गए और आज भी लोग दूर-दूर से अपनी मन्नतें लेकर यहां आते हैं।

श्री हनुमान मंदिर धरसींवा का अपना अलग ही इतिहास है

धरसींवा। बिलासपुर रायपुर नेशनल हाइवे पर धरसींवा में स्थित प्राचीनत्तम श्री हनुमान जी मंदिर का अपना अलग ही इतिहास है। जैसा कि स्थानीय लोग बताते हैं अंग्रेजों के शासन काल के समय, धरसींवा से 4 किलोमीटर दूर कोल्हान नाला के पास एक दुर्घटना हुई थी तब धरसीवा थाना के प्रभारी सुबेदार सोनूलाल मिश्रा व हवलदार सत्यनारायण तिवारी दोनो मुआयना व जांच करने घोड़ा से नाला के पास पहुंचे। पहले थानों मे घोड़ों से आना जाना होता था। घोड़े को चारा चरने के लिये छोड़कर दोनों पुलिस अधिकारी दुर्घटना की जांच में लग गए और जब जांच पूरी कर वापसी आने के लिए घोड़ा के पास गये, तो घोड़ा अडने लगा, और जोर-जोर से हिनहिनाने लगा। घोड़े के इस हरकत पर पुलिस अधिकारियों को कुछ शंका हुई क्योकि अब के जैसे आधुनिकता नहीं थी बेजुबान जानवर बहुत कुछ कह जाते हैं यह पुलिस वाले भी मानकर आसपास के एरिया पर नजर डालना शुरु किया तो सामने झाडियों में श्री हनुमान जी की एक प्रतिमा पड़ी हुई थी। अधिकारियों ने उसी घोड़े में हनुमान जी को बिठाकर धरसींवा थाने ले आए, और थाने के सामने नीम पेड़ के नीचे प्रतिमा को रख दिए, कुछ समय व्यतीत होने के बाद छोटा सा मंदिर बनवा कर, हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान से करवा कर प्रतिस्थापित कर दिया गया। समय के साथ-साथ मंदिर का विस्तार भी हुआ। बाद में माँ भगवती दुर्गा एवं शिवजी की प्रतिमा भी प्रतिस्थापित की गई। अब धर्म और आस्था का एक बड़ा केन्द्र यह मंदिर बन चुका है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

29 नक्सलियों पर था 1 करोड़ 85 लाख 55 हजार ईनामी राशि

कांकेर। जिले में हुए आपाटोला मुठभेड़ में मारे गए सभी 29 नक्सलियों की पहचान के साथ नक्सलियों पर घोषित इनामी की राशि की जानकारी सार्वजनिक की गई है। मारे गए सभी 29 नक्सलियों पर कुल 01 करोड़ 78 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वहीं नक्सलियों से जब्त एके-47 और इंसास जैसे हथियारों पर पुलिस ने 07 लाख 55 हजार का इनाम रखा था। इस तरह कुल ईनामी राशि 01 करोड़ 85 लाख 55 हजार रुपये आंकी गई है। पहली बार नक्सलियों के शीर्ष संगठन ने भी माना की मारे गये सभी नक्सली थे, अन्यथा अकसर नक्सली संगठन पुलिस एवं फोर्स पर नक्सली नही होने तथा ग्रामीण होने का दावा करते रहे हैं। नक्सलियों के हितचिंतक तथाकथित सामाजिक कार्यकर्ता भी इस मुठभेड़ पर मौन हैं। गौरतलब है कि कांकेर जिले के छोटे बेठिया थाना क्षेत्र के माड़ इलाके में 16 अप्रैल को सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी, जिसमें 29 नक्सली मारे गये थे। पुलिस फोर्स और नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में नक्सली कमांडर शंकर राव को ढेर किया गया था।

सेवानिवृत्त शिक्षक के परिजनों ने अपने पिता के शव को मेकॉज को सौंपा

जगदलपुर। वृंदावन कॉलोनी में निवासी सेवानिवृत्त शिक्षक के परिजनों ने अपने पिता के निधन के बाद उनके शव को मेकॉज में देहदान कर दिया। मृतक शिक्षक के पुत्र सुरेश प्रजापति ने बताया कि पिता गुरुदयाल प्रजापति पिता स्व. रामचरण 85 वर्ष मूलघर यूपी था, वर्ष 1960 में उनकी शिक्षक के तौर पर नौकरी लगने पर बस्तर आये थे। वर्ष 2002 में सेवानिवृत्त होने के बाद घर में अक्सर अपनी पत्नी को मेकॉज में पढने वाले बच्चों के बारे में चर्चा करने के साथ ही पढ़ाई करने के लिए उन्हें अपने शव को दान करने की बात कहते, 85 वर्ष की उम्र में उन्होंने अपनी अंतिम सांस ली, जिसके बाद उनके पार्थिव देह को परिजनों ने मेकॉज के डॉक्टरों को सौंपा।

शारीरिक-मानसिक और मजबूत आत्मबल के लिए योग जरूरी

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश अनुसार ग्रीष्म ऋतु की छुट्टियों में बच्चों एवं आम जनता को योग प्रभारी द्वारा राजेंद्र पार्क में योगा सिखाया जा रहा है जिसमें बढ़-चढ़कर बच्चे,बुजुर्ग व युवा सहित लोग योगा सीखने आ रहे हैं। सुबह प्रतिदिन 5.30 से 7.30 वजे तक योग क्रिया निःशुल्क सिखाई और बताई जा रही है। जिला योग प्रभारी ने शहर वासियों से अपील की है कि अपने बच्चों को ग्रीष्म ऋतु मे योगा सीखने हेतु भेजें क्योंकि योगा से मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की बीमारी ठीक होती है और शरीर निरोग रहता है शरीर के निरोग रहने से मन भी निरोग रहता है इसलिए योगा बहुत जरूरी है और सभी लोगों को योगा करना चाहिए। आज आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने राजेन्द्र पार्क पहुँचकर योग किया साथ ही शहर की सफाई व अन्य व्यवस्था देखी। उन्होंने निरीक्षण के दौरान मौजूद अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पार्क के अंदर और भी बेहतर व्यवस्था बनाये रखने की बात कही।

घर के पास खड़ी कार में अचानक लगी आग

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। पेंड्रा में देर रातघर के पास खड़ी एक कार में अचानक आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय दमकल मौके पर पहुंचकर कार में लगे आग पर काबू पाया। शुरुवाती जानकारी के अनुसार, कार में आग शॉर्ट सर्किट से लगने की आशंका जतलाई जा रही है। मामला पेंड्रा थाना क्षेत्र का है। जहां पर ब्लॉक ऑफिस के पास खड़ी एक स्विफ्ट कार में देर रात लगभग 3 बजे के आसपास अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग बढ़ने लगी। हालांकि, आसपास के कुछ लोगों की नजर जैसे ही आग के शुरुआती पकड़ने पर नजर पड़ी। तो उन्होंने आसपास के लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। साथ ही कार में आगे लगने की जानकारी स्थानीय नगर पालिका निगम के फायर दमकल को भी दी गई। जिसके बाद नगर पालिका निगम का फायर दमकल भी समय रहते मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। हालांकि दमकल के पहुंचने से पहले कार का पीछे का हिस्सा जल चुका था। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

मासूम को पेड़ पर लेकर चढ़ी महिला, आत्महत्या की कोशिश

बिलासपुर। बिलासपुर जिले के जन स्वास्थ्य केंद्र गनियारी परिसर में दो साल की बच्ची सहित महिला पेड़ से कूदने का प्रयास कर रही थी। जिसकी सूचना पर डायल 112 की तत्परता से बच्ची और महिला की जान बचाई गई। दरअसल, डायल 112 कमांड सेंटर रायपुर में सूचना मिला कि बिलासपुर जिले के थाना कोटा क्षेत्रान्तर्गत जन स्वास्थ्य केंद्र गनियारी में दो वर्ष की मासूम बच्ची भर्ती थी। जिसे एक महिला अपने साथ नीम पेड़ में लेकर चढ़ गई। बच्ची समेत कूदकर जान देने का प्रयास कर रही थी। लेकिन तभी सूचना की गंभीरता को देखते हुए डायल 112 टीम बिना देर किये मौके पर पहुंच गई। जहां पूछताछ में पता चला कि महिला अपने नातिन को जन स्वास्थ्य केंद्र गनियारी में स्वास्थ्य खराब होने से भर्ती कराई थी। इलाज दौरान डॉक्टरों द्वारा इंजेक्शन देने पर विरोध कर रही थी। कुछ देर बाद वह मासूम बच्ची को साथ लेकर नीम के पेड़ पर चढ़ गई, जिसे नीचे उतरने के लिए कहने या पेड़ में चढ़ने का प्रयास करने पर वह स्वयं या बच्चे को पेड़ से नीचे फेंक देने की धमकी दे रही थी।

तीसरी रेलवे लाइन कार्य से बेपटरी हुआ यातायात

बिलासपुर। दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद रेल मण्डल के काजीपेट जं-कोंडापल्ली सेक्शन एवं विजयवाड़ा रेल मण्डल के विजयवाड़ा -गोधरा जंक्शन के बीच तीसरी रेलवे लाइन का कार्य जाएगा, इस लिए नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के लिए कुछ गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा। इस कार्य के फलस्वरुप दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे होकर चलने वाली कुछ गाडियों का परिचालन प्रभावित रहेगा है।

रद्द होने वाली गाड़ी

1, 4, 8, 11, 15, 18 एवं 22 मई को कोरबा से चलने वाली 22647 कोरबा-कोचुवेलि एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

29 अप्रैल, 2, 6, 9, 13, 16 एवं 20 मई को कोचुवेलि से चलने वाली 22648 कोचुवेलि-कोरबा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

परिवर्तित मार्ग से चलने वाली गाडियाँ -

28 अप्रैल, 09, 15 एवं 21 मई, 2024 को विशाखापटनम से चलने वाली गाड़ी संख्या 20805 विशाखापटनम-नई दिल्ली एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

28 अप्रैल, 09, 15 एवं 21 मई को नई दिल्ली चलने वाली गाड़ी संख्या 20806 नई दिल्ली- विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

2, 9 एवं 16 मई, को विशाखापटनम से चलने वाली 20803 विशाखापटनम-गांधीधाम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

28 अप्रैल, 5 एवं 19 मई, को गांधीधाम से चलने वाली 20804 गांधीधाम-विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

28 अप्रैल, 5 एवं 19 मई को पूरी से चलने वाली 20819 पूरी-ओखा एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

1, 8 एवं 15 मई को ओखा से चलने वाली 20820 ओखा-पूरी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

29 अप्रैल, 3, 6, 10, 17 एवं 20 मई,को विशाखापटनम से चलने वाली गाड़ी संख्या 12803 विशाखापटनम-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

28 अप्रैल, 1, 5, 8, 15 एवं 19 मई को निज़ामुद्दीन से चलने वाली गाड़ी संख्या 12804 निज़ामुद्दीन-विशाखापटनम एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग विशाखापटनम-वियजयवाड़ा-रायगढ़-टिटलागढ़-रायपुर-नागपुर होकर रवाना होगी।

पुरी-उधना-पुरी के मध्य समर स्पेशल ट्रेन

■ **यात्रियों को कंफर्म बर्थ के साथ सुविधा उपलब्ध कराने की पहल**

बिलासपुर। ग्रीष्मकालीन के दौरान ट्रेनों में यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये उन्हें कंफ़र्म बर्थ के साथ यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पुरी-उधना-पुरी के मध्य 17 फेरों के लिये ग्रीष्मकालीन द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जा रहा है।

08471 पुरी-उधना समर स्पेशल पुरी से 25 अप्रैल से 27 जून तक प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को तथा 08472 उधना-पुरी समर स्पेशल उधना से 26 अप्रैल से 28 जून तक प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को चलेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग एवं गोंदिया स्टेशनों में दिया गया है 7 08471 पुरी-उधना समर स्पेशल पुरी से प्रत्येक सोमवार व गुरुवार को 06.30 बजे रवाना होगी तथा बिलासपुर आगमन 16.10 बजे, प्रस्थान 16.25 बजे, रायपुर आगमन 18.55 बजे, प्रस्थान 19.00 बजे, दुर्ग आगमन 20.15 बजे, प्रस्थान 20.20 बजे एवं गोंदिया आगमन 22.35 बजे, प्रस्थान 22.37 बजे तथा दूसरे दिन 14.00 बजे उधना पहुंचेगी 7 इसी प्रकार 08472 उधना-पुरी समर स्पेशल उधना से प्रत्येक मंगलवार व शुक्रवार को 17.00 बजे रवाना होगी तथा गोंदिया आगमन दूसरे दिन 08.45 बजे, प्रस्थान 08.47 बजे, दुर्ग आगमन 09.50 बजे, प्रस्थान 09.55 बजे, रायपुर आगमन 11.15 बजे, प्रस्थान 11.20 बजे एवं बिलासपुर आगमन 13.50 बजे, प्रस्थान 13.55 बजे तथा 22.45 बजे पुरी पहुंचेगी। इस स्पेशल ट्रेन में 02 एसएलआरडी, 04 सामान्य, 08 स्लीपर, 02 एसी- ।।।, 01 एसी - ।। सहित कुल 17 कोच की सुविधा उपलब्ध रहेगी।

संक्षिप्त समाचार

नारायणपुर के वैद्यराज हेमचंद मांझी को मिला पद्मश्री पुरस्कार

रायपुर। सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि

हेमचंद मांझी पांच दशकों से ज्यादा समय से बस्तर सहित पूरे छत्तीसगढ़ के ग्रामीणों को प्राकृतिक और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर रह हैं। अबूझमाड़ के प्रख्यात वैद्यराज हेमचंद मांझी को महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों से पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस पर उन्होंने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनका नि:स्वार्थ सेवाभाव हम सबके लिए प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। नारायणपुर के छोटे डोंगर में जन्मे हेमचंद मांझी उस समय से लोगों का इलाज कर रहे हैं, जब उस क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं थी। अपने ज्ञान और सेवाभाव की बदौलत से उन्होंने लोगों का इलाज शुरू किया और 5 पिछले दशकों से मरीजों का उपचार कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ सहित आसपास के राज्यों और विदेशों में रहने वाले पीड़ित मरीज भी छोटे डोंगर पहुंचकर इलाज कराते हैं। जब हेमचंद मांझी को पद्म श्री पुरस्कार की घोषणा हुई थी, तब मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास में आमंत्रित कर उनका सम्मान किया था।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर साय ने सपरिवार सीएम निवास में की पूजा-अर्चना

रायपुर। श्री हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। पूजा में श्री साय की धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय सहित परिवारजन भी उपस्थित थे। उन्होंने भगवान हनुमान से छत्तीसगढ़ वासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संदेश में कहा कि श्रीराम के दूत-अंजनी सुत, सकल गुण, बल और बुद्धि के सागर, महावीर हनुमान जी के जन्मोत्सव पर आप सभी छत्तीसगढ़ वासियों को बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। प्रभु हनुमान जी का आशीर्वाद समस्त प्रदेशवासियों पर बरसता रहे। सुशासन और राम राज्य की स्थापना के लिए श्री हनुमान की कृपा हम सबको मिलती रहे।

रायपुर लोकसभा आब्जर्वर रोहन चंद ठाकुर ने किया मतदान केंद्रों का निरीक्षण

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्रमांक 08

आब्जर्वर श्री रोहन चंद ठाकुर द्वारा ग्राम पंचायत निमोरा, बेन्द्री केन्द्री, अभनपुर एवं ठेलकाबांधा के मतदान केंद्र का निरीक्षण किया गया। उन्होंने सुगम मतदान के लिए ज़िला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में की गई व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान अभानपुर अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) श्री रवि सिंह सहित राजस्व अधिकारी कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

सड़कों की सुंदरता लाने रायपुर नगर निगम ने किया फोकस

रायपुर। रायपुर नगर निगम द्वारा शहर के सातों प्रवेश द्वारों के साथ ही शहर के भीतर के सड़कों पर हरियाली और बिजली जैसी व्यवस्थाएं कर सौन्दर्यकरण का कार्य किया जाएगा। इसके लिए निजी एजेंसियों की भी मदद ली जाएगी। इसी योजना के तहत निगम कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने सोमवार को एक्सप्रेस वे, गौरव पथ और केनाल रोड का निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ अपर आयुक्त विनोद पांडे तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। शहर प्रवेश के सातों मार्गों के शहर ही भीतर की सड़कों पर हरियाली कर सौंदर्यीकरण कर सुंदरता लाने, रात में बिजली की पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने के साथ ही साफ - सफाई पर भी काम करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। ये सभी कार्य निजी एजेंसियों के माध्यम से विज्ञापन मॉडल पर करवाया जाएगा। इससे निगम की बचत होगी। साथ ही मेन्टेन्स का भी काम भी उन्हीं एजेंसियों को दिया जाएगा।

महिला को स्वरोजगार दिलाने बनाया जाएगा समृद्धि बाजार

रायपुर। रायपुर नगर निगम के कमिश्नर अबिनाश मिश्रा ने मंगलवार सुबह शंकर नगर के क्रिस्टल मार्केट ने पास की जगह का निरीक्षण कर यहां महिलाओं को स्वरोजगार उपलब्ध कराने हेतु सर्वसुविधायुक्त बाजार बनाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने तत्काल प्रस्ताव बनाने के लिए भी कहा। कमिश्नर श्री मिश्रा के निरीक्षण के दौरान जोन क्रमांक 3 के जोन कमिश्नर प्रीति सिंह तथा कार्यपालन अभियंता राकेश अवधिया भी मौजूद थे। जोन कमिश्नर श्रीमती सिंह ने बताया श्री मिश्रा ने निर्देश दिए कि इस जगह पर महिलाएं चाट - गुपचप, घर के बनाई,बड़ियां-आचार, फल आदि बेचकर स्वरोजगार प्राप्त कर सकें।

मैं क्या संविधान को कोई भी नहीं बदल सकता : मोदी

■ **कांग्रेस खुद को भगवान राम से बड़ा मानती है**

जांजगीर चांपा। मंगलवार को पीएम मोदी छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के प्रचार में पहुंचे।यहां पीएम मोदी ने जांजगीर चांपा के सक्ती में रैली की शुरुआत छत्तीसगढ़ी भाषा से की। कोसा, कांसा और कंचन की धरती से पीएम मोदी ने संबोधन शुरू करते हुए कहा कि यहां एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। हमारे सेवा भाव को छत्तीसगढ़ की जनता ने मान दिया है। उसके लिए हम आपका आभार व्यक्त करते हैं।

पीएम मोदी ने जांजगीर चांपा की जनता से कहा कि मैं फिर से आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। तीसरी बार बीजेपी सरकार के लिए आपका भरपूर आशीर्वाद चाहिए। पीएम मोदी ने लोगों से बीजेपी के पक्ष में वोट करने की अपील की है। मोदी ने कहा कि रायगढ़ से राघेश्याम राठिया और जांजगीर से कमलेश जांगड़े को जिताने का आशीर्वाद मैं मांगने आया हूं। ये दोनों मेरे साथी भारत को शक्तिशाली बनाने के लिए चाहिए। ये दोनों साथी देश की मजबूत सरकार के लिए मेरा साथ देंगे। इसलिए इनको जिताकर आप दिल्ली भेजें। चंद्रहासिनी देवी, गिरौदपुरी धाम, शिवरी नारायण, अष्टभुजी, तुरीधाम और दामाखेड़ा के आशीर्वाद पर मुझे पूरा भरोसा है। इसी भरोसे के आधार पर पूरा छत्तीसगढ़ कह रहा है कि फिर एक बार मोदी सरकार।

पीएम मोदी ने रामनामी समुदाय का अभिनंदन किया और कहा कि मंच पर रामनामी समुदाय के आचार्य महत्तर महाराज रामनामी और सेतबाई रामनामी माता हमें आशीर्वाद देने आए हैं। इन दोनों ने 22 जनवरी को अयोध्या में भी आकर मुझे आशीर्वाद दिया था। रामनामी समाज अपनी भक्ति और अपनी भजन और प्रकृति प्रेम के लिए जाना जाता है। कहते हैं कि रामनामी समाज के

पूर्वजों ने डेढ़ सौ साल पहले बता दिया था कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कब होगी। अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की उम्मीद जनता ने खो दी थी। उस उम्मीद को पूरा करने का काम बीजेपी ने किया है और कमल वालों ने किया है। कांग्रेस के लोग हमसे पूछते थे कि मंदिर कब बनेगा। ये लोग नारा देते थे कि मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे। हमने इन्हें दिन भी बताया, तारीख भी बताया और राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का इन्हें निमंत्रण दिया। लेकिन इन लोगों ने राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा दिया। छत्तीसगढ़ तो राम का ननिहाल है। ये माता शबरी की धरती है। कांग्रेस ने भगवान राम के ननिहाल और माता शबरी का अपमान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में तुष्टिकरण की नीति है। ये लोग आदिवासी, गरीबों और पिछड़ों का हक छीनने के लिए एक सेकेंड भी नहीं लगाएंगे। बीजेपी सबका साथ सबका विकास को लेकर चलने वाली पार्टी है। हमारी प्राथमिकता, गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण करना है। कांग्रेस ने गरीबी हटाओ का नारा 60 साल तक दिया और अपने नेताओं की तिजोरी भरी। मोदी ने नारा नहीं दिया आपसे नाता जोड़ा और गरीबों की सेवा की है। गरीबों की परेशानी को दूर करने का काम किया है। मोदी ने 25 करोड़ गरीबों को गरीबी से बाहर निकाला है। गरीब कल्याण के लिए बीजेपी की नीति और नीयत सही है। अगर नीयत सही होती है तो नतीजे भी सही होते हैं। इसी कारण 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। मोदी सरकार कभी किसी चुनौती से पीछे नहीं हटती। मोदी सरकार ने धान किसानों के दुख दर्द को समझा। हमारे नए सीएम और उनकी पूरी टीम ने आते ही कमाल कर दिया। दो साल का बकाया पैसा भी किसानों को दे दिया। रिकॉर्ड एमएसपी पर धान की खरीदी की गई है। धान के किसानों को यह फायदा मिल चुका है। हमने तेंदुपत्ता संग्राहकों को भी बोनस दिया है। किसानों को पीएम सम्मान निधि का पैसा दिया जा रहा है। मोदी की गारंटी है कि किसानों को यह पैसा आगे भी मिलता रहेगा। पीएम मोदी ने कहा कि बीजेपी सरकार खेती में माताओं, बहनों की भागीदारी को कई गुना बढ़ाने में जुटी है। ड्रोन क्रांति से भी खेती को काफी मदद मिलने जा रही है। नमो ड्रोन दीदी योजना का नेतृत्व महिलाएं और बहनें करने जा रहीं हैं। छत्तीसगढ़ में महतारी वंदन योजना की देश भर में चर्चा हो रही है। यहां लाखों बहनों को हर महीने सीधी मदद पहुंच रही है। हम तीन करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाएंगे। नमो दीदी ड्रोन अभियान से यहां की महिलाओं को सीधा फायदा होगा।

इस दौरान पीएम मोदी ने जांजगीर चांपा की सभा में एक बच्ची से कहा कि बेटी आप कब से यह फोटो लेकर खड़ी हो आप थक जाएंगी। यह फोटो आप मुझे दे दीजिए। बेटा पीछे अपना नाम पता लिख देना, मैं आपको चिट्ठी लिखूंगा।

पीएम मोदी ने दावा किया कि बीजेपी सरकार जो कहती है, उसे करके दिखाती है। जांजगीर में 50 हजार परिवार को पक्के घर मिले। दो लाख नल कनेक्शन मिले हैं। तीन लाख बहनों को उज्ज्वला कनेक्शन मिला। मेरे लिए मेरा भारत मेरा परिवार है। परिवार के हर सुख दुख की चिंता करना मेरा भी दायित्व है। मुफ्त राशन देने वाली योजना आने वाले पांच साल तक चलती रहेगी। आयुष्मान भारत योजना के तहत लोगों को 5 लाख तक के इलाज की गारंटी मिल रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा 60 साल तक कांग्रेस के एक ही परिवार ने सीधा या रिमोट से सरकार चलाई है। कांग्रेस कभी नहीं चाहती की दलित और पिछड़े को सत्ता मिले। मैं आपके बीच से निकला हूं और आपके बीच से निकलकर आया हूं। इसी कारण बीजेपी ने एक दलित पार्टी की महिला को राष्ट्रपति बनाया। बीजेपी ने देश को पहली महिला राष्ट्रपति देने का फैसला किया। कांग्रेस ने इसका भी विरोध किया। कांग्रेस आदिवासियों की घोर विरोधी हैं। कांग्रेस ने एक आदिवासी महिला के राष्ट्रपति बनने का विरोध किया। पीएम मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आपने हम पर भरोसा जताया तो हमने अरुण साव को भी बड़ी जिम्मेदारी दी। कांग्रेस को यह सब पच नहीं रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा पहले कर्नाटक से कांग्रेस के सांसद ने कहा कि दक्षिण भारत को अलग देश घोषित कर देंगे। अब गोवा से कांग्रेस के नेता और उम्मीदवार ने कहा कि गोवा पर देश का संविधान लागू नहीं होता। यह बात कांग्रेस के नेता ने शहजादे को बताई है। यह बाबा साहेब का अपमान है और देश के संविधान का अपमान है। जम्मू कश्मीर में भी ये लोग ऐसा कहते थे लेकिन अब वहां देश का संविधान चल रहा है। गोवा में कांग्रेस के नेता जो कह रहे हैं, उस पर शहजादे की मूक सहमति है। आज गोवा में संविधान को नकार रहे हैं और कल पूरे देश में इसे नकारने का काम करेंगे। कांग्रेस के पास देश के लिए कोई विजन नहीं है।

सक्ती की पूर्व कांग्रेसी विधायक समर्थकों संग भाजपा में शामिल

सक्ती। पीएम मोदी के सक्ती दौरे के ठीक पहले कांग्रेस को एक और बड़ा झटका लगा है। सक्ती की पूर्व विधायक सरोजा मनहरण राठौर अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हो गई हैं। बीजेपी प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन और कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी के समक्ष उन्होंने भाजपा की सदस्यता लिया।

सरोजा के पति रहे हैं डॉ महंत के खास- पूर्व विधायक सरोजा मनहरण राठौर के पति मनहरण राठौर कांग्रेस के प्रदेश महासचिव के पद पर थे। उनकी पत्नी सरोजा मनहरण राठौर 2008 में सक्ती से कांग्रेस से विधायक चुनी गई थी। मनहरण राठौर नेता प्रतिपक्ष डॉ चरणदास महंत के खास लोगों में शामिल रहे हैं। उन्होंने लंबे समय तक कांग्रेस पार्टी के लिए काम किया।

डॉ महंत और मनहरण के बीच बढ़ी दूरियां = विधानसभा चुनाव 2023 के पहले डॉ महंत से उनकी दूरिया बढ़ गई। इस वजह से कांग्रेस नेता मनहरण राठौर ने डॉ चरणदास महंत के खिलाफ जाकर सक्ती से विधानसभा चुनाव में टिकट मांगी थी। जबकि सक्ती से डॉ महंत चुनाव लड़ने का फैसला कर चुके थे।

छत्तीसगढ़ का सक्ति जिला जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के तहत 7 मई को जांजगीर चांपा लोकसभा क्षेत्र में मतदान होना है। इस बीच आज पीएम मोदी के सक्ती पहुंचने के ठीक पहले पूर्व विधायक सरोजा मनहरण राठौर के बीजेपी में शामिल होने से कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी से पूछे 8 सवाल

■ **दीपक बैज ने ओपन लेटर लिखकर कहा - सत्यपाल मलिक पर क्यों हैं मौन?**

रायपुर। पीएम नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ आने से पहले प्रदेश की सियासत गरमाई हुई है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के प्रदेश आने से पहले 8 सवाल पूछकर जवाब मांगे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने प्रधानमंत्री मोदी को ओपन लेटर लिखकर पूछा कि सत्यपाल मलिक के आरोप पर पीएम मौन क्यों हैं? उन्होंने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के लगाये आरोपों पर प्रधानमंत्री से जवाब मांगा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दागे सवाल

1. जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के लगाए गये गंभीर आरोप पर आप मौन क्यों है, उम्मीद है छत्तीसगढ़ की जनता को जवाब देंगे?

2. 14 फरवरी 2019 को जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में विस्फोटकों से भरी गाड़ी, सीआरपीएफ़ के 70 बसों के काफिले में चल रही एक बस से भिड़ा दी गई थी। इस आत्मघाती हमले में 40 जवान शहीद हुए थे।

सत्यपाल मलिक ने पुलवामा हमले को केंद्र की लापरवाही बताया था, आपकी सरकार ने इसका खंडन क्यों नहीं किया?

3. जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया कि जम्मू से श्रीनगर जाने सीआरपीएफ को पांच एयरक्राफ्ट गृह मंत्रालय ने नहीं दिया, एयरक्राफ़्ट दे देते तो ये हमला नहीं होता। इस हमले के लिये केंद्र सरकार जिम्मदार थी।

4. सत्यपाल मलिक ने आरोप लगाया इस घटना की जानकारी प्रधानमंत्री को दी, गलती बताया तो पीएम उन्हें इस पर चुप रहिए कहा। आपने उनको चुप क्यों करवाया था?

5. संवेदनशील अति सुरक्षित क्षेत्र में 350 किलो आरडीएक्स से भरी गाड़ी कैसे पहुंच गयी? सत्यपाल मलिक का यह भी आरोप पुलवामा हमले के वक्त कनेक्टिंग रोड पर जवान तैनात नहीं थे। उस समय पुलिस तो केंद्र सरकार के ही अधीन थी। उन्हें इसकी जानकारी क्यों नहीं थी? अगर थी तो इस पर उन्होंने क्या कार्रवाई की? किस तरह की जांच बाद में उन्होंने बिठाई?

6. मलिक ने यह भी कहा जम्मू-कश्मीर और गोवा का राज्यपाल रहते हुए उन्होंने कई बार भ्रष्टाचार का मुद्दा प्रधानमंत्री के सामने उठाया, लेकिन कोई कार्रवाई क्यों नहीं हुई?

7. मलिक का आरोप है प्रधानमंत्री के करीबी लोग उनके पास जम्मू-कश्मीर में दलाली का काम लेकर आये, जिसमें उन्हें 300 करोड़ रुपये का ऑफर था।

8. मलिक ने कहा जनवरी, 2022-मैं किसानों के मामले में जब प्रधानमंत्री से मिलने गया तो मेरी पांच मिनट में लड़ाई हो गई। वो बहुत घमंड में थे। जब मैंने उनसे कहा कि हमारे पांच सौ लोग मर गए हैं। उन्होंने किसानों की समस्या नहीं सुना।

हनुमान जयंती पर मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड

■ **जगह-जगह शोभायात्रा और भंडारा किया गया विशेष श्रृंगार**

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में विधि-विधान से भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान हनुमान से छत्तीसगढ़ वासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। छत्तीसगढ़ वासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सुशासन और राम राज्य की स्थापना के लिए हनुमान की कृपा हम सबको मिलती रहे। पूजा में सीएम साय की धर्मपत्नी कौशल्या साय सहित परिवारजन भी उपस्थित थे।

राजधानी रायपुर में सुबह से ही हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ी हुई है। मंदिरों में आज महा आरती, भंडारा, सुंदर कांड पाठ, हनुमान चालीसा पाठ और राम चरित मानस पाठ

किया जाएगा। इसके साथ ही राजधानी में जगह-जगह पर शोभा यात्रा निकली जा रही है। साथ ही हनुमान भक्तों की ओर से शहर के जगह-जगह में संध्या भंडारा का भी आयोजन किया जाएगा। दूधाधारी मठ के हनुमान मंदिर में हनुमान जी के दुग्धाभिषेक किया गया। साथ ही विशेष पूजा-अर्चना की गई। आज दिनभर मठ खुला रहेगा।

लभांडी स्थित सालासर बालाजी मंदिर में हनुमान जी को सवामणी भोग चढ़ा गया। साथ ही दोपहर साढ़े तीन बजे सुंदर कांड का पाठ और शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। रायपुर के गुढ़ियारी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में तड़के साढ़े बजे मंदिर खुलने के बाद 101 किलो दूध से भगवान का अभिषेक किया गया है। साथ ही सुबह हनुमान की शोभायात्रा निकाली गई। राजेंद्र नगर स्थित श्मशान काली मंदिर में हनुमान जी की विशेष पूजा की गई। बूढ़ापारा स्थित महामृत्युंजय वीर हनुमान मंदिर में सुबह पांच बजे हनुमान जी की आरती की गई। साथ ही सुबह आठ बजे श्रृंगार आरती किया गया है और भोग चढ़ा गया है। यहां दिनभर भंडारा होगा। रेलवे स्टेशन स्थित हनुमान मंदिर में शाम को लेजर लाइट शो होगा। रायपुर के गुढ़ियारी, सुंदर नगर और लाखे नगर समेत इलाकों में शोभायात्रा निकाली जाएगी। साथ ही झांकियां आकर्षण का केंद्र होंगी। वहीं जगह-जगह पर भंडारा का आयोजन किया जाएगा।

रायपुर लोकसभा सीट के चुनावी मैदान में 38 उम्मीदवार लड़ेंगे चुनाव

■ **6 ने लिया नाम वापस**

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में रायपुर सीट पर सात मई को चुनाव होना है। रायपुर के चुनावी रण में कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। आगामी सात मई को 38 प्रत्यशियों का भाग्य का फैसला होगा। इसके लिए 12 से 19 अप्रैल तक कुल 44 उम्मीदवारों ने नामांकन दाखिल किए थे। इसमें से छह प्रत्याशियों ने अपना नामांकन वापस लिया है।

इसमें मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य राजनैतिक दलों से तीन, रजिस्ट्रीकृत राजनैतिक दलों से 16 और 25 निर्दलीय प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया था। नामनिर्देशन पत्रों की संवीक्षा के बाद

विधिमान्य कुल 44 उम्मीदवारों की सूची जारी किया गया था। सोमवार को रायपुर लोकसभा सीट से विधिमान्य रूप से नामनिर्देशित छह प्रत्याशियों ने अपना नाम वापस लिए हैं। रायपुर लोकसभा चुनाव में 22 अप्रैल को नाम वापसी का लास्ट डेट था। इस दौरन छह लोगों ने नाम वापस लिया है। इस दौरान अब रायपुर लोकसभा सीट के चुनावी मैदान में कुल 38 उम्मीदवार चुनाव लड़ेंगे। नाम वापसी लेने वाले में जलेबी कुमारी महानंद, साने बाग, सेमसन जॉन, पिलाराम बंजारे, विक्रम अडवाणी, दिनेश ध्रुव का नाम शामिल है।

अभ्यर्थियों को चुनाव चिन्ह का आबंटन

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 8 के लिए 38 अभ्यर्थी चुनाव मैदान में हैं और उन्हें चुनाव चिन्ह का आबंटन कर दिया गया है। इनमें भारतीय जनता पार्टी से श्री बृजमोहन अग्रवाल को कमल छाप, बहुजन समाज पार्टी से ममता रानी साहू को हाथी छाप, इंडियन नेशनल कांग्रेस श्री विकास उपाध्याय को हाथ, राईट टू रिकॉल पार्टी से श्री अनिल महोबिया को प्रेसर कुकर, भ्रष्टाचार मुक्ति पार्टी से मो. अमिन को टायर, आप सबकी अपनी पार्टी से श्री आशीष कुमार तिवारी को कमल की निब सात किरणों के साथ, भारतीय शक्ति चेतना पार्टी से श्री दयाशंकर निषाद को बासुरी, धूं सेना से श्री नीरज सैनी पुजारी को अनूठी, आजाद समाज पार्टी (कांशी) से श्री पिताम्बर जांगड़े को केतली, सुन्दर समाज पार्टी श्री पीलाराम अनंत को कांच का गिलास, भारतीय बहुजन कांग्रेस से भंजन जांगड़े (अधिवक्ता) को ऑटो-रिक्शा, आंबेडकराईट पार्टी ऑफ इंडिया से श्री याशुतोष लहरे को कोर्ट, राष्ट्रीय जनसभा पार्टी से श्री लखमू राम टंडन को नारियल फार्म, इंजी लाल बहादुर यादव गोडवाना गणतंत्र पार्टी से आरी छाप, सोशलिस्ट यूनिटी सेंटर ऑफ़ इंडिया (कम्यूनिस्ट) सेव् विश्वजीत हरोडे को बैटरी टार्च, शक्ति सेना (भारत देष) से सविता शैलेन्द्र बंजारे को गैस-सिलेंडर, हमर राज पार्टी से श्री सुरेश कुमार नेताम को बाल्टी, रिपब्लिकन पार्टी ऑफ़ इंडिया (।) से श्री हीरानंद नागवानी (अशोक भैया) को सिलाई की मशीन, निर्दलीय श्री अमरनाथ चंद्रकार को डिश एंटीना, डॉ. ओमप्रकाश साहू को भालाफेक , मो. इमरान खान को तरबूज, मो. नासीर को ट्रक, नुरी खॉं को कारपेट , नंदिनी नायक को लेडी पर्स, श्री प्रविशान्त सालोमन को हेडफोन, श्री प्रवीण जैन को गैस का चूल्हा, श्री बोधन लाल फरिकसा को सीसीटीवी कैमरा, इंजी. भानु प्रताप टांण्डे को लैपटॉप, श्री मनोज वर्मा को सेब, याकुब खान को हीरा, श्री राजेश ध्रुव को पानी का जहाज, राधेश्वरी गायकवाड़ को एयर कंडीशनर, रामकृष्ण वर्मा को कड़ाही, रामप्रसाद प्रजापति को अलमारी, रोहित कुमार पाटिल को प्रेस, विनायक धमगाये को गन्ना किसान, सुधांशु भूषण को ब्लैक बोर्ड, सैययद इरशाद को बेबी वाकर का चुनाव प्रतीक चिन्ह आबंटित किया गया है।

शराब घोटाला केस में 24 तक जेल में रहेंगे अनिल टुटेजा

रायपुर। शराब घोटाला मामले में जेल भेजे गए रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर अनिल टुटेजा को दो दिन और जेल की हवा खानी पड़ेगी। रायपुर सेंट्रल जेल ने सुरक्षा को लेकर पर्याप्त बल नहीं होने पर टुटेजा को कोर्ट लाने में असमर्थता जताई है। उन्हें सोमवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया।

मामले की सुनवाई करते हुए डीजे कोर्ट ने टुटेजा को दो दिन न्यायिक रिमांड में रखने का फैसला सुनाया है। पीएमएलए कोर्ट के स्पेशल जज के छुट्टी से वापस आने पर 24 अप्रैल को फिर से टुटेजा को कोर्ट में पेशकर रिमांड पर लेने के लिए डीजे कोर्ट ने निर्देश दिए हैं। उनके बेटे यश टुटेजा से पूछताछ के बाद छोड़ दिया था। आने वाले दिनों में कुछ और लोगों की गिरफ्तारी होगी।

2000 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को रविवार को एक दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। जांच एजेंसी के वकील सौरभ पांडे ने कहा कि टुटेजा को प्रवर्तन निदेशालय ने शनिवार को गिरफ्तार किया था, लेकिन सातवें सिविल जज (द्वितीय श्रेणी) रंजू वैष्णव

की अदालत ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

शराब घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो रायपुर ने जनवरी में भारतीय दंड संहिता की धारा 420, 467, 471 के साथ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 और 12 के तहत एफआईआर दर्ज की थी। जांच एजेंसी के वकील सौरभ पांडे ने कहा कि पांडे ने कहा, चूंकि आईपीसी और पीसी अधिनियम की ये धाराएं धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत अनुसूचित अपराध के तहत आती हैं, इसलिए ईडी के रायपुर जोनल कार्यालय ने एक नया मामला दर्ज किया।

इससे पहले ईडी की टीम ने रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ के बाद उनके बेटे को छोड़ दिया गया था। आबकारी घोटाला मामले में पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा और यश टुटेजा अपना बयान दर्ज करवाने के लिए एसीबी और ईओडब्ल्यू कार्यालय पहुंचे थे। इस दौरान ईडी की टीम अनिल टुटेजा और यश टुटेजा को एसीबी और ईओडब्ल्यू ऑफिस से अपनी कार में बैठाकर रवाना हो गई थी। यह कार्रवाई ईडी के छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय ने की थी। यह केस हाल ही में जांच एजेंसी ने अपने हाथ में लिया है।

बता दें कि एसीबी और ईओडब्ल्यू ने शराब घोटाला केस में अनिल टुटेजा और यश टुटेजा का नाम भी शामिल है। नई एफआईआर में दोनों का नाम दर्ज किया गया है। बताया जाता है कि ईडी ने पूछताछ के लिए दोनों को हिरासत में लिया था । ईडी ने ईओडब्ल्यू कार्यालय में दोनों से करीब 5 घंटे तक पूछताछ की थी।

लोकतंत्र के लिए जरूर दें पहली बार वोट

टीके अरुण

कई लोग राजनीतिक दल का चुनाव उसी तरह करते हैं, जैसे विश्व कप में किसी टीम को सपोर्ट करने का फैसला करना। परिवार और दोस्तों की पसंद-नापसंद बहुत बड़ी भूमिका निभाती है इसमें। किसी खास नेता का राष्ट्रीय या स्थानीय स्तर पर पैदा किया असर भी अंतर पैदा करता है। सत्ताधारी दलों के दावे और प्रतिदावे भी मायने रखते हैं। पहली बार वोट डालने वाला एक ऐसा विकल्प चुन रहा है, जो उसके भविष्य को आकार देने में मदद करेगा, एक ऐसी दिशा में आगे बढ़ेगा जो सभी के लिए अवसरों और स्वतंत्रता का विस्तार करेगा या उन्हें सीमित करेगा। इस तरह से किसी को वोट देना किसी टीम को सपोर्ट करने से बहुत अलग है। हमारे सामने परफेक्ट राजनीतिक विकल्प नहीं हैं। उलटे, ये परफेक्ट से कोसों दूर हैं। इसलिए जरूरी है कि हम कम से कम खराब विकल्प न चुनें। हम ऐसा चुनाव करें, जिससे विकल्प और प्रयोग का रास्ता खुला रहे ताकि लोग नई सोच और खुद को संगठित करने के नए तरीके विकसित कर सकें। मेरा मानना है कि नए मतदाताओं को लोकतंत्र की खातिर वोट जरूर देना चाहिए। हम आज मुश्किल हालात में जी रहे हैं। जिस हवा में हम सांस ले रहे हैं, वह प्रदूषित है। पानी को पीने के लिए फिल्टर करना पड़ता है। सड़कों पर भीड़ है। अच्छी नौकरियां मुश्किल से मिलती हैं। शिक्षा में खामी है, स्वास्थ्य सेवा खराब है या फिर बहुत महंगी। व्यक्तिगत अधिकार और स्वतंत्रता सीमित हैं। हर जगह भ्रष्टाचार का बोलबाला है। क्लाइमेट चेंज ने गर्मी, सूखे और बेमौसम बारिश के रूप में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। इन सारी समस्याओं के सामने व्यक्ति खुद को बहुत लाचार महसूस करता है। ऐसे में संकटों से बचाने वाले 'सुपरह्यूमन' की लोकप्रियता बढ़ रही है, फिर चाहे फिल्में हों या राजनीति। फिर भी सब कुछ निराशाजनक नहीं है। देश की डेमोग्राफी युवा ऊर्जा लेकर आती है और उम्मीद भी बंधाती है। हम सूचना युग में जी रहे हैं, जिसमें संपूर्ण मानव ज्ञान, रचनात्मकता और सौंदर्य उन लोगों के लिए अवेलेबल है, जो इसकी तलाश में हैं। उद्यमियों के पास मौका है कि वे अपने आइडिया और सपनों को पूरा कर सकें। इससे रोजगार मिलता है, आय के साधन पैदा होते हैं। किसी अच्छे आइडिया पर लोग ऑनलाइन चर्चा कर सकते हैं, फिर उस पर अमल किया जा सकता है। सच यह भी है कि समर्थन पाने के लिए राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में चांद-तारे तोड़ने का वादा करते हैं। सभी के लिए सरकारी कल्याणकारी योजनाओं, सरकारी नौकरियों, शिक्षा और स्वास्थ्य पर ज्यादा खर्च, वंचित समुदाय के लोगों के लिए विशेष सहायता, भ्रष्टाचार के खात्मे, महिलाओं के सशक्तिकरण, सभी के लिए घर जैसे वादे किए जाते हैं। लेकिन सरकार की आमदनी सीमित होती है। इसका जरिया हैं टैक्स कलेक्शन, टेलिकॉम में लाइसेंस और स्पेक्ट्रम फीस, खनिज रॉयल्टी, प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री, कुछ सरकारी सेवाओं पर यूजर चार्ज वगैरह। अब जान लेते हैं कि सरकार का खर्च क्या है। पड़ोसी मुल्कों के साथ रिश्ते तनावपूर्ण हैं। ऐसे में देश को डिफेंस पर इच्छा से ज्यादा खर्च करना पड़ता है। केंद्र और राज्यों का पिछले उधारों पर ब्याज जीडीपी के 5% से भी ज्यादा है। सैलरी और पेंशन पर जीडीपी का 1.5% खर्च होता है। ऐसे में कुल मिलाकर केंद्र और राज्य सरकारों के पास जीडीपी का 20% से कम हिस्सा बचता है, चुनावी वादों को पूरा करने के लिए। एजुकेशन पर जीडीपी का 6% और स्वास्थ्य देखभाल पर 4% खर्च करने के वादे को इस सचाई के आईने में देखना चाहिए। वहीं, क्या एक नागरिक के रूप में हमारा इस पर कोई अधिकार है कि यह पैसा कैसे खर्च किया जाता है? क्या गांव के स्कूलों और शहरों के सीवरेज सिस्टम को सुधारने से ज्यादा अच्छा है न्यूनतम समर्थन मूल्य को लगातार बढ़ाना, अनाज की सरकारी खरीद करना? क्या स्थायी घर बनाकर देने से बेहतर है कि प्रवासी मजदूरों के लिए किराये पर घर बनाए जाएं?

मनमोहन मुस्लिम हितैषी और मोदी.....?

संजय तिवारी

घूम फिरकर आम चुनाव फिर वहीं आ गया जहां से 2014 में चला था। 2014 में मोदी की प्रचंड जीत के पीछे कांग्रेस की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति बताई गयी थी। अब दस साल बाद मोदी याद दिला रहे हैं कि कैसे कांग्रेस ने मुस्लिम हित को सर्वोपरि कर दिया था। इसके लिए उन्होंने राजस्थान की एक जनसभा में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का एक भाषण याद दिलाया है जो लगभग भूला बिसरा सा भाषण है। 9 दिसंबर 2006 को दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में बोलते हुए मनमोहन सिंह ने कहा था कि विकास का लाभ हर वर्ग तक सही तरीके से पहुंचे इसके लिए मॉइनॉरिटी खासकर मुस्लिम मॉइनरिटी की चिंता किये जाने की जरुरत है। हमारे संसाधनों पर सबसे पहला अधिकार उनका ही होना चाहिए।

इस भाषण का प्रचार 2009 के चुनाव में नहीं हुआ कि कांग्रेस देश के संसाधनों पर मुसलमानों का पहला हक जताने की बात कह रही है। उस समय आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही थी और इस बात को कहीं भी मुद्दा नहीं बनाया गया। मनमोहन सिंह के भाषण के बाद पहली बार इसकी चर्चा 2014 में हुई। उस समय स्वयं मोदी ने तो नहीं लेकिन उनकी पार्टी के नेताओं और प्रवक्ताओं ने अलग अलग मंचों से यह बात उठाई थी। आज फिर दस साल बाद 2024 में स्वयं नरेन्द्र मोदी ने मनमोहन सिंह का वह पुराना भाषण लोगों को याद दिलाया है। मोदी ने जिस संदर्भ में यह बात उठायी है वह कांग्रेस का चुनावी घोषणापत्र है जिसमें बतौर मोदी कहा गया है कि संसाधनों का बंटवारा उनके साथ किया जाएगा जिनके अधिक बच्चे होंगे। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चुनौती दी है कि मोदी उनके घोषणापत्र में वह दिखा दें जो बोल रहे हैं। लेकिन यही बात बोलते हुए मोदी ने मनमोहन सिंह वाला वह पुराना भाषण भी कोट कर दिया जिसके बाद से सोशल मीडिया पर बहुप्रतिक्षित हिन्दू मुस्लिम की बहस चल पड़ी है।

19 अप्रैल को पहले चरण का चुनाव हो गया लेकिन न तो राजनीति के मैदान में और न ही सोशल मीडिया में हिन्दू मुस्लिम वाला बंटवारा हो पा रहा था। अब जबकि स्वयं मोदी ने अपने समर्थकों को खाद पानी दे दिया है तो निश्चित रूप से उनके भीतर नया जोश आया है। उम्मीद की जा रही है कि बीजेपी कैडर के लिए ही सुस्त पड़ा चुनाव इसके बाद थोड़ा सक्रिय चुनाव बन जाएगा। लेकिन यहां एक बुनियादी सवाल यह पैदा होता है कि अगर कांग्रेस मुस्लिम हितैषी है तो क्या भाजपा मुस्लिम विरोधी है जो रिलिजियस मॉइनॉरिटी (खासकर मुस्लिम) का उत्थान नहीं चाहती है? आंकड़े और तथ्य इसकी गवाही नहीं देते हैं। किसी पार्टी का किसी जाति, समुदाय या धर्म को लेकर क्या रुख है, यह एक अलग बात है लेकिन देखना यह होता है कि वही दल सरकार में आने के बाद क्या

करता है? इस लिहाज से देखें तो बीजेपी ने रिलिजियस मॉइनरिटी उसमें भी खासकर मुस्लिम मॉइमॉरिटी के लिए पिछली सरकारों से कहीं बढ़कर काम किया है। 7 फरवरी 2022 को पीआईबी की सरकारी रिलीज में अल्पसंख्यक मंत्रालय की ओर से बताया गया था कि मोदी सरकार किस प्रकार से धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्थान के लिए 15 सूत्रीय कार्यक्रम का संचालन कर रही है। इसमें मुख्य रूप से तीन चार बातें गिनाई गयी हैं। पहला अल्पसंख्यकों के लिए शिक्षा के अवसरों को बढ़ाना, दूसरा, ऋण उपलब्ध कराने में अल्पसंख्यकों की मदद करना, तीसरा, सरकारी नौकरियों में अल्पसंख्यकों के लिए समान हिस्सेदारी सुनिश्चित करना, चौथा, बुनियादी ढांचा विकास योजनाओं में अल्पसंख्यकों के लिए उचित हिस्सेदारी सुनिश्चित करना और पांचवा, सांप्रदायिक वैमनस्य और हिंसा की रोकथाम और नियंत्रण। अगर मोदी सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए ये योजनाएं चलायी गयीं तो सवाल यह है कि इससे उलट मनमोहन सिंह ने ऐसा क्या कहा था जिसके कारण उनकी आलोचना होनी चाहिए? वो भी तो यही बोल रहे थे कि विकास में अल्पसंख्यकों खासकर मुस्लिम अल्पसंख्यकों की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए जो सरकारी कार्यक्रम चलाये जाते हैं उसमें मुस्लिम अल्पसंख्यक ही सबसे बड़ा लाभार्थी होता है क्योंकि वह सबसे बड़ी रिलिजियस मॉइनॉरिटी है।

मतलब मनमोहन सिंह मुस्लिम अल्पसंख्यकों के लिए 2006 में जो किये जाने की बात कर रहे थे, मोदी सरकार ने 2022 में अपने कार्यकाल के दौरान उसे पूरा किये जाने की सूचना भी दे दी। तो फिर अगर ऐसे में मनमोहन सरकार पर मुस्लिम तुष्टीकरण का आरोप लग सकता है तो भला मोदी सरकार पाक साफ कैसे हो सकती है? उन्होंने भी सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक मुसलमानों के लिए बढ़ चढ़कर काम किया है। भाजपा माइनॉरिटी सेल के महासचिव सूफी एमके चिश्ती ने जुलाई 2023 में दावा किया था कि 2014 तक सरकारी नौकरियों में मुस्लिमों की हिस्सेदारी 4.5 प्रतिशत थी लेकिन 2014 के बाद अब वह हिस्सेदारी बढकर 10.5 प्रतिशत हो गयी है। बात सिर्फ सरकारी नौकरी तक सीमित नहीं है। मुस्लिम मॉइनरिटी को लाभ सुनिश्चित करने के लिए पीएम मुद्रा योजना, नयी रोशनी योजना, पीएम किसान योजना, पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, पीएम विकास योजना और मॉइनॉरिटी स्कॉलरशिप में बिना किसी भेदभाव के मुस्लिम मॉइनॉरिटी तक लाभ पहुंचाया गया।

मोदी सरकार में धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए बजट आवंटन में 65.4 प्रतिशत की बढोत्तरी की गयी। पीएम आवास योजना में 31 प्रतिशत लाभार्थी, पीएम उज्ज्वला योजना में 37 प्रतिशत, मुद्रा योजना में 36 प्रतिशत माइनॉरिटी या मुख्यतः मुस्लिम अल्पसंख्यक ही लाभार्थी हैं। नेशनल मॉइनारिटी डेवलपमेंट एण्ड फाइनेन्स कॉरपोरेशन की ओर से मनमोहन सरकार के दौरान 76 हजार लोगों को लोन दिया गया था लेकिन मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में 2 लाख से अधिक अल्पसंख्यकों को लोन मुहैया कराया गया। ये वो कुछ चंद आंकड़े हैं जो साबित करते हैं कि मनमोहन सिंह ने संसाधनों के ऊपर मॉइनारिटी के अधिकार की जो बात कही थी, उसे मोदी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सुनिश्चित करने का ही काम किया है। ऐसे में मनमोहन सिंह या फिर कांग्रेस के ऊपर मुस्लिम मॉइनॉरिटी को लेकर सवाल उठाने का कोई औचित्य नहीं रह जाता है। राजनीतिक बयानबाजी चाहे जो हो लेकिन कांग्रेस सरकारों से अधिक बढ़ चढकर मोदी सरकार ने मॉइनॉरिटी और खासकर मुस्लिम मॉइनॉरिटी का हित करने का प्रयास किया है। मोदी की इसी नीति के कारण अरब देशों से उन्हें सर्वाधिक नागरिक सम्मान भी मिला है। यूएई, सऊदी अरब और मिस्र ने अपने अपने देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान देकर यही साबित किया है कि मोदी को मुस्लिम विरोधी समझने की भूल न की जाए। यहां तक कि नुपुर शर्मा के एक बयान पर मोदी सरकार कतर जैसे बिचौलिया देश के इतने अधिक दबाव में आ गयी कि अपनी ही पार्टी के प्रवक्ताओं को फ्रिंज एलीमेन्ट बताते हुए पार्टी से बाहर कर दिया था। क्या भाजपा द्वारा किया गया यह कार्य मुस्लिम तुष्टीकरण नहीं कहा जाएगा? मोदी सरकार में मुस्लिम हित में किये गये कामों का ही परिणाम है कि 2019 में उन्हें 8 प्रतिशत मुस्लिमों ने मतदान किया था। इस बार कुछ सर्वेक्षणों का अनुमान था कि यह बढकर 15 प्रतिशत तक भी जा सकता है। लेकिन इस बयान के बाद उनके मुस्लिम समर्थक नाराज ही होंगे और बीते कुछ सालों में पसमांदा मुस्लिमों के बीच भाजपा ने जो काम किया है, उसका कोई बहुत फायदा नहीं मिलेगा। इस बात का अहसास खुद मोदी को भी हुआ होगा इसलिए सोमवार को अलीगढ की रैली में उन्होंने अपना रुख बदल दिया। सोमवार को अलीगढ में रैली के दौरान मोदी ने न केवल तीन तलाक को खत्म करना अपनी उपलब्धि बताया बल्कि पसमांदा मुसलमानों का भी मामला उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे मुसलमानों का हज कोटा बढ़ाने के लिए खुद उन्होंने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से सिफारिश की थी ताकि अधिक से अधिक भारतीय मुस्लिम हज पर जा सकें।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-3)

गतांक से आगे...

मुख्य रूप से कुण्डलिनी चलाने (जगाने) के दो साधन कहे गये हैं, सरस्वती चालन एवं प्राणरोध (प्राणायाम)। प्राणों के निरोध के अभ्यास से लिपटी हुई कुण्डलिनी सीधी हो जाती है। इस प्रकार पहले तुमको %सरस्वती चालन% के बारे में बताता हूँ। प्राचीन काल के विद्वान् इस सरस्वती को अरुंधती भी कहते थे।

जिस समय इड़ा नाड़ी चल रही हो, उस समय दृढ़तापूर्वक पद्मासन लगाकर इसके (सरस्वती के) भली प्रकार संचालन करने से कुण्डलिनी स्वयं चलने (जाग्रत् होने) लगती है। फिर उस नाड़ी को द्वादश अंगुल लम्बे और चार अंगुल चौड़े अम्बर (वस्त्र) के टुकड़े से लपेटे [यहाँ कुण्डलिनी नाड़ी (कन्दस्थान) को 12 अंगुल लम्बे और 4 अंगुल चौड़े वस्त्र से लपेटने का उल्लेख योग-साधना पद्धतियों के अनुकूल किया गया है।

घेरंड संहिता तथा हठयोग प्रदीपिका (3.113) में इसी तरह की बात कही गई है। घेरंड संहिता में इतने स्थान पर श्वेत-कोमल वस्त्र लपेटकर पूरे शरीर में भस्म मलने की बात है और हठयोग प्रदीपिका में उस स्थान को उतने परिमाण से लिपटे वस्त्र जैसा कहा गया है।]

तब दृढ़तापूर्वक दोनों नासा छिद्रों को अङ्गुष्ठ एवं तर्जनी से पकड़कर अपनी (इच्छा) शक्ति से पहले बायें, फिर दायें नासिका के छिद्र से बार-बार रेचक और पूरक करे। इस तरह निर्भय होकर दो दो मुहूर्त (4 घटी 96 मिनट) तक 290/392 हए साथ हो कुण्डलिनी में स्थित सुषुम्ना नाड़ी को किंचित् मात्र ऊपर खींचे। इस तरह से (सरस्वती चालन क्रिया से) कुण्डलिनी सुषुम्ना नाड़ी के मुख में प्रवेश करके ऊर्ध्वगामी हो जाती है। इसके साथ ही प्राण अपना स्थान छोड़कर सुषुम्ना में प्रवाहित होने लगता है।

क्रमशः ...

क्रांतिकारी कवि थे रामधारी सिंह 'दिनकर'

प्रियंका शर्मा

सच को कविता में पिरोने वाले राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर की आज पुण्यतिथि है। उनका निधन 24 अप्रैल, 1974 को हुआ था। उन्होंने हिंदी साहित्य में न सिर्फ वीर रस के काव्य को एक नयी ऊंचाई दी, बल्कि अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्रीय चेतना का भी सृजन किया।

दिनकर का जन्म 23 सितंबर, 1908 को बिहार के बेगूसराय जिले में हुआ। हिंदी साहित्य में एक नया मुकाम बनाने वाले दिनकर छात्रजीवन में इतिहास, राजनीतिक शास्त्र और दर्शन शास्त्र जैसे विषयों को पसंद करते थे, हालांकि बाद में उनका झुकाव साहित्य की ओर हुआ। वह अल्लामा इकबाल और रवींद्रनाथ टैगोर को अपना प्रेरणा स्रोत मानते थे। उन्होंने टैगोर की रचनाओं का बांग्ला से हिंदी में अनुवाद किया।

दिनकर का पहला काव्यसंग्रह 'विजय संदेश' वर्ष 1928 में प्रकाशित हुआ। इसके बाद उन्होंने कई रचनाएं की। उनकी कुछ प्रमुख रचनाएं 'परशुराम की प्रतीक्षा', 'हुंकार' और 'उर्वशी' हैं। उन्हें वर्ष 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया।

पद्म भूषण से सम्मानित दिनकर राज्यसभा के सदस्य भी रहे। वर्ष 1972 में उन्हें ज्ञानपीठ सम्मान भी दिया गया। 24 अप्रैल, 1974 को उनका निधन हो गया। दिनकर ने अपनी ज्यादातर रचनाएं 'वीर रस' में कीं। इस बारे में जनमेजय कहते हैं, 'भूषण के बाद दिनकर ही एकमात्र ऐसे कवि रहे, जिन्होंने वीर रस का खूब इस्तेमाल किया। वह एक ऐसा दौर था, जब लोगों के भीतर राष्ट्रभक्ति की भावना जोरों पर थी। दिनकर ने उसी भावना को अपने कविता के माध्यम से आगे बढ़ाया। वह जनकवि थे इसीलिए उन्हें राष्ट्रकवि भी कहा गया। वह अपने समकालीन कवियों में भी उतने ही सहज थे जितना कि वे आम लोगों के बीच थे। वह भागलपुर विश्वविद्यालय के उपकुलपति और भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार भी बने। कविता रचने का भाव रामधारी सिंह दिनकर के मन में उनके घर में प्रतिदिन होने वाले रामचरित मानस के पाठ को सुनकर जागा। पहले जहां छायावादी कविताओं का बोलबाला था दिनकर ने हिंदी कविताओं को छायावाद से मुक्ति दिलाकर आम जनता के बीच पहुंचाने का काम किया। दिनकर ने अधिकतर कविताएं वीर रस में लिखीं। जनवादी, राष्ट्रवादी कविताओं के अलावा दिनकर ने बच्चों के लिए भी बहुत ही सुंदर कविताओं की रचना की। बच्चों के लिए लिखी उनकी कविताओं में 'चांद का कुर्ता', 'सूरज की शादी', 'चूहे की दिल्ली यात्रा' इत्यादि प्रमुख हैं। रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कृतियों की बदौलत भारत और विश्व में खूब लोकप्रियता हासिल की। रामधारी सिंह दिनकर ने काव्य और गद्य, दोनों में हिंदी की सेवा की। गद्य में संस्कृति के चार अध्याय खूब लोकप्रिय हुई।

देश की आजादी की लड़ाई में भी दिनकर ने अपना योगदान दिया। वह बापू के बड़े मुरीद थे। हिंदी साहित्य के बड़े नाम दिनकर उर्दू, संस्कृत, मैथिली और अंग्रेजी भाषा के भी जानकार थे। वर्ष 1999 में उनके नाम से भारत सरकार ने डाक टिकट जारी किया।

पहले चरण के मतदान से अंतिम नतीजों का आकलन

अजय बोकिल

आजकल चुनाव में मतदान के आरंभिक चरण के आधार पर ही संभावित अंतिम नतीजों की अटकलें लगाने का काम जोरों पर है। इस बार भी लोकसभा चुनाव के पहले चरण में घटे मतदान की बिना पर दो प्रमुख राजनीतिक गठबंधनों ने अपनी-अपनी जीत के दावे ठोक दिए हैं। गोया कि मतदाता उनकी हार-जीत पहले ही चरण में सुनिश्चित कर दी हो। जब चुनाव के 6 चरण बाकी हों, तब ऐसे दावों का क्या मतलब है?

क्या चुनाव में केवल अपनी मनोवैज्ञानिक बढ़त दिखाने का दुस्साहस है अथवा मतदाता के राजनीतिक रूझान और मनोविज्ञान को पहले ही भांप लेने की जादूगरी है? या फिर चुनाव के बाजार में अपने ब्रांड का भाव ऊंचा कायम रखने का टोटका है? इन सवालों को बल हाल में सोशल मीडिया पर आई दो पोस्ट से मिला, जिनमें से पहले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव के पहले चरण में पिछले लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण की तुलना में कम मतदान के आंकड़े सामने आने के बावजूद कहा कि 'पहले चरण में एनडीए के पक्ष में रिकॉर्ड मतदान के लिए मतदाताओं का धन्यवाद' तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर पोस्ट डाली कि (चुनाव में) भाजपा का पहले दिन का शो फ्लॉप। मतदाताओं की नई राजनीतिक चेतना को नमन। दरअसल, पहली पोस्ट का आशय साफ था कि देश में मोदी लहर पहले की तरह उद्दाम गति से बह रही है, कोई इसे न समझना चाहे तो न समझे। दूसरी पोस्ट का मंतव्य था कि जो वोटिंग हुआ है, वह मुख्यतः उन वोटरों द्वारा किया गया है, जो भाजपा और एनडीए के विरोधी हैं यानी कि इंडिया गठबंधन को सत्ता में आते देखना चाहते हैं। यानी कि अखिलेश ने मान लिया है कि चुनाव के बाकी चरणों में भी मतदान का वही ट्रेंड रहने वाला है, जो पहले चरण में दिखा।

दूसरे शब्दों में कहें तो मोदी राज जा रहा है, नेताविहीन इंडिया गठबंधन सामूहिक राज आ रहा है। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहले ही से मान बैठे हैं कि तीसरी बार पीएम पद की शपथ तो महज

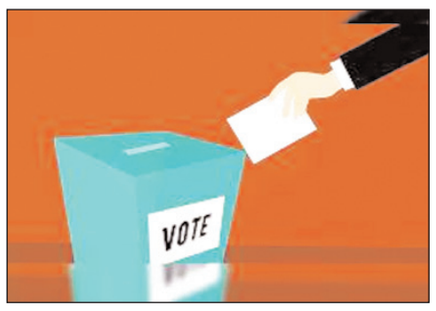

संवैधानिक औपचारिकता है, जनता उनके स्वस्तिवाचन के लिए उधार बैठी है। चुनाव का लोकतांत्रिक सच इन दोनो के भीतर कहीं हैं। यह सही है कि 2019 के मुकाबले इस बार पहले चरण का मतदान तुलनात्मक रूप से कम दर्ज किया गया है। पिछले लोस चुनाव भी सात चरणों में हुए थे, तब पहले चरण में 20 राज्यों की 91 सीटों पर वोट डाले गए थे, जिसका प्रतिशत 66 था। इस बार 21 राज्यों व केन्द्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोट पड़े, जिसका प्रतिशत 65.5 फीसदी था। यानी 0.5 फीसदी का फर्क। हालांकि जिन सीटों पर वोट पड़े, वो वही नहीं थीं, जो 2019 में थीं। इसलिए मतदान के प्रतिशत की सीटवार तुलना उचित नहीं होगी।

बहरहाल, मतदान प्रतिशत में मामूली कमी से अंतिम नतीजों पर बहुत फर्क पड़ेगा, ऐसा नहीं लगता। यही ट्रेंड आगे भी दिखे, यह जरूरी नहीं है। फिर भी पहले चरण को मंगलाचरण मानकर अर्चना का फलित तलाशने वाले नतीजों की एडवांस घोषणा क्यों कर रहे हैं? सत्ता के घोड़े की सवारी को लेकर इतनी उतावली क्यों है? क्या यह महज राजनीतिक सनसनी फैलाने का शिगूफा है अथवा मतदाता के मानस को प्रभावित करने का सियासी टोटका है? इसे हमे समझना पड़ेगा।

दरअसल मतदान के पहले चरण के झटके से दोनो प्रमुख राजनीतिक खेमे हिले हुए क्यों हैं, इसे बारीकी से समझने की जरूरत है। मतदान खासतौर पर उन राज्यों में घटा है, जहां भाजपा और एनडीए ज्यादा से ज्यादा और बड़ी संख्या में सीटें जीतने का ख्वाब पाले हुए हैं। जहां एनडीए और इंडिया गठबंधन की सेनाएं सीधे आमने सामने हैं, उस बिहार में महज 47.49 फीसदी वोट पड़े हैं। मतदान का यह आंकड़ा 2019 की तुलना में 10 फीसदी कम है। पिछले चुनाव में जदयू- भाजपा व अन्य कुछ छोटी पार्टियों के गठबंधन ने बिहार में स्वीप करते हुए 40 में से 39 सीटें जीत ली थीं, केवल 1 सीट कांग्रेस के खाते में गई थी। अब मतदान में भारी कमी का नुकसान किसे होगा, इसको लेकर राजनीतिक अटकलबाजी जारी है। इधर, कुछ जानकारों का मानना है कि जदयू का एनडीए में लौटना खास मुफीद साबित नहीं हो रहा है, क्योंकि नीतीश की राजनीतिक साख पर लगा बट्टे की वाशिंग उस तरह से नहीं हो पाई, जो अपेक्षित थी। मोदी करंट है पर 440 वोल्ट की विद्युत धारा में नहीं बदल पा रहा है। तो क्या राजद और इंडिया गठबंधन का जाति दांव बिहार में ज्यादा कारगर हो रहा है? संभावनाएं दोनो हैं। अभी दावे से यह कहना कठिन है कि किस खेमे का समर्थक मतदाता वोट डालने नहीं निकला या उसे लगा ही नहीं कि उसे वोट देने से कहीं कुछ बदलने वाला है। हालांकि बिहारियों का मतदान के प्रति उत्साह यूं ही फीका रहा तो एनडीए के चार सौ पार के नारे को पहला झटका बिहार से लगेगा। अब मोदीजी ने पहले चरण में एनडीए के पक्ष में बंपर वोटिंग का जो दावा सोशल मीडिया पर किया था, उसका जमीनी आधार कितना है, यह चुनाव नतीजों से ही पता चलेगा।

दूसरे प्रमुख भाजपा शासित राज्य हैं, मध्यप्रदेश, राजस्थान और यूपी। मध्यप्रदेश में 2019 के लोकसभा चुनाव में कुल 71.20 फीसदी वोट पड़े थे, जबकि इसी राज्य में पहले चरण के मतदान का प्रतिशत 67.75 रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि कहीं भाजपा का मिशन 29 फेल तो नहीं हो रहा? या फिर राज्य में बची-खुची कांग्रेस का भी भट्टा बैठने वाला है? पिछले लोस चुनाव में भाजपा ने मप्र की 29 में से 28 सीटें जीत ली थीं। राजस्थान में तो पिछले चुनाव में मोदी लहर एकतरफा चली थी और भाजपा सभी 25 सीटों पर काबिज हो गई थी, तब वोटिंग 66.34 फीसदी हुआ था, जबकि इस बार पहले चरण में मात्र 50.95 वोट ही पड़े हैं। इसी तरह यूपी में पिछले लोस चुनाव में 58.61 फीसदी मतदान हुआ था, जबकि इस बार पहले चरण में कुछ कम 57.61 यानी एक फीसदी कम था।

असल सवाल यह है कि लोग इस बार ज्यादा वोट करने क्यों नहीं आ रहे हैं? इस सवाल एक जवाब मौसम है। भयावह गर्मी के चलते लोग मतदान केन्द्रों तक जाना टाल रहे हैं। लेकिन इस देश में अप्रैल-मई की चिलचिलाती गर्मी में चुनाव तो 2004 से हो रहे हैं और पिछले दो लोकसभा चुनाव में मतदान का कुल प्रतिशत और भाजपा का शेयर लगातार बढ़ ही रहा है। लेकिन क्या इस बार वो उत्साह उतार पर है अथवा जो वोटर भाजपा के खिलाफ वोट देना चाहता है, वो सही विकल्प के अभाव में घर से नहीं निकलना ही बेहतर समझ रहा है? वैसे भी लोकतांत्रिक पर्व का बदलती ऋतुओं से खास लेना-देना नहीं होता। मतदाता की पहली चिंता यह होती है कि उसकी निजी जिंदगी में बहार लाने और देश में तरक्की और सौहार्द का गुलशन कौन खिला रख सकता है। तो क्या इस चुनाव में कहीं कोई अंडर करंट नहीं है, जो मतदाता को वोट डालने पर विवश करे या फिर कोई अंतर्धारा बह रही है, जो हमे ऊपर से नजर नहीं आ रही? जो मतदाता वोट डालने जा रहे हैं, वो कर्तव्य भाव से मजबूर हैं, यथा स्थिति के वाहक हैं या फिर वर्तमान में ही आश्वस्ति के स्वर्णिम भाव से गदगद हैं? बेशक पहले चरण में मतदात प्रतिशत के उतार चढ़ाव से पूरे चुनाव नतीजों से जोड़कर देखना जल्दबाजी होगी। लगातार तीन चार चरणों में भी मतदान का यही पैटर्न रहता है तो किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जा सकता है। कुछ राज्यों में तो यह चुनाव नीरसता के साए में लड़ा जा रहा है, केवल गैर भाजपा शासित राज्यों में लड़ाई कांटे की दिखती है, जहां भाजपा अपना अश्वमेध दौड़ाना चाहती है तो बाकी विपक्षी दल अपने आखिरी किलों को बचाने की जी जान से कोशिश करते दिखते हैं। जहां तक भाजपा और प्रकारांतर से एनडीए की बात है तो लगातार तीसरी बार एंटी इनकम्बेंसी को मात देकर सत्ता में आना कोई सामान्य बात नहीं है। यह असंतोषों के पहाड़ लांघकर एवरेस्ट पर विजय पताका लहराने जैसा है। पहले चरण के बाद संभावित नतीजों के आकलन की जल्दबाजी में सकारात्मक पक्ष यही है कि दोनो खेमों में उम्मीदों के अलाव जल रहे हैं, अंतिम चरण तक इनमे से कितने राख में और कितने हवन में बदलेंगे, यह देखने की बात है।

आज का इतिहास

1916 आयरलैंड में पैट्रिक पियर्स के नेतृत्व में आयरिश रिपब्लिकन ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ ईस्टर राइजिंग शुरू किया और आयरिश गणराज्य को एक स्वतंत्र राज्य घोषित किया।
1922 इंपीरियल वायरलेस चैन का पहला भाग, ब्रिटिश साम्राज्य के देशों को जोड़ने के लिए बनाया गया एक रणनीतिक वायरलेस टेलीग्राफी संचार नेटवर्क खोला गया।
1933 नाजी जर्मनी ने मैगडेबर्ग में वॉच टॉवर सोसाइटी के कार्यालय को बंद करके यहोवा के साक्षियों के उत्पीड़न की शुरुआत की।
1938 कोस्टेंटिन पाट्स एस्टोनिया के पहले राष्ट्रपति बने।
1951 जापान के योकोहामा शहर में एक ट्रेन में आग लगने से 100 से अधिक लोग मरे गए।
1960 दक्षिण ईरान में आये भयंकर भूकंप से 500 लोगों की मौत।
1967 सोवियत अंतरिक्ष यान सोयुज 1 पृथ्वी के अपने फैलाव के दौरान साइबेरिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे अंतरिक्ष यान के दौरान पहली मानव टोडी कोस्मोनॉट व्लादिमीर कोमारोव की मृत्यु हो गई।
1984 एड्स-वायरस की पहचान की, प्रतिरक्षा की कमी वाले सिंड्रोम का अधिग्रहण किया।
1990 हबल स्पेस टेलीस्कोप को मिशन STS-31 में स्पेसशूट डिस्कवरी पर सवार किया गया था।
1993 अनंतिम आयरिश रिपब्लिकन आर्मी ने बिशप्सगेट के वित्तीय जिले में एक ट्रक बम विस्फोट किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 44 अन्य घायल हो गए और नुकसान में 1 बिलियन का कारण बना।
1995 देश के संगीत अकादमी के 31 वें अकादमी शनाया ट्विन को सम्मानित किया गया।
1996 जॉन बैरी के साथ शहर में बेलास्को जैक रात में 12 प्रदर्शन अधिक खुले थे।
1996 11 साल के बेसबॉल खेल में जुड़वाँ 24 और 11 बाघ खेले गए। इसमें उन्होंने सर्वोच्च अंक हासिल किया।
1997 न्यूयॉर्क शहर में रिचर्ड थिएटर में स्टील पीयर खोला जाता है। यह 76 प्रदर्शनों के लिए था।
2002 अर्जेन्टीना में बैंक अनिश्चित काल के लिए बंद।
2009 मेक्सिको से इन्फ्लूएंजा के खर्च के बारे में संयुक्त राज्य अमेरिका, अन्य देशों को डब्ल्यूएचओ द्वारा व्यक्त किया गया था।
2010 प्रधानमंत्री अधिवक्ता वज्जाजवा ने मांग को खारिज कर दिया। यह उन्होंने अपने रक्षक द्वारा किया था। उन्होंने 30 दिनों में संसद भंग करने के लिए ऐसा किया था।
2011 सुलावेसी में भूकंप आया था। यह भूकंप 6.2 तीव्रता का था जो इंडोनेशिया से टकराया था।

अब की बार, 400 पार के नारे पर क्या मुहर लग रही है?

अभिनय आकाश

हर किसी के मन में यही सवाल है कि क्या नरेंद्र मोदी वापस आएंगे या अटल बिहारी वाजपेयी की तरह पीएम पद की हैट्रिक लगाने से चूक जाएंगे? आपको बता दें कि ये पांचवी सरकार है जब बीजेपी केंद्र में सत्ता में है। पहले तीन का नेतृत्व दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी ने किया था - 1996 में 13 दिन के लिए, 1998-99 में 13 महीने के लिए और उसके बाद पांच साल के लिए। अपनी लोकप्रियता के चरम पर वाजपेयी को 2004 में प्रधान मंत्री कार्यालय से बाहर कर दिया गया था। इसी तरह, जैसा कि कई सर्वेक्षणों से पता चला है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में सबसे लोकप्रिय राजनीतिक नेता हैं। 18वीं लोकसभा के पहले चरण की 102 सीटों पर चुनाव संपन्न हो गए। कुछ इलाकों में वोट प्रतिशत की कमी को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। इसके साथ ही अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि 400 पार के आंकड़े के दावे वाले बीजेपी को बहुमत के लिए इस बार संघर्ष करना पड़ेगा? कांग्रेस और सपा की तरफ से 150 सीटों पर बीजेपी के सिमटने के दावे किए जा रहे हैं। कई थ्योरी दी जा रही है और इस तरह से पेश किया जा रहा है कि पूरा मामला बीजेपी के लिए बिगड़ गया है। ये नैरेटिव सेट करने की कोशिश की जा रही है कि बीजेपी के लिए ये चुनाव साल 2004 के शाइनिंग इंडिया सरीखा साबित होने जा रहा है।

पहले चरण के चुनाव के ठीक एक दिन बाद ही खबर आई कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की तबीयत खराब हो गई। जिसके कारण उनका मध्य प्रदेश का सतना और झारखंड के रांची दौरा रद्द हो गया है। क्या राहुल गांधी को अहसास हो गया कि 102 सीटों वाले पहले चरण के चुनाव में कांग्रेस की स्थिति और डांवा-डोल होने जा रही है। राहुल गांधी ने बिहार के भागलपुर से दावा किया कि एनडीए को 150 से ज्यादा सीट नहीं आएगी। लेकिन ये नहीं बताया कि कांग्रेस पार्टी को कितनी सीटें आने वाली है। कई जगह से रिपोर्ट आ रही है कि कांग्रेस जहां अच्छी फाइट नहीं दे पा रही है तो उसके वोटर्स घर में बैठ जा रहे हैं।

जम्मू और कश्मीर- जम्मू-कश्मीर की उधमपुर सीट पर 19 अप्रैल को वोटिंग हुई। ये सीट पहले से बीजेपी के पास है। इस सीट पर बीजेपी की तरफ से जितेंद्र सिंह उम्मीदवार है। वहीं विपक्ष की तरफ से उतारे गए उम्मीदवार का नाम अगर आप पूछ लो तो 80 प्रतिशत लोगों को पता नहीं होगा। इस सीट पर 68.27 वोटिंग हुई। 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बड़ी चुनावी लड़ाई यहां देखने को मिली। साल 2019 के लोकसभा चुनाव में उधमपुर में जितेंद्र सिंह को 724,311 वोट प्राप्त हुए, जो कुल मतो का 61 प्रतिशत है। कांग्रेस के उम्मीदवार को 367,059 वोट मिले थे, जो कुल मतों का 31 प्रतिशत है। यानी जीत-हार का मार्जियन 30 प्रतिशत है।

उत्तराखंड - पहाड़ी राज्य की पांच लोकसभा सीटों में वोटिंग कम हुई है। प्रदेश के आंकड़ों को देखें तो पिछले बार के लोकसभा चुनाव में ये पांचों सीटें बीजेपी के पास थी। टेहरी गढ़वाल से बीजेपी उम्मीदवार ने 3,00,586 वोटों से चुनाव जीता था। वहीं गढ़वाल सीट से तीरथ सिंह रावत के जीत का अंतर भी 3,02,669 का रहा। अल्मोडा (एससी) सीट से 2 लाख 32 हजार वोट से बीजेपी उम्मीदवार ने जीत दर्ज की थी। नैनीताल-उधमसिंह नगर में तो आंकड़ा 3 लाख 39 हजार का रहा। हरिद्वार में ढाई लाख से ज्यादा बीजेपी उम्मीदवार के जीत का मार्जिन रहा। अगर प्रतिशत में देखें तो ये 24, 40, 33, 26 और 20 तक जाता है। ऐसे में 15 से 20 प्रतिशत वोटों की कमी होने पर ही बीजेपी उम्मीदवारों की राह मुश्किल हो सकती है। उत्तराखंड में इस बार 53.64 प्रतिशत वोटिंग हुई है, जबकि 2019 के चुनाव में सभी पांच सीटों पर 61.88 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई थी।

राजस्थान- प्रदेश की 12 सीटों पर वोटिंग हो चुकी है। यानी 25 लोकसभा सीटों के लिहाज से लगभग आधे राजस्थान में पोलिंग संपन्न हो गई है। राजस्थान में भी वोटिंग 50.95 प्रतिशत ही हुई। साल 2019 में राजस्थान के इन 12 लोकसभा क्षेत्रों में 64.02 फीसदी मतदान हुआ था। अगर सीट वाइज जाएं तो गंगानगर में साल 2019 में बीजेपी के निहाल चंद मेघवाल ने कांग्रेस उम्मीदवार को 4 लाख से अधिक मतों से हराया था। यानी बीजेपी के कैंडिडेट को 61 प्रतिशत और कांग्रेस उम्मीदवार को 33 प्रतिशत वोट मिले थे। बाड़मेर में जीत हार का अंतर 3 लाख 23 हजार का रहा। जयपुर में ये मार्जिन 4 लाख को क्रास कर गया। बीकानेर में 2 लाख

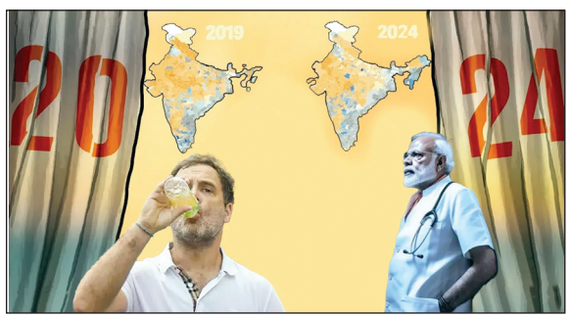

से अधिक मतों से जीत हुई। झूंझनू में भी 3 लाख से ज्यादा का अंतर रहा। चुरू में 3 लाख 34 हजार रहा अंतर। मतलब हर जगह कमोबेश जीत और हार के बीच का अंतर ढाई से तीन लाख का अंतर रहा। फिर ऐसे में वोटिंग अगर 20 से 25 प्रतिशत तक नीचे जाती तो बीजेपी की राह मुश्किल हो सकती थी।

मध्य प्रदेश- प्रदेश की 6 सीटों पर 67 फीसदी वोटिंग हुई। पिछली बार इन सीटों पर औसत 75 फीसदी वोटिंग हुई थी। इस लिहाज से करीब 8 फीसदी कम वोटिंग हुई है। छिंदवाड़ा में कांग्रेस की जीत हुई थी। बाकी की पांच सीट बीजेपी के पास रही थी। कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ ने ये सीट महज 37 हजार वोट से जीती थी। एमपी में इस फेज में उतनी ही कम वोटिंग हुई है जितना की छिंदवाड़ा में नकुलनाथ और बीजेपी उम्मीदवार के बीच जीत-हार का अंतर रहा था। यानी 3 प्रतिशत से भी कम। जबलपुर सीट बीजेपी ने 4 लाख 44 हजार वोट से जीती थी। शहडोल में भी 4 लाख से अधिक का अंतर रहा। सीधी में 2 लाख 86 हजार मार्जिन रहा। बालाघाट में 2 लाख 42 हजार का अंतर रहा था। आंकड़े पूरी कहानी अपने आप बताते हैं।

तमिलनाडु- सभी 39 सीटों पर वोटिंग हुई। तमिलनाडु में 62.19 वोटिंग हुई। साल 2019 में 72.44 वोटिंग हुई थी। पिछले साल बीजेपी ने पांच सीटों पर चुनाव लड़ा था और उसे कुल 3.62त्न वोट मिले थे। कांग्रेस ने 9 सीटों पर चुनाव लड़कर आठ पर जीत दर्ज की थी। बीजेपी का तमिलनाडु में कभी खाता नहीं खुला है। यानी उसके पास यहां गवाने के लिए कुछ नहीं है। लेकिन पाने के लिए सबकुछ है। जो भी वोटिंग प्रतिशत में इजाफा या सीटों में मुनाफा होगा वो पार्टी के लिए प्लस प्वाइंट ही होगा।

छत्तीसगढ़ - भूपेश बघेल का ये बयान आया कि जब से भाजपा की सरकार बनी है, प्रदेश में फर्जी मुठभेड़ बढ़ गए हैं। खासकर शासन आते ही पुलिस-नक्सली मुठभेढ़ के मामले बढ़े हैं। भाजपा फर्जी एनकाउंटर कराती है, आदिवासियों को परेशान करती है। भूपेश बघेल की बयानबाजी से यही नजर आ रहा है कि वह लोकसभा का चुनाव नक?सलियों के भरोसे जीतने का सपना देख रहे हैं।

महाराष्ट्र- महाराष्ट्र में आज 19 अप्रैल को पहले चरण के लिए पांच सीटों पर मतदा हुआ। 55.29 प्रतिशत वोटिंग दर्ज की गई। नागपुर में नितिन गडकरी के जीत का अंतर 2 लाख 16 हजार रहा था। चंद्रपुर में 44 हजार वोट से कांग्रेस जीती थी। गढ़चिरौली-चिमूर में बीजेपी उम्मीदवार के जीत का मार्जिन सात प्रतिशत के आसपास रहा था।

बिहार- प्रदेश की चार सीटों औरंगाबाद, गया, नवादा और जमुई में कुल 47.49 प्रतिशत वोटिंग हुई। 2019 में इन चार लोकसभा क्षेत्र में 53.47 फीसद मतदान हुआ था। बिहार में लोग राजनीतिक रूप से परिपक्व होते हैं। लेकिन माइग्रेशन की वजह से वोटिंग प्रतिशत कम रहता है। नवादा में जहां एनडीए और महागठंबधन के बीच जीत का अंतर 15.7 त्न रहा था। गया में जेडीयू और हम के बीच मुकाबले में नीतीश के उम्मीदवार को 15.9 त्न अधिक वोट मिले थे। कांग्रेस तो इस सीट में मुकाबले में दूर दूर तक नहीं थी। जमुई लोकसभा सीट एनडीए ने 25 प्रतिशत के मार्जिन से जीती थी।

पश्चिम बंगाल- प्रदेश में तीन सीटों पर चुनाव हुआ। पश्चिम बंगाल में हिंसा के बीच 77.57 फीसदी वोटिंग हुई। 2019 में यह 86.44 फीसदी था। कूचबिहार में 83.88 फीसदी था। 2019 में जलापाईगुड़ी, कूचबिहार, अलीपुरद्वार तीनों सीटें बीजेपी के पास थी। अलीपुरद्वार में बीजेपी उम्मीदवार के जीत का मार्जिन 17.7 त्न रहा था। जबकि जलापाईगुड़ी में 12.2 त्न था।

उत्तर प्रदेश- पहले चरण की आठ लोकसभा सीटों पर 61.11 प्रतिशत मतदान हुआ है। 2019 के लोकसभा चुनाव में इन आठ सीटों पर 66.41 प्रतिशत मतदान हुआ था। सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, नगीना, मुरादाबाद, रामपुर और पीलीभीत सीट पर चुनाव हुए। सहारनपुर में साल 2019 के चुनाव 4 लाख 91 हजार वोट मिले जबकि बसपा के फजलुर्रहमान को 5 लाख 14 हजार वोट मिले थे। यानी बीजेपी और बसपा उम्मीदवार के बीच हार का अंतर महज 23 हजार था। उस वक्त सपा के साथ गठबंधन में मायावती ने चुनाव लड़ा था। इस बार बसपा अकेले लोकसभा का चुनाव लड़ रही है। कैराना में 2019 में बीजेपी ने ये सीट प्रदीप ने यह चुनाव 94 हजार वोटों से जीती थी। सपा-बसरा गठबंधन उम्मीदवार और बीजेपी के विजयी उम्मीदवारों के बीच का फासला 8.2 त्न का रहा था। मुजफ्फरनगर में बीजेपी के संजीव बाल्यान के जीत का मार्जिन तब भले ही 0.6 प्रतिशत ही रहा था। लेकिन उस चुनाव में उनके सामने पूर्व प्रधानमंत्री और किसानों के मसीहा चौधरी चरण सिंह के पुत्र अजित सिंह मैदान में थे। इस बार बीजेपी और रालोद का गठबंधन है। मुराबादाबद सीट सपा ने जीती थी। फिर भी बीजेपी उम्मीदवार को पांच लाख से अधिक वोट प्राप्त हुए थे। रामपुर में आजम खान ने पिछली बार सपा को जीत दिलाई थी। लेकिन इस बार का मुकाबला बेहद ही अलग है। भाजपा प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी, सपा प्रत्याशी मौलाना मोहिब्बुल्लाह नदवी और बसपा प्रत्याशी जीशान खां के बीच इस बार की लड़ाई है। पीलीभीत सीट से बीजेपी ने इस बार जितिन प्रसाद पर दांव लगाया है। पिछली बार बीजेपी ने ये सीट 21 प्रतिशत से ज्यादा वोटो सें जीती थी।

बहरहाल, अगर पूरे पहले चरण के मतदान को आंकड़ों के हिसाब से देखें तो आपको असली तस्वीर अपने आप पता चल जाएगी। इसके अलावा ये पुराना इतिहास रहा है कि लोग अगर वोट डालने के लिए अधिक मात्रा में बाहर नहीं निकलते हैं तो सरकार वापस चली आती है। वोटों की संख्या ज्यादा होती है तो लोग मानते हैं कि सरकार बदलने के लिए लोग वोट कर रहे हैं। लेकिन इसके लिए विपक्ष के बीच जोश भी हाई होना चाहिए। ऐसे में साल 2019 में इन 102 में से 41 सीटें जीतने वाली बीजेपी के लिए इस बार कम वोटिंग बड़ा असर डालेगा इस बात की संभावना नग्न नजर आ रही है।

लोकसभा चुनाव : वोटिंग प्रतिशत और बिहार का सच

प्रवीण बागी

नाकामी राजनेताओं की और बदनामी बिहार की! जी हां, यही हो रहा है। 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के प्रथम चरण में आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि बिहार में बहुत कम मतदान हुआ। बिहार के मुख्य चुनाव अधिकारी के मुताबिक चार सीटों पर कुल मिलाकर 48.23 प्रतिशत मतदान हुआ। यह पिछले चुनाव से 5 प्रतिशत कम है। मीडिया से लेकर पक्ष-विपक्ष ने मतदान कम होने की अपने-अपने तरीके से विवेचना की। कहा गया कि मतदाता उदासीन है। शहरी बाबू मतदान करने नहीं निकलते। किसी ने कहा लगन का समय है, लोग शादी-ब्याह में व्यस्त हैं, इत्यादि-इत्यादि, लेकिन किसी ने सच नहीं बताया। सच यह है कि बिहार के करीब आधे मतदाता राज्य से बाहर रहते हैं। बहुत कम घर ऐसे मिलेंगे जिसके दो-चार युवा सदस्य बाहर न रहते हों। कोई पढ़ाई के लिए, कोई नौकरी या नौकरी की तैयारी के लिए तो कोई मजदूरी के लिए दूसरे प्रदेश में रह रहा है, लेकिन वो वोटर यहीं का है। उसके क्षेत्र के मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज रहता है। स्वाभाविक है कि दूसरे प्रदेश में रहने वाले वोट देने के लिए तो बिहार नहीं आएंगे? इनमें से काफी लोगों ने अपने नाम वहां की मतदाता सूची में भी दर्ज करा लिए हैं। तो 50 प्रतिशत वोट तो ऐसे ही एप्सेंट है। शेष बचे 50 में से 48/49 प्रतिशत वोट दे रहे हैं तो यह कम कैसे हुआ? इसके अलावा मतदाता सूची में काफी संख्या में मृत वोटरों के नाम भी शामिल हैं। कई वोटरों के बूथ बिना उनकी जानकारी के बदल दिए जाते हैं। वैसे मतदाता अपने पुराने बूथ पर जाते हैं तो बताया जाता है की आपका नाम यहां नहीं है। वे लौट आते हैं। वोटर लिस्ट को अपडेट करने में गंभीरता का अभाव दिखता है। चुनाव आयोग भले दावा करे की सभी वोटरों तक पर्ची पहुंचाई जाएगी, लेकिन वह पहुंचती नहीं है। यह सच बिहार के नेता, अधिकारी और चुनाव आयोग भी जानता है, लेकिन बताने से बचता है। नेता इसलिए चुप्पी साधे रहते हैं कि 50 प्रतिशत वोटरों के बिहार से बाहर रहने की बात कहेंगे तो उनकी नाकामी उजागर होगी। उन्होंने बिहार में अवसर उपलब्ध नहीं कराए इसलिए लोगों को बाहर जाना पड़ा। अब तो लोग गोलगप्पे बेचने के लिए भी बिहार से बाहर जा रहे हैं। यह अधिकृत आंकड़ा है कि कोरोनाकाल में 40 लाख बिहारी मजदूर दूसरे प्रदेशों से लौटकर बिहार आए थे। सरकारी नौकरियों, व्यापार या आइटी सेक्टर में कार्यरत लोग, जिनका ठोस कमाई का स्त्रोत था वे नहीं लौटे। अब सभी फिर से बाहर चले गए, क्योंकि घोषणा के बाद भी सरकार सभी को यहां रोजगार नहीं दे पाई। अपनी विफलता छुपाने के लिए नेताओं की चुप्पी तो समझ में आती है, पर मीडिया बिहार की आधी आबादी के विस्थापन का यह सच क्यों नहीं बताता, यह समझ से परे है। इसलिए कृपा करके कोई यह न कहे की बिहार के मतदाता उदासीन हैं या वोट देने में दिलचस्पी नहीं दिखाते। बिहार का वोटर तो वोट देना चाहता है, अवसर तो उपलब्ध कराईए।

सियाचिन पर पूर्ण प्रभुत्व के 40 साल...

मारूफ रजा

चालीस वर्ष हो गए, जब दुनिया की सबसे ऊंची व ठंडी चोटी और संभवत: सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण सीमा रेखा पर पाकिस्तानी कब्जे को रोकने के लिए भारतीय सेना के पहले जत्थे को सियाचिन ग्लेशियर स्थित चौकी पर भेजा गया था। आखिर क्यों भारत और पाकिस्तान सियाचिन के पीछे पड़े थे? साफ है कि दोनों पक्षों के सीमा संबंधी दावे के अलावा भी बहुत कुछ था। असल में, पाकिस्तानी 1960 के दशक में चीन में रची गई एक योजना पर काम कर रहे थे, जिसमें न केवल अक्साई चिन के उत्तरी हिस्सों को जोड़ना था, बल्कि 10 करोड़ एकड़ जमीन में ताजे पानी के स्रोतों (जो सियाचिन के पास हैं) का दोहन करना था, जिसकी चीन और पाकिस्तान को बेहद जरूरत थी। पाकिस्तान को अधिक बांधों और पनबिजली (बिजली) के लिए, जबकि चीन को माइक्रोचिप दिग्गज बनने के लिए। 30 सेमी वर्ग शीट सिलिकॉन वेफर्स बनाने के लिए 10,000 लीटर ताजा पानी को रेगिस्तानी रेत और रसायनों के साथ मिलाया जाता है। और उस क्षेत्र में बहुत सारे ग्लेशियर हैं, जिसे पाकिस्तान ने फरवरी-मार्च, 1963 में चीन को सौंप दिया था।

सियाचिन शक्सगाम घाटी और अक्साई चिन के बीच है। इसलिए यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बेहद फायदेमंद है। कई लोग पहले इसके रणनीतिक महत्व को नहीं समझते थे, बस इसे अपनी भूमि मानते थे। सियाचिन ग्लेशियर के आसपास बर्फीली ऊंचाइयों पर भारत की सैन्य उपस्थिति अप्रैल, 1984 में भारत के तत्कालीन उत्तरी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल छिब्बर की सिफारिशों पर सरकारी अनुमति से शुरू की गई थी। लेकिन %क्षेत्र का रणनीतिक महत्व तब भी उतना ज्यादा नहीं था%, न ही हमारा उद्देश्य किसी क्षेत्र पर कब्जा करना था। %यह केवल यह सुनिश्चित करने के लिए था कि हमारे साथ वैसा कुछ न हो, जैसा कि पचास के दशक की शुरुआत में अक्साई चिन में हुआ था%, क्योंकि 1962 के चीनी आक्रमण के बाद से नई दिल्ली अपनी सीमाओं के पास मानचित्र संबंधी अस्पष्टताओं के प्रति काफी संवेदनशील रही

है। वास्तव में सियाचिन पर विवाद मानचित्र संबंधी विवाद से उत्पन्न हुआ है। आज जिसे नियंत्रण रेखा कहा जाता है, वह 1949 में संघर्ष विराम रेखा थी। वास्तविक सीमा रेखा जम्मू के उत्तर से शुरू होकर एनजे 9842 नामक पर्वत की ऊंचाई पर अचानक समाप्त होती है। इसके अलावा, भारत-पाकिस्तान के बीच 1949 की कराची संधि और 1972 की सुचेतगढ़ संधि के अनुसार, ग्लेशियर नो मैन्स लैंड है। लेकिन 1970 के दशक से कई मानचित्रों में सियाचिन ग्लेशियर को पाकिस्तान के हिस्से के रूप में दिखाया जाने लगा था। इन सभी में संघर्ष विराम रेखा (अब एलओसी) स्पष्ट रूप से एनजे 9842 से उत्तर-पूर्व दिशा में काराकोरम दर्रे और चीनी सीमा तक फैली हुई दिखाई देती है। ऐसा तब तक पाकिस्तानी मानचित्रों में भी नहीं था!

जाहिर है, यह भ्रम कुछ मानचित्रों से पैदा हुआ है, जो शुरू में अमेरिकी रक्षा मानचित्रण एजेंसी द्वारा तैयार किए गए थे, जिसमें 1970-80 के दशक में एनजे 9842 पूर्वोत्तर के आसपास से काराकोरम दर्रे तक चलने वाली एलओसी को दर्शाया गया था। लगता है कि अमेरिका के मानचित्र निर्माताओं द्वारा यह गलती वायु रक्षा सूचना क्षेत्र के चिह्नों को एक सीमा रेखा के रूप में %अनुवाद% करने के कारण हुई, जो नागरिक/सैन्य विमानन में हवाई यातायात नियंत्रकों के लिए क्षेत्रीय सीमाएं प्रदान करता है।

इससे यह भ्रम हुआ कि नियंत्रण रेखा का विस्तार एनजे 9842 से काराकोरम दर्रे तक हो गया और इस तरह यह पाकिस्तानियों की दिलचस्पी का विषय बन गया। हालांकि, ऐसे कई वायु रक्षा सूचना क्षेत्र हो सकते हैं, जो एक देश से होकर गुजर सकते हैं, पर ये राष्ट्रीय सीमा रेखाएं नहीं हैं। लेकिन दुनिया के कई प्रमुख एटलस द्वारा ऐसे मानचित्रों के प्रकाशन ने पाकिस्तानी सेना को एनजे 9842 से परे नियंत्रण रेखा पर विवाद के लिए प्रोत्साहित किया, और यहीं पर सियाचिन क्षेत्र स्थित है।

शुरू में जनरल जिया-उल-हक के शासन में महत्वाकांक्षी सैन्य कमांडरों द्वारा उकसाए जाने पर पाकिस्तान ने सियाचिन ग्लेशियर के आसपास की हिमनद ऊंचाइयों पर कब्जा करने की योजना बनाई। लेकिन साल्टोरो रिज पाकिस्तान के दुस्साहस के खिलाफ हमारी रक्षा दीवार है। प्रारंभिक चरण में सियाचिन ग्लेशियर की पश्चिमी दीवार पर कब्जे की कोशिश में सैकड़ों लोग हताहत हुए। हालांकि भारतीय सेना ने वायुसेना की मदद से अपना कब्जा बरकरार रखा। वर्ष 1984 से 1987 तक हमारी सेना ने इसके लिए लड़ाई लड़ी और ऊंचाई पर नियंत्रण करके सियाचिन ग्लेशियर पर अपना पूर्ण प्रभुत्व जमाया। इसने पाकिस्तान को हैरान कर दिया और उसने भारतीय सेनाओं को वहां से हटाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन वे विफल रहे। अब वे 1983 से पहले की स्थिति में लौटने की बात कर रहे हैं, क्योंकि पाकिस्तानी सेना को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदगी झेलनी पड़ रही है। और अब चूंकि पाकिस्तानी सेना साल्टोरो रिज पर भारतीय सैनिकों के कब्जे को वापस हटा नहीं सकती, इसलिए उसके सैनिकों को निचली घाटी में डेरा डालना होगा। हालांकि उसके सैन्य अधिकारियों ने 40 वर्षों से सियाचिन ऑपरेशन को लेकर अपने झूठ को फैलाया है। पाकिस्तानी मीडिया के एक वर्ग ने कहा कि भारत ग्लेशियर पर अपने सैनिकों को रखने का खर्च वहन नहीं कर सकता, जबकि भारत आसानी से खर्च वहन कर रहा है। सियाचिन में सैनिकों को रखने के लिए प्रति वर्ष लगभग 2,000 करोड़ रुपये की लागत भी भारत के रक्षा बजट का एक छोटा-सा हिस्सा है। मुख्य रूप से भारत-पाक वार्ता के लिए भारत की शर्त है कि पाकिस्तान को भारतीय सैनिकों द्वारा ग्लेशियर के किनारे हासिल की गई बढ़त को स्वीकार करना चाहिए।

कर्नाटक में मांड्या सीट पर कुमारस्वामी की अग्नि परीक्षा

नीरज कुमार दुबे

कर्नाटक में मांड्या लोकसभा सीट पर पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का काफी प्रभाव माना जाता है लेकिन पिछले लोकसभा चुनावों में उनका पोता इस सीट से हार गया था जिसके बाद जनता दल सेक्युलर ने इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाने का काम तेजी से किया। हालांकि पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों में भी जनता दल सेक्युलर को निराशा हाथ लगी लेकिन मांड्या के तहत आने वाली विधानसभा सीट चेन्नापटना से कुमारस्वामी अपना चुनाव जीतने में सफल रहे। इस बार जनता दल सेक्युलर और भाजपा मिल कर चुनाव लड़ रहे हैं। शुरुआत में खबर आई थी कि भाजपा और जनता दल सेक्युलर के कार्यकर्ता जमीन पर साथ काम नहीं कर रहे हैं इसलिए खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मांड्या आये और दोनों दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को साथ बिठाकर आपसी नाराजगी दूर करवाई और साथ काम करने के लिए मनाया। तबसे हर जगह आपको दोनों दलों के कार्यकर्ता साथ ही चुनावी अभियान चलाते हुए दिख जाएंगे।

मीडिया की चुनावी यात्रा जब कर्नाटक के मांड्या पहुँची तो हमने पाया कि यहां से भाजपा और जनता दल सेक्युलर के संयुक्त उम्मीदवार एचडी कुमारस्वामी भारी बढ़त लिये हुए हैं। कृषि प्रधान वोक्कालिगाओं के गढ़ मांड्या में सत्तारुढ़ कांग्रेस ने स्टार चंद्रू के नाम से मशहूर ठेकेदार वेंकटरमणे गौड़ा को मैदान में उतारा है। वह गौरीबिदानूर के निर्दलीय विधायक केएच पुट्टस्वामी गौड़ा के भाई हैं। कांग्रेस को लगता है कि विधानसभा चुनावों में उसने इस क्षेत्र में जो प्रदर्शन किया था उसे वह लोकसभा चुनावों में भी दोहरा सकती है। हम आपको बता दें कि पिछले साल हुए कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने मांड्या

लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले आठ विधानसभा क्षेत्रों में से छह पर जीत हासिल की थी।

हम आपको बता दें कि पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा द्वारा समर्थित फिल्म अभिनेत्री सुमालता यहां से विजयी हुई थीं। दिवंगत फिल्म अभिनेता अंबरीश की पत्नी सुमालता ने कुमारस्वामी के बेटे निखिल को हरा कर बड़ा राजनीतिक कारनामा कर दिया था। अब सुमालता भाजपा में शामिल हो गयी हैं और उन्होंने इस बार चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया है। हमने अपनी चुनाव यात्रा के दौरान पाया कि कुछ बातें फिलहाल कुमारस्वामी के पक्ष में हैं। जैसे कि लोग उन्हें चंद्रू से बेहतर जानते हैं। कुमारस्वामी दो बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे हैं इसलिए उनकी अपनी एक अलग पहचान है। जबकि कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रू चुनाव से कुछ महीने पहले ही क्षेत्र में सक्रिय हुए हैं। इसके अलावा हमने पाया कि 2019 में उनके बेटे निखिल की हार के कारण कुछ मतदाता कुमारस्वामी के प्रति सहानुभूति रखते हैं। एक गांव के व्यक्ति ने कहा कि हमें खेद है कि उनका बेटा हार गया था लेकिन इस बार हम कोई गलती नहीं करेंगे। स्थानीय गांवों के लोगों ने कहा कि हमने जो गलती कर दी थी उसे इस बार सुधार देंगे क्योंकि हमें एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत है जो कावेरी मुद्दे पर संसद में हमारी आवाज को उठायेगा। दूसरी ओर कांग्रेस उम्मीदवार चंद्रू अपने प्रचार के दौरान कुमारस्वामी को बाहरी बताते हुए उन्हें घेर रहे हैं। उनका कहना है कि कुमारस्वामी का जन्म हासन में हुआ और वह रामानगर में राजनीति करते हैं इसलिए मांड्या में उनका कुछ भी नहीं है। खुद को मांड्या का बेटा बताते हुए चंद्रू लोगों से खुद को एक मौका देने की अपील कर रहे हैं। हमने पाया कि मांड्या में चंद्रू का साथ देने के लिए पूरी कांग्रेस उतरी हुई है। राज्य सरकार की पांच गारंटियों का हवाला देते हुए लोगों से मतदान की अपील की जा रही है।

हालांकि जब हमने गांव में लोगों से कांग्रेस की गारंटियों के बारे में पूछ तो उन्होंने निराशा व्यक्त की। एक व्यक्ति ने कहा कि सरकार की गृह लक्ष्मी योजना से काफी निराशा हुई क्योंकि यह प्रत्येक परिवार की एक महिला को प्रति माह 2000 रुपए की सहायता देती है। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार में, तीन महिलाएँ हैं। लेकिन केवल सबसे बड़ी बहू को ही पैसा मिल रहा है और बाकी दोनों निराश हैं। बिजली बिल माफ करने के वादे पर लोगों ने कहा कि बिजली अब कम आने लगी है। कुछ व्यापारियों ने कहा कि कमर्शियल बिजली की दरें बार-बार बढ़ाई जा रही हैं और हमसे पैसा लेकर दूसरों को सब्सिडी दी जा रही है जोकि गलत है। महिलाओं को गैर लग्जरी बसों में मुफ्त यात्रा के वादे पर लोगों ने कहा कि सिर्फ खटारा बसों में मुफ्त यात्रा कराई जा रही है जिसका कोई औचित्य नहीं है। दुग्ध उत्पादकों ने भी सहायता का वादा पूरा नहीं करने पर कांग्रेस से नाराजगी जताई। जहां तक मांड्या के सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों की बात है तो आपको बता दें कि एक अनुमान के मुताबिक, मांड्या में 7.89 लाख वोक्कालिगा हैं। अगर कुमारस्वामी इस समुदाय को एकजुट करने में सफल हो जाते हैं तो यह कांग्रेस के लिए बड़ा झटका होगा।

मरियम नवाज की पंजाबी पहचान का कितना होगा असर?

शोभना जैन

धधकते पश्चिम एशिया संकट के बीच ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की सोमवार से शुरू हुई पाकिस्तान यात्रा पर पश्चिम एशिया और विशेषकर अमेरिका, पश्चिम देशों की नजरें टिकी हैं। जाहिर है कि ईरान-इजराइल विवाद की पृष्ठभूमि के साथ-साथ पाकिस्तान की वर्तमान राजनीतिक और आर्थिक स्थिति में रईसी का यह दौरा विशेष महत्व रखता है, खास तौर पर जबकि रईसी की ईरान और इजराइल के बीच सीधे हमले के बाद किसी देश की यह पहली यात्रा है। वहीं, तल्ख रिश्तों के दौर से गुजर रहे भारत और पाकिस्तान को लेकर पाकिस्तान के पंजाब सूबे की मुख्यमंत्री मरियम नवाज के एक बयान को भारत

और पाकिस्तान के रिश्तों को बेहतर बनाने के लिए एक नई उम्मीद की नजर से देखा जा रहा है। मरियम ने भारत के साथ बेहतर संबंधों की वकालत करते हुए अपनी पंजाबी पहचान की बात कही। तो क्या मरियम का यह बयान भारत और पाकिस्तान की साझा सांस्कृतिक विरासत के बीच मेल-मिलाप का एक सेतु बन सकता है? वैसे तो दोनों देशों के अनेक राजनेता द्विपक्षीय संबंधों की वकालत करने के लिए कई मौकों पर पंजाबियत की साझी विरासत का आह्वान करते रहे हैं, ऐसे में अब जबकि हाल ही में पाकिस्तान में आम चुनाव के बाद पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शाहबाज शरीफ की सरकार बनी है और नवाज शरीफ की बेटी मरियम नवाज पंजाब प्रांत की मुख्यमंत्री बनी हैं, ऐसे में मरियम का पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारा करतारपुर साहिब में भारत से गए श्रद्धालुओं के समक्ष दिया गया इस आशय का भाषण खासा अहम माना जा रहा है। खास तौर पर ऐसे में जबकि भारत में आम चुनाव के बाद नई सरकार बनेगी और ऐसे में देखना होगा कि ऐसे बयानों के बाद केंद्र में नई सरकार के गठन के बाद भारत पाक रिश्तों को पटरी पर लाने के लिए क्या स्थिति बनती है। तीन दिन पूर्व ही करतारपुर साहिब में 3,000 सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत करते हुए मरियम नवाज शरीफ ने भारत के साथ बेहतर संबंधों की वकालत करते हुए अपनी पंजाबी पहचान की बात कही। मरियम ने कहा, आप पंजाब (भारत) से हैं, मैं पाकिस्तान से हूं, लेकिन मैं भी एक सच्ची पंजाबी हूं, और अपने पिता, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को उद्धृत करते हुए कहा, पड़ोसियों के साथ युद्ध मत लड़ो, दरवाजे खोलो। दोस्ती के लिए, अपने दिल के दरवाजे खोलो। बहरहाल, देखना होगा कि मरियम के इस बयान को पाकिस्तानी सेना का कितना समर्थन हासिल है, क्योंकि वहां सरकार सेना के समर्थन से ही टिकी है।

ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ा सकती ये बुरी 5 आदतें

कैसे पाएं छुटकारा

खराब लाइफस्टाइल के चलते आजकल ब्रेन स्ट्रोक के मामले बढ़ रहे हैं। आखिर यह क्यों होता है, यहां जाने ब्रेन स्ट्रोक का कारण क्या है? ब्रेन स्ट्रोक आने पर कुछ लोग तुरंत जान गवां देते हैं तो कुछ लोग इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं। जानें लाइफस्टाइल की कौन सी आदतें ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ाती हैं?

हर साल दुनियाभर में ब्रेन स्ट्रोक के कारण कई लोग अपनी जान गवां देते हैं। दरअसल, ब्रेन स्ट्रोक एक गंभीर स्थिति है जो मस्तिष्क में रक्तप्रवाह रुकने यानी खून का बहना रुकने या नसें फटने के कारण होता है। ब्रेन स्ट्रोक आने पर कुछ लोग तुरंत जान गवां देते हैं तो कुछ लोग इलाज के बाद ठीक हो जाते हैं। हालांकि रिकवरी में समय लगता है। ब्रेन स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्या से बचने के लिए खराब लाइफस्टाइल में कुछ बजलाव कर सकते हैं। इस लेख में हम जानेंगे ब्रेन स्ट्रोक होने के क्या कारण होता है।

तंबाकू

तंबाकू का सेवन ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकता है। तंबाकू में पाएं जाने वाला केमिकल तत्व आपकी धमनियों को कमजोर कर सकते हैं, जिससे ब्लड फ्लो बिगड़ सकता है। जो लोग स्मोकिंग करते हैं उनमें ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, स्मोकिंग के कारण खून के थक्के जम सकते हैं, ऐसे में ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए आप बीड़ी, सिगरेट का इस्तेमाल बंद करें।

तनाव

स्ट्रैस के कारण कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कई बार तो लोगों को समझ भी नहीं आता है और वह तनाव के कारण डिप्रेशन के शिकार भी हो सकते हैं। तनाव की वजह से ब्रेन स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दरअसल, स्ट्रैस के कारण नींद कम आती है, जिसकी वजह से हार्ट हेल्थ खराब हो सकती है। ये सभी समस्याएं ब्रेन स्ट्रोक का कारण बन सकती हैं।

शराब

शराब के सेवन से ब्रेन स्ट्रोक के खतरे को बढ़ा सकता है। शराब के अधिक सेवन से खासकर हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित व्यक्तियों में ब्रेन स्ट्रोक खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे में शराब का सेवन करना बंद कर दें।

खराब लाइफस्टाइल और डाइट

बिगड़ी लाइफस्टाइल और फास्ट फूड का सेवन करना मास्तिष्क स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। जंक और फास्ट फूड में सोडियम की मात्रा ज्यादा होती है जो मोटापा और ब्लड प्रेशर का बढ़ाता है, जिससे ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बना रहता है। ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए अपनी डाइट का खास ख्याल रखें। इसके साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर अनाजों को शामिल करें।

एक्सरसाइज न करना

आजकल लोग अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को मैनेज करने में इतने बिजी हो चुके कि उन्हें खुद का ख्याल रखने का समय भी कम मिलता है। नो फिजिकल एक्टिविटी के कारण स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की समस्या से बचने के लिए आप रोजना एक्सरसाइज करें और अपने ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें।

दिव्यांशी भदौरिया

प्रेग्नेंसी में यूटीआई होने से शिशु के स्वास्थ्य पर पड़ता है असर, हो जाए सावधान

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को यूटीआई होने का खतरा बना रहता है। अगर यूटीआई हो जाए तो महिलाओं को प्रीटर्म लेबर या प्री-मैच्योर डिलीवरी हो सकती है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि यूटीआई होने पर प्रेग्नेंट महिला के बच्चे पर क्या असर पड़ सकता है? इस दौरान महिलाओं को अधिक सावधानी बरतने की जरुरत होती है।

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को हेल्थ ध्यान रखना बेहद जरुरी होता है। आमतौर पर प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को यूटीआई इंफेक्शन खतरा ज्यादा रहता है। यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन, जब यूरिनरी सिस्टम में किसी तरह का इंफेक्शन होता है, तो उसे यूटीआई के नाम से जानते हैं। यूरिनरी सिस्टम में किडनी, ब्लैडर, यूरेथ्रा जैसे अंग आते हैं। इस दौरान महिलाओं को अधिक सावधानी बरतने की जरुरत होती है। आज हम आपको इस लेख में बताएंगे कि यूटीआई होने पर प्रेग्नेंट महिला के बच्चे पर क्या असर पड़ सकता है?

शिशु के स्वास्थ्य पर असर

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को कई तरह की शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं। इसी वजह से अक्सर गर्भवती महिलाओं से यूटीआई के लक्षणों की अनदेखी हो जाती है। जबकि, ऐसा किया जाना बिल्कुल सही नहीं है। इंफेक्शन से बचने के लिए सही ट्रीटमेंट और हाईजीन का ध्यान रखकर इन समस्याओं से बचा जा सकते है। अगर ज्यादा समय तक इसे अनदेखी की तो यह उनके हेल्थ के लिए ठीक नहीं है। गर्भ में पल रहे शिशु के लिए भी हानिकारक हो सकता है। दरअलल, प्रेग्नेंसी के के समय महिलाओं का शरीर काफी कमजोर होता है और इम्यूनिटी भी कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर यूटीआई का इलाज न किया जाए, तो इंफेक्शन अंदर तक फैल सकता है। जिसकी वजह से, बच्चे का स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। यूटीआई के कारण महिला को प्रीटर्म लेबर, प्रीमैच्योर डिलीवरी और यहां तक कि भ्रूण की मृत्यु तक हो सकती है।

प्रेग्नेंसी में जोखिम कम करने के उपाय

गर्भवती महिलाओं को इस दौरान विशेष ख्याल रखना चाहिए। साथ ही इंटीमेट हाइजीन पर भी गौर करें ताकि यूटीआई जैसे इंफेक्शन हों। चलिए आपको बताते हैं यूटीआई के जोखिम कम कैसे करें।

- हर बार पेशाब करने के बाद वजाइना को सादे पानी से धोएं।
- गंदी जगह या पब्लिक टॉयलेट का यूज करने से बचें।
- अगर इमर्जेंसी में पब्लिक टॉयलेट कताई यूज न करे, अपने साथ डिसइंफेक्टेंट स्प्रे रखें। सीट को पहले डिसइंफेक्ट करें। इसके बाद टिश्यू से क्लीन करने के बाद टॉयलेट का यूज करें।
- हमेशा साफ अंडरगार्मेंट से पहने। प्रेग्नेंट महिला को इस दौरान कॉटन के अंडरवियर ज्यादा सेफ रहते हैं।

कई गंभीर बीमारियों से बचाव करता है पपीते के पत्ते का रस, प्रेग्नेंसी में भूलकर भी न करें इसका सेवन

अगर आप भी सेहतमंद बने रहना चाहते हैं, तो आपको पपीते के पत्ते का रस बनाकर पीना चाहिए। बता दें कि पपीते के पत्ते का रस त्वचा, लिवर, बालों आदि के लिए लाभकारी होता है। आज हम आपको पपीता के पत्ते के जूस के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

पपीता एक ऐसा फल है, जिसके सेवन से हमारे शरीर को कई तरह से फायदा मिलता है। लेकिन सिर्फ पपीता ही नहीं बल्कि पपीते का पत्ता भी औषधीय गुणों से भरपूर होता है। ऐसे में अगर आप भी सेहतमंद बने रहना चाहते हैं, तो आपको पपीते के पत्ते का रस बनाकर पीना चाहिए। बता दें कि पपीते के पत्ते का रस त्वचा, लिवर, बालों आदि के लिए लाभकारी होता है।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पपीता के पत्ते के जूस के फायदों के बारे में बताने जा रहे हैं।

डेंगू बुखार में फायदेमंद- बदलते मौसम में बहुत सारे लोग डेंगू से परेशान रहते हैं। वहीं इस बीमारी के कारण हर साल देश में कई लोग जान गंवा देते हैं। डेंगू में दाने, सिरदर्द, तेज बुखार, जोड़ों और मसल्स में दर्द, आंख में दर्द और कपकपी लगती है। डेंगू के बुखार में शरीर में प्लेटलेट तेजी से गिरती हैं, जिसके कारण कई बार मरीज की जान चली जाती है। प्लेटलेट्स काउंट बढ़ाने के लिए डेंगू के मरीज को रोजाना दिन में दो बार पपीते के पत्ते का 25 एमएल रस पीना चाहिए। क्योंकि इसके रस में बायोएक्टिव यौगिक होते हैं, जो डेंगू बुखार के असर को कम करने में सहायक होते हैं।

एंटी मलेरिया होता है पपीते का पत्ता – पपीते के पत्ते, फल, बीज और जड़ में एंटी मलेरियल गुण पाया जाता है। जो बल्ड में मौजूद पैरासाइट्स को खत्म करने का काम करता है। इससे मलेरिया जैसी बीमारी के रोकथाम में मदद मिलती है। इसलिए आप चाहें तो रोजाना पपीते के पत्ते के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं।

पेट की सेहत- पपीते के पत्तों में कारपैन के रासायनिक यौगिक पाए जाते हैं, जो डाइजेशन सिस्टम को सही रखता है। इसके सेवन से गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल डिसऑर्डर जैसे इर्रिटेबल बॉवेल सिंड्रोम राहत मिलती है। वहीं पपीते के पत्ते के रस के इस्तेमाल से अल्कोहल की वजह से होने वाले गैस्ट्रिक की परेशानी या अल्सर भी ठीक हो सकता है।

लिवर के लिए फायदेमंद- कई बार हाइपरकोलेस्ट्रोलेमिया यानी उच्च कोलेस्ट्रोल की वजह से लिवर खराब हो सकता है। इस समस्या से बचने के लिए पपीते के पत्ते का रस पीना चाहिए। क्योंकि यह कोलेस्ट्रोल लेवल को कम करने के साथ ही खून को साफ करता है। साथ ही यह रस पीलिया और सिरोसिस आदि से बचाने में सहायक होता है।

इम्यूनिटी को बढ़ाए- पपीते के पत्ते का रस इम्यूनिटी को बूस्ट कर तमाम बीमारियों से शरीर की रक्षा करता है। इस रस में इम्यूनोमॉड्यूलेटरी गुण पाया जाता है। जिसकी सहायता से प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर में जरूरत के अनुसार काम करता है।

क्या आपके बच्चे में भी हैं सेंसरी सीकिंग के लक्षण

जिस तरह से धीरे-धीरे बच्चा बड़ा होता जाता है, वैसे-वैसे उनकी इंद्रियों की क्षमता भी विकसित होने लगती है। हांलाकि सभी बच्चों एक जैसी गतिविधियां नहीं पाई जाती है। हम आपको बच्चों में होने वाले सेंसरी सीकिंग के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

बच्चों का चुलबुलापन और शरारतें भला किसे पसंद नहीं होती हैं। वहीं उम्र बढ़ने के साथ ही बच्चों के शरीर में कई तरह के शारीरिक और मानसिक विकास भी होते रहते हैं। जिस तरह से धीरे-धीरे बच्चा बड़ा होता जाता है, वैसे-वैसे उनकी इंद्रियों की क्षमता भी विकसित होने लगती है। बच्चे जब बचपन में इंद्रियों में संवेदी अनुभव की तलाश करना शुरू करते हैं। तो बच्चे हर चीज की तरफ आकर्षित होने लगते हैं।

हांलाकि सभी बच्चों में एक जैसी गतिविधियां नहीं पाई जाती हैं। इस तरह की स्थिति को सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बच्चों में होने वाले सेंसरी सीकिंग के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं।

क्या है Sensory Seeking

आपको बता दें कि बढ़ती उम्र के साथ ही बच्चे स्वाद, ध्वनि, गंध, दृष्टि और स्पर्थ जैसी चीजों के प्रति आकर्षित होते हैं। वह धीरे-धीरे इन चीजों को जानते और समझते हैं। हांलाकि सभी बच्चों में यह स्थिति समान नहीं होती है। जहां कुछ बच्चे खेलकूद के प्रति आकर्षित होते हैं, तो वहीं कुछ बच्चों का किसी खास तरह के म्यूजिक और कुछ का खाने-पीने की चीजों की तरफ आकर्षण होता है। इस स्थिति को ही सेंसरी सीकिंग कहा जाता है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि कुछ बच्चों में सेंसरी सीकिंग से जुड़ी कुछ परेशानियां भी होती हैं।

सेंसरी सीकिंग से जुड़े लक्षण

गले लगने में हिचकिचाना

किसी की गोद में न जाना

वस्तुओं को छूना या सहलाना

स्थिर बैठने में परेशानी होना

हाइपर एक्टिव होना

ऊँचे स्थानों से कूदना

बार-बार चीजों को मुंह में डालना

बच्चों में इस तरह के लक्षण दिखने पर उनका विशेष तौर पर ध्यान रखना चाहिए। इस स्थिति को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे उनके कई तरह की परेशानियों का खतरा बढ़ जाता है। बता दें कि सेंसरी सीकिंग से जुड़ी स्थितियां बच्चों को इंद्रियों को ट्रिगर कर सकती हैं। सेंसरी सीकिंग के कारण बच्चों में स्पर्श, लाइट, साउंड और गंध आदि से जुड़ी परेशानियों का खतरा होता है।

इसके अलावा बच्चों को किसी बात के लिए रोकटोक न करना भी उनके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। वहीं ह र बात के लिए बच्चों को न कहना भी कम खतरनाक नहीं होता है। लेकिन बच्चे की हर बात को मानना उन पर नकारात्मक असर डाल सकता है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

पी. चिदंबरम के बयान पर अमित शाह का पलटवार

नईदिल्ली। विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के केंद्र में सत्तारूढ़ होने पर संसद के पहले सत्र में ही नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को निरस्त करने वाले पी चिदंबरम के बयान को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी है। शाह ने कहा कि कांग्रेस एक बार फिर तुष्टीकरण की राजनीति के आधार पर आगे बढ़ना चाहती है। नई दिल्ली में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के बयान पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, 1960 के दशक से कांग्रेस ने चुनाव जीतने के लिए तुष्टीकरण की राजनीति को चुनाव जीतने का हथियार बनाया। 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विकासात्मक एजेंडे को जनमानस में स्थापित किया और उसी के आधार पर देश में चुनाव शुरू हुए। कांग्रेस को इसका सामना करना पड़ रहा है। विकास के आधार पर चुनाव लड़ने में कांग्रेस को बहुत कठिनाई हो रही है और इसलिए वे लगातार चुनाव हार रहे हैं।

केजरीवाल और के कविता की न्यायिक हिरासत 7 तक बढ़ी

नईदिल्ली। दिल्ली की अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के कविता और गोवा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के कथित फंड मैनेजर चनप्रीत सिंह की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी है। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने रद्द की गई शराब नीति से संबंधित सीबीआई मामले में कविता की न्यायिक हिरासत भी 7 मई तक बढ़ा दी है। तीनों आरोपियों को वर्चुअल कॉन्फ्रेंस के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। अदालत का यह फैसला आम आदमी पार्टी के संयोजक की उस याचिका को खारिज करने के एक दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने अपनी पत्नी सुनीता केजरीवाल की उपस्थिति में अपने डॉक्टर के साथ रोजाना 15 मिनट के चिकित्सीय परामर्श की अनुमति देने की मांग की थी। दिल्ली की अदालत ने निर्देश दिया कि आवश्यक चिकित्सा उपचार प्रदान किया जाए।

इंडिया गठबंधन ही कर सकता है भारत का तेज विकासः रमेश

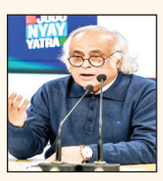

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को आर्थिक विषमता के विषय को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि भारत का तेज, समावेशी और टिकाऊ विकास इंडिया गठबंधन सरकार ही कर सकती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि पिछले 10 वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेच दिए गए। रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, प्रधानमंत्री आपको ये सब कभी नहीं बताएंगे कि 2012 से 2021 तक देश में बनी संपत्ति का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा सिर्फ एक प्रतिशत आबादी के पास गया है। उन्होंने दावा किया कि देश में कुल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) का लगभग 64 प्रतिशत ग़रीबों, निम्न मध्य वर्ग और मध्य वर्ग से आता है। रमेश ने कहा, पिछले दस वर्षों में अधिकतर सार्वजनिक संपत्तियां और संसाधन एक या दो कंपनियों के हाथों बेचे गए हैं।

भारत तोड़ो की राजनीति तुरंत बंद करे कांग्रेस पार्टी : सावंत

पणजी/नई दिल्ली। कांग्रेस नेता विरियाटो फर्नांडीस के गोवा पर भारतीय संविधान थोपने संबंधी बयान पर राज्य के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भयावह करार देते हुए निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि मैं इस तरह के गैरजिम्मेदाराना बयान से स्तब्ध हूं। कांग्रेस को भारत तोड़ो राजनीति को तुरंत बंद करना चाहिए। गोवा के मुख्यमंत्री और लोकसभा चुनाव में भाजपा के स्टार प्रचारक प्रमोद सावंत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर फर्नांडीस के चुनावी सभा में भारतीय संविधान को लेकर टिप्पणी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मैं कांग्रेस के दक्षिण गोवा उम्मीदवार की टिप्पणियों से स्तब्ध हूं, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय संविधान को गोवावासियों पर जबरदस्ती थोपा गया है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों का पूरे दिल से मानना था कि गोवा भारत का अभिन्न अंग है। कांग्रेस ने गोवा की मुक्ति में 14 वर्ष की देरी की। अब, उनके उम्मीदवार ने भारतीय संविधान को कमजोर करने की हिम्मत की।

चिरंजीवी का टीडीपी-जेएसपी-भाजपा गठबंधन को समर्थन

अमरावती। लोकप्रिय टॉलीवुड हीरो और पूर्व केंद्रीय मंत्री कोनिडेला चिरंजीवी द्वारा जारी एक वीडियो बयान में आंध्र प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना पार्टी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच गठबंधन का स्वागत किया, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल मच गई है। पेंडुरथी विधानसभा क्षेत्र से जनसेना पार्टी के उम्मीदवार पंचकरला रमेश बाबू और अनकापल्ली लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार सीएम रमेश के साथ मेगास्टार के रूप में मशहूर चिरंजीवी ने लोगों से समग्र विकास के लिए सही और ईमानदार उम्मीदवारों को वोट देने की अपील की। अपने संदेश में चिरंजीवी ने कहा कि मुझे राजनीति के बारे में बात करते हुए कई साल हो गए हैं। इतने वर्षों के अंतराल के बाद अब राज्य की राजनीति पर बोलने का मुख्य कारण मेरे छोटे भाई और जनसेना पार्टी के अध्यक्ष पवन कल्याण हैं।

प्रधानमंत्री ने राजस्थान के टोंक रैली के दौरान विपक्ष पर कसा तंज

आरक्षण न खत्म होगा और न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा : मोदी

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि देश में दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण न खत्म होगा न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा। मोदी ने आरक्षण के मुद्दे पर कांग्रेस को ललकारते हुए कहा कि क्या कांग्रेस ऐलान करेगी कि वे संविधान में दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों के आरक्षण को कम करके इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी? मोदी ने टोंक के उनियारा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, सच्चाई यह है कि जब कांग्रेस और उसका गठबंधन सत्ता में था तो ये लोग दलितों, पिछड़ों के आरक्षण में सेंधमारी कर वोट बैंक की राजनीति के लिए अपनी खास जमात को अलग से आरक्षण देना चाहते थे, जो संविधान के बिलकुल खिलाफ है।

उन्होंने कहा, आरक्षण का जो हक बाबा साहब ने दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को दिया कांग्रेस और उसका गठबंधन उसे मजहब के आधार पर मुसलमानों को देना चाहते थे। मोदी ने कहा, मैं कांग्रेस से पूछना चाहता हूं, क्या कांग्रेस ऐलान करेगी की संविधान में दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों के आरक्षण को कम कर इसे मुसलमानों को नहीं बांटेगी। वे देश की जनता से वादा करे। उन्होंने कहा, कांग्रेस वालों से पूछो... कर्नाटक, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों में इन्होंने आरक्षण को मजहब के आधार पर बांटने का खेल क्यों शुरू किया था?

प्रधानमंत्री ने कहा, कांग्रेस की इन साजिशों के बीच मोदी आपको खुले मंच से गारंटी दे रहा है कि दलितों, पिछड़ों व आदिवासियों का आरक्षण खत्म नहीं होगा। ये मोदी की गारंटी है। मोदी ने कहा, आरक्षण न खत्म होगा और न ही उसे धर्म के नाम पर बांटने दिया जाएगा। ये मोदी की गारंटी है। उन्होंने कहा, मोदी, संविधान को समझता है। मोदी संविधान को समर्पित है, मोदी बाबा साहब आंबेडकर की पूजा करने वाला व्यक्ति है।

कांग्रेस राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मुझे आप सभी का

प्यार, आशीर्वाद और उत्साह मिला है। आज हनुमान जयंती का शुभ अवसर है और मैं सभी को इसके लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि राजस्थान ये बखूबी जानता है कि सुरक्षित राष्ट्र और स्थायी सरकार कितनी जरूरी है। इसलिए चाहे 2014 हो या 2019 हो, राजस्थान ने एकजुट होकर देश में भाजपा की ताकतवर सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद दिया था। आपने 25 की 25 सीटें भाजपा को दी थीं। उन्होंने कहा कि एकजुटता ही राजस्थान की सबसे बड़ी पूंजी है। याद रखिएगा, जब-जब हम बंटे हैं, तब-तब देश के दुश्मनों ने फायदा उठाया है। अब भी राजस्थान को बांटने की पूरी कोशिशें हो रही हैं। इससे राजस्थान को सावधान रहने की जरूरत है।

मोदी ने कहा कि 2014 में आपने मोदी को दिल्ली में सेवा का अवसर दिया। फिर देश ने वो फैसले लिए जिनकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। लेकिन आप सोचिए कि 2014 के बाद भी और आज भी अगर दिल्ली में कांग्रेस की सरकार होती तो क्या क्या हुआ होता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस होती, तो जम्मू कश्मीर में आज भी हमारी सेनाओं पर पत्थर चल रहे होते। कांग्रेस होती, तो सीमा पार से आकर दुश्मन आज भी हमारे जवानों के सिर काटकर ले जाते। कांग्रेस होती, तो न ही हमारे फौजियों के लिए वन रैंक-वन पेंशन लागू होती और न ही हमारे पूर्व सैनिकों को 1 लाख करोड़ रुपये मिलते। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मेरे भाई-बहन तो कुछ महीने पहले ही कांग्रेस के पंजे से मुक्त हुए हैं। कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में रहते हुए, जो जख्म दिए, वो राजस्थान के लोग कभी भी भूल नहीं सकते। कांग्रेस ने महिलाओं पर अत्याचार के मामले में राजस्थान को नंबर 1 बना दिया था और दुर्भाग्य देखिए कि कांग्रेस के लोग विधानसभा में बेशर्मी के साथ कहते थे कि ये तो राजस्थान की पहचान है। मोदी ने कहा कि टोंक में किन असामाजिक तत्वों के कारण यहां की इंडस्ट्री बंद हो गई, ये भी आप जानते हैं। लेकिन, आपने हमारे भजनलाल जी को सेवा करने का मौका दिया है। जबसे भजनलाल जी और उनकी टीम काम पर लगी है, माफिया और अपराधी राजस्थान छोड़कर भागने पर मजबूर हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हनुमान जयंती पर आपसे बात करते हुए मुझे कुछ दिन पहले की एक तस्वीर भी याद आ रही है। कुछ दिन पहले कांग्रेस के शासन वाले कर्नाटक में एक छोटे दुकानदार को केवल इसलिए बुरी तरह से पीटा गया, क्योंकि वो अपनी दुकान में बैठे-बैठे हनुमान चालीसा सुन रहा था। आप कल्पना कर सकते हैं... कांग्रेस के राज में हनुमान चालीसा सुनना भी गुनाह हो जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने तो राम-राम सा कहने वाले राजस्थान में रामनवमी पर प्रतिबंध लगा दिया था। कांग्रेस ने शोभायात्रा पर पत्थरबाजी करने वालों को सरकारी संरक्षण दिया था। इसी कांग्रेस पार्टी ने तुष्टिकरण के लिए मालपुरा, करौली, टोंक और जोधपुर को दंगों की आग में झोंक दिया था। मोदी ने कहा कि अब भाजपा सरकार आने के बाद किसी की हिम्मत नहीं है कि आपकी आस्था पर सवाल उठा दे। अब आप चैन से हनुमान चालीसा भी गाएंगे और रामनवमी भी मनाएंगे। ये भाजपा की गारंटी है। उन्होंने कहा कि परसो जब मैं राजस्थान आया था, तो अपने एक 90 सेकंड के भाषण में मैंने कुछ सत्य देश के सामने रखा था। उससे पूरी कांग्रेस और इंडिया गठबंधन में भगदड़ मच गई है। मैंने देश के सामने सत्य रखा था कि कांग्रेस आपकी संपत्ति छीनकर अपने खास लोगों को बांटने की गहरी साजिश रचकर बैठी है।

केरल के मुख्यमंत्री का राहुल पर वार, बोले-

राहुल के बयानों से नेता का आचरण नहीं झलकता : विजयन

नई दिल्ली। केरल सीएम पिनराई विजयन ने भाजपा और कांग्रेस पर वार किया है। उन्होंने कहा हैं कि केरल में भाजपा की नफरत वाली विचारधारा नहीं आ सकती। उन्होंने कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा तो पहले से ही केरल विरोधी रही है लेकिन कांग्रेस सांसद भी केरल विरोधी हो गए हैं। केरल की जनता सब समझ रही है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने राहुल गांधी के बारे में बात करते हुए कहा कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद से उनमें काफी बदलाव आया है। लेकिन हाल ही में उनके जारी किए गए बयान से इस बात को गलत साबित करता है। एक राजनीतिक पद होने के बाद राजनेता से कुछ आचरण की अपेक्षा की जाती है, जिसे उसे पालन करना चाहिए। राहुल गांधी भाजपा और अन्य कई एजेंसियों की मदद करते हैं, वो उनके पद के लिए सही नहीं है।

संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता खत्म कर रही भाजपा

सीएम विजयन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश के सभी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने का काम कर रही है। संवैधानिक संस्थाएं जैसे ईडी, सीबीआई, आदि की स्वतंत्रता और स्वायत्तता खत्म कर रही है। चुनाव आयोग के लिए चयन समिति का गठन किया जाना चिंताजनक है। चुनाव के दौरान कई बार प्रधानमंत्री समेत केंद्र सरकार उच्च पदों पर आसीन अधिकारियों और नेताओं पर कानूनी उल्लघंन का आरोप लगाया गया। चुनाव आयोग मूक रहा।

चुनाव आयोग मूक बना रहा

पीएम के सांप्रदायिकता के बयान पर सीएम पिनराई ने कहा कि चुनाव आयोग ने अपनी निष्पक्षता खो दी है। चुनाव आयोग हर उन मुद्दों पर खामोश रहा जहां भाजपा द्वारा कानूनी उल्लघंन किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि स्वयं प्रधानमंत्री अपने बयान में सांप्रदायिकता की बात कर धार्मिक भावनाओं को भड़का रहे हैं। उनका धार्मिक भावनाओं के भड़काने वाला यह बयान उनकी निष्पक्षता पर भी सवाल खड़ा करता है। लेकिन चुनाव आयोग को अपनी निष्पक्षता साबित करते हुए उन पर तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

भाजपा के साथ कांग्रेस सांसदों का भी केरल विरोधी रवैया

सीएम विजयन ने कहा कि भाजपा की नफरत वाली विचारधारा केरल में प्रवेश नहीं कर सकती। क्योंकि केरल की जनता इसको समझती है। इसी कारण से भाजपा केरल विरोधी रवैया अपनाती है। लेकिन अब तो कांग्रेस के मौजूदा 18 सांसद भी केरल विरोधी रवैया अपनाने लगे हैं। ऐसा क्यों है? जनता इस का फैसला करेगी।

खेल
प्रमुख समाचार

गुजरात टाइटंस और दिल्ली कैपिटल्स का मुकाबला आज

नईदिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में बुधवार को यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ उतरेगी तो उसे अपने गेंदबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी जबकि ऋषभ पंत की कप्तानी पर भी नजरें रहेंगी। पंत के लिए घरेलू मैदान पर वापसी उम्मीद के मुताबिक नहीं रही और दिल्ली को लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद शनिवार को घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 67 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दिल्ली की टीम आठ मैच में तीन जीत और पांच हार से छह अंक के साथ आठवें स्थान पर खिसक गई है। टीम अच्छी तरह से जानती है कि अगर उसे प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखना है तो जीत की राह पर लौटना होगा।

सनराइजर्स के खिलाफ पंत के फैसलों पर कई बार सवाल उठे। टॉस के समय वह अरूण जेटली स्टेडियम में ओस के पहलू को सही तरह से नहीं भांप पाए और उन्होंने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पंत का पारी का दूसरा ओवर ललित यादव को सौंपने का फैसला और भी विवादास्पद रहा और सनराइजर्स ने तूफानी शुरुआत करते हुए पावर प्ले में बिना विकेट खोए 125 रन बनाए। पंत बल्लेबाजी के दौरान जूझते नजर आए और लक्ष्य का पीछा करते हुए 35 गेंद में सिर्फ 44 रन बना पाए।

नए कप्तान शुभमन गिल के नेतृत्व में टाइटंस के प्रदर्शन में भी निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में तीन विकेट की जीत की बदौलत यह पूर्व चैंपियन टीम आठ मैच में चार जीत और इतनी ही हार से आठ अंक के साथ छठे स्थान पर है। टाइटंस की नजरें भी जीत की लय को बरकार रखते हुए प्ले ऑफ का दावा मजबूत करने पर टिकी होंगी। टीम को बल्लेबाजी में गिल के अलावा साई सुदर्शन, डेविड मिलर और अजमतुल्लाह उमरजई से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 73,738 और निफ्टी 22,368 पर बंद

नईदिल्ली। वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के बीच टेलीकॉम, टेक और कंज्यूमर ड्यूरेबल शेयरों में बढ़त के बाद इक्विटी बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी मंगलवार को लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में बढ़त के साथ बंद हुए। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा की तेजी के बाद 89.83 अंक या 0.12 प्रतिशत बढ़कर 73,738.45 पर बंद हुआ। सेशन के दौरान यह 411.27 अंक या 0.55 प्रतिशत उछलकर 74,059.89 पर पहुंच गया। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी अपने शुरुआती बढ़त को कम करते हुए 31.60 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 22,368 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 111.15 अंक या 0.49 प्रतिशत चढ़कर 22,447.55 पर पहुंच गया। इंडेक्स हैवीवेट रिलायंस इंडस्ट्रीज में मुनाफावसूली के कारण भारी बिकवाली का दबाव बाजार सूचकांकों में बढ़त कम हो गई।

रिलायंस रिटेल का राजस्व 2023-24 में 18 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। रिलायंस इंडस्ट्रीज की खुदरा इकाई रिलायंस रिटेल वेंचर लिमिटेड (आरआरवीएल) का वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व 17.8 प्रतिशत बढ़कर 3.06 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज की तरफ से सोमवार को जारी वित्तीय नतीजों के मुताबिक, मार्च तिमाही में रिलायंस रिटेल का एकीकृत सकल राजस्व सालाना आधार पर 10.62 प्रतिशत बढ़कर 76,627 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान इसका शुद्ध लाभ 11.7 प्रतिशत बढ़कर 2,698 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस रिटेल के इस बेहतर नतीजे में उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन एवं जीवनशैली व्यवसायों की अहम भूमिका रही। मार्च तिमाही में इसकी एबिटा आय (कर पूर्व कमाई) 18.5 प्रतिशत बढ़कर 5,823 करोड़ रुपये हो गयी जो एक साल पहले 4,914 करोड़ रुपये थी।

वोडाफोन आइडिया ने 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के ऑफर प्राइस को दी मंजूरी

नईदिल्ली। वित्तीय संकट का सामना करने वाली टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के एफपीओ ने धमाल मचा रखा है। अब दूरसंचार कंपनी के बोर्ड ने अपने 18,000 करोड़ रुपये के एफपीओ के तहत पेशकश मूल्य 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। वोडाफोन आइडिया ने शेयर बाजार को जानकारी दी कि उसके बोर्ड ने एंकर निवेशकों के लिए 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के पेशकश मूल्य को भी मंजूरी दी है। वीआईएल ने बताया, निम्नलिखित प्रस्ताव भी पारित किए गए, 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के पेशकश मूल्य को मंजूरी देना, 11 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के एंकर निवेशक पेशकश मूल्य को मंजूरी देना। कर्ज में डूबी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड ने भारत के अब तक के सबसे बड़े फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर के जरिए 18,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

अप्रैल में बिजनेस एक्टिविटी 14 साल के हाई पर

नईदिल्ली। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस दोनों सेक्टरों में मजबूती के दम पर अप्रैल में भारत की व्यावसायिक गतिविधियों का विस्तार जारी रहा। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। यह रिपोर्ट एचएसबीसी होल्डिंग्स पीएलसी के एक फ्लैश सर्वे पर आधारित है। सर्विस पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स मार्च के 61.2 से बढ़कर अप्रैल में 61.7 हो गया, जबकि मैन्युफैक्चरिंग पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स 59.1 पर अपरिवर्तित रहा। इससे ओवरऑल इंडेक्स 62.2 पर पहुंच गया, जो जून 2010 के बाद सबसे ज्यादा है। इंडेक्स प्रारंभिक सर्वेक्षण परिणामों पर आधारित हैं और फाइनल पीएमआई डेटा अगले सप्ताह प्रकाशित किया जाएगा। 50 से ऊपर की रीडिंग पिछले महीने की तुलना में विस्तार का संकेत देती है, जबकि इससे नीचे की रीडिंग गतिविधि में संकुचन का संकेत देती है।

विकसित देश भारत के आर्थिक दर्शन को लागू कर समस्याओं पर काबू पा सकते हैं

प्रह्लाद सबनानी

विश्व के कुछ विकसित देश, विशेष रूप से अमेरिका और ब्रिटेन, भारत को समय समय पर आर्थिक क्षेत्र में अपना ज्ञान प्रदान करते रहे हैं। परंतु, अब विश्व के आर्थिक धरातल पर परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं और भारत की स्थिति इस संदर्भ में बहुत सुदृढ़ होती जा रही है वहीं विकसित देशों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। अमेरिका स्थित निवेश बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थान भारत के कुल कर्ज की स्थिति पर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहते रहे हैं कि भारत का कर्ज, सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में, तेजी से बढ़ता जा रहा है। जबकि, इसी मापदंड के आधार पर अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों की स्थिति देखी जाय तो भारत की तुलना में इन देशों की स्थिति बहुत अधिक दयनीय स्थिति में पहुंच गई है, परंतु यह देश भारत को आज भी ज्ञान देते नहीं चूकते हैं कि भारत अपनी स्थिति में किस प्रकार सुधार करे।

अमेरिका के कुल कर्ज की स्थिति यह है कि आज अमेरिका का कुल कर्ज 34 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर को पार करते हुए यह अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (28 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर) का 123 प्रतिशत हो गया है, जो पूरे विश्व में समस्त देशों के बीच सबसे अधिक प्रतिशत है। अमेरिका आज प्रतिवर्ष अपने आय के कुल स्त्रोतों से अधिक ऋण ले रहा है। जब भी अमेरिकी सरकार को खर्च करने हेतु धन की आवश्यकता पड़ती है, वह बाजार में अमेरिकी बांड्ज जारी कर ऋण लेकर अपना काम चलाता है। यह बहुत ही गलत तरीका है परंतु अमेरिकी सरकार को आज भी इस बात की चिंता नहीं है। हालत यहां तक बिगड़ गए हैं कि अमेरिकी कानून द्वारा अमेरिकी सरकार

के बाजार के ऋण लेने के लिए निर्धारित की गई अधिकतम सीमा भी पार हो जाती है एवं लगभग प्रत्येक तिमाही के अंतराल पर अमेरिकी संसद द्वारा ऋण लेने की इस अधिकतम सीमा को बढ़ाया जाता है, इसके बाद अमेरिकी सरकार बाजार से ऋण लेती है और अपने खर्चे चलाती है। यदि बाजार से ऋण लेने की सीमा को प्रत्येक तिमाही पश्चात अमेरिकी संसद द्वारा नहीं बढ़ाया जाय तो शायद अमेरिकी सरकार द्वारा अपने सामान्य खर्चों को चलाना ही असम्भव हो जाएगा। अमेरिका में आर्थिक क्षेत्र में हालत इस स्थिति में पहुंच गए हैं कि अमेरिकी सरकार को ऋण पर ब्याज का भुगतान करने के लिए भी बाजार से ऋण लेना पड़ रहा है। अमेरिकी सरकार द्वारा लगभग प्रत्येक 100 दिनों के अंतराल में 1 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बाजार से लिया जा रहा है। ऋण पर अदा किए जाने वाले ब्याज की राशि आज अमेरिका के सुरक्षा बजट से भी अधिक हो गई है। आज प्रत्येक वर्ष अमेरिकी सरकार को 87,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि ऋण पर ब्याज के रूप में अदा करनी होती है जबकि अमेरिका का वार्षिक सुरक्षा बजट 82,200 करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। उक्त परिस्थितियों के बीच अभी हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, जेपी मोर्गन चेज, बैंक आफ अमेरिका, ब्लैक रॉक, आदि वित्तीय संस्थानों के उच्च अधिकारियों ने अमेरिकी सरकार को चेतावनी दी है कि वह इस प्रकार के तरीकों को अपनाने से बाज आए अन्यथा अमेरिकी अर्थव्यवस्था को डूबने से कोई बचा नहीं सकेगा और इसका प्रभाव पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था पर पड़े बिना नहीं रहेगा। अमेरिका का बढ़ता ऋण पूरे विश्व में ब्याज दरों को प्रभावित कर रहा है, इससे विश्व में कई देशों को ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ रहा है और ऋण की लागत के साथ ही विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन लागत भी बढ़ रही है।

आज अमेरिका द्वारा अन्य देशों को ज्ञान देने के बजाय अपनी लगातार गर्त में जा रही अर्थव्यवस्था को सम्हालने के प्रयास करने चाहिए। अमेरिकी सरकार को अपने खर्चों पर नियंत्रण करते हुए अपने आय के साधनों को बढ़ाना चाहिए। न कि, भारत एवं अन्य विकासशील देशों को सीख दे कि ये देश अपने देश में किसानों को दी जा रही सब्सिडी/सुविधाओं में कटौती करें और अंतरराष्ट्रीय व्यापार करते समय अमेरिका द्वारा दी गई सलाह को ध्यान में रखें।

राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन के बयान पर सांसद सुनील सोनी का पलटवार

मोदी के रात्रि में राजभवन में रुकने को लेकर आपत्ति हास्यास्पद

रायपुर। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन के बयान पर पटलवार करते हुए भाजपा के रायपुर सांसद सुनील ने कहा की कांग्रेसी हमेशा से देश को लूटकर अपनी तिजोरियों को भरने के काम में लगे हुए हैं । कांग्रेस अपनी छत्तीसगढ़ और पूरे देश में हो रही हार से बौखला गई है। यही वजह है कि कांग्रेस के नेता अपना मानसिक संतुलन खोकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अनर्गल टिप्पणी लगा रहे है। यशस्वी प्रधानमंत्री के रात्रि में राज भवन में रुकने को लेकर आपत्ति को हास्यास्पद बताया है। साथ ही कहा है कि प्रधानमंत्री के राजभवन में रुकने पर कांग्रेसियों के पेट में दर्द हो रहा है । तुष्टिकरण की राजनति करने वाली कांग्रेस के पास आज कोई विजन नहीं है।

सुनील सोनी ने कहा-पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का गुणगान करने वाले कांग्रेसियों को शर्म नहीं आती है। कांग्रेस भले ही भूल गई होगी लेकिन देश की जनता जानती है, किस तरीके यूपीए की कांग्रेस सरकार ने 10 सालों में देश को लूटने का काम किया। टूजी, थ्री जी, कामनवेल्थ गेम सहित आकाश, पाताल और अंतरिक्ष तक में भी घोटाला कर भ्रष्टाचार का विश्व रिकार्ड बना दिया था।

सोनी ने कहा, कि प्रधानमंत्री ने महिला शक्ति का अपनी योजनाओं के जरिए सशक्त बनाया है। मोदी जी तो महिला शक्ति का वंदन और अभिनंदन करते हैं। राहुल गांधी ने तो हिंदू धर्म में महिला शक्ति का जिस तरीके से उपहास उड़ाया, उसे पूरे देश ने देखा। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रीया श्रीनेत ने जो एक ऐसी बेटी जिसने अपनी प्रतिभा के दम पर अभिनेत्री बनी कंगना रानौत पर भद्दी और शर्मनाक टिप्पणी करते हुए मंडी में क्या रेट चलने वाली बात कही थी, इसके कांग्रेस ने देश की महिलाओं से माफी मांगना तक उचित नहीं समझा।

सोनी के कहा, ओछी हरकरत की बात करने वाले कांग्रेसी नेता अपने गिरेबां में पहले झांके। जिन्होंने प्रभुश्रीराम और माता सीता पर अभ्रद भाषा बोलने से भी नहीं संकोच करते है। इन कांग्रेसियों के तुष्टिकरण का प्रणाम है। ये सनातन विरोधी और हिंदू-देवी-देवताओं का अपमान करते हैं।

सोनी ने कहा, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दलों की सोच कितनी संकुचित और संर्कीण हो चुकी है कि वे पीएम मोदी के 10 साल के काम को हिसाब मांगकर यूपीए के कांग्रेस सरकार से तुलना कर रही है। अपने इस हरकत के चलते इंडी गठबंधन के हंसी के पात्र बन गए हैं। आजादी के बाद कांग्रेस के भ्रष्टचारी रूपी दीमक ने देश को खोखला कर दिया था। लेकिन पीएम मोदी की सरकार ने आज देश को विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा कर दिया है। पीएम मोदी जी का संकल्प है कि 2029 तक भारत को विश्व की तीसरी और 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनना है। जिस पर देश की जनता विश्वास करती हैं, क्योंकि मोदी जी ने विकास करके दिखा दिया है।

सांसद सुनील सोनी ने कहा, पीएम मोदी को तानाशाह कहने वाली कांग्रेस अपनी हार से डरी हुई है। क्या देश की जनता को मालूम है कि इंदिरा गांधी ने कैसे संविधान बदलकर आपाकाल लगवाया था। जानबूझकर गांधी परिवार ने कश्मीर में 370 धारा को कायम रखा। श्री सोनी जी ने कहा, आज जब मोदी के नेतृत्व में निर्भिक होकर भारत विश्वगुरू बनने की राह पर है तो इन कांग्रेसियों को पीड़ा हो रही है। क्योंकि कांग्रेसियों को गरीब का बेटा देश का प्रधानमंत्री बने या आदिवासी समुदाय से कोई राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री बने यह मंजूर नहीं है। क्योंकि अब गांधी परिवार और कांग्रेस के देश को लूटने की दोगली नीति को जनता नाकार चुकी है।

सोनी ने कहा आज पीएम मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं के चलते 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। मोदी की सरकार ने उद्योग धंधे और स्टार्टअप के साथ-साथ तकनीकी के क्षेत्र में अप्रत्याशित वृद्धि की है। छत्तीसगढ़ में भूपेश की सरकार ने गरीबों का आवास छीना। निराश्रित महिलाओं को 500 रुपए पेंशन नहीं दिया। भ्रष्टाचार का स्मारक बनने वाली कांग्रेस की भूपेश सरकार ने मां गंगा की सौगंध खाकर शराबबंदी नहीं महिलाओं के साथ विश्वासघात किया। भर्ती में घोटाला करने बेरोजगार युवाओं का हक छीनने वाली भूपेश सरकार की करतूतों पर कांग्रेसी नेता यहां पर्दा डालने और जनता को बरगलाने के आ रहे हैं। और अपने झूठे न्याय पत्र का झांसा दे रहे हैं लेकिन जनता इन्हें सबक सीखाने के मतदान के दिन का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस बार कांग्रेस के सभी 11 लोकसभा प्रत्याशियों की जमानत जब्त होने जा रही है।

भूपेश ने चुनिंदा उद्योगपतियो से हजारों करोड़ का कमीशन खायाः शुक्ला

चंद्रशेखर शुक्ला का भूपेश बघेल पर बड़ा हमला

रायपुर। कांग्रेस के पूर्व प्रभारी महामंत्री चंद्रशेखर शुक्ला ने जिन्होंने अब पूर्व की भूपेश सरकार की नीतियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ के हित में भाजपा प्रवेश किया है प्रेस वार्ता लेते हुए कहा की उन्होंने पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के कार्यकाल का फिर से एक बड़ा घोटाला उजागर किया हैं। राजनांदगाँव में प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने बताया की पूर्ववर्ती भूपेश सरकार के दौरान कैसे छत्तीसगढ़ के गरीबों हक मारकर छत्तीसगढ़ के चुनिंदा उद्योगपतियों का इलेक्ट्रिसिटी ड्यूटी,जल कर जो दस साल से लंबित था जिसे रमन सिंह सरकार ने पकड़ा था और दंडित किया था उसका पुनरीक्षण कर जो की उनकी क्षेत्र अधिकार के बाहर था फर्जी उद्योग सचिव अनिल टूटेजा के माध्यम से हजारों करोड़ माफ किया गया। छत्तीसगढ़ की जनता का हक और विकास कार्यों में डकैती डाली इस राशि को माफ करने की एवज में भूपेश बघेल ने स्वयं हजारों-करोड़ों का कमीशन खाया। श्री शुक्ला ने पूछा की भूपेश बघेल इस विषय पर चुप्पी तोड़ेंगे क्या? भूपेश बघेल बताए आखिर उन्होंने चुनिंदा लोगों को फायदा पहुचाने छत्तीसगढ़ की गरीब जनता का हक क्यों मारा? इस घटना से यह पूर्णता स्पष्ट है की भूपेश बघेल छत्तीसगढ़ के गरीबों के साथ ही नहीं बल्कि उद्योगपतियों के साथ हैं।

श्री शुक्ला ने विस्तार से बताया की 03 जून 2019 को अनिल टूटेजा ने जो की संयुक्त सचिव के रूप में वाणिज्य एवं उद्योग का चार्ज लिया इनकी नियुक्ति फर्जी थी क्योंकि ये कैडर पोस्ट हैं इसकी नियुक्ति सामान्य प्रशासन विभाग से होती हैं और वो ज्वाइंट सेक्टरी इस पद हेतु अयोग्य हैं फिर भी चार साल तक उक्त पदों में रहें,मगर सामान्य प्रशासन विभाग की अनुमति दी तथा सैकड़ों फर्जी एनओयू किया तथा कानूनों में संशोधन करवाकर सिर्फ-सिर्फ उधयोगपतियों को लाभ पहुचाया। भूपेश बघेल ने भ्रष्टाचार का कोई मौका नहीं छोड़ा।जनता इन्हे सबक सिखायेगी।

तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति कांग्रेस का डीएनए : मोदी

रायपुर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज जांजगीर-चांपा के अंतर्गत सक्ती जिले के कॉलेज ग्राउंड जेठा बाराद्वार में चुनावी सभा को संबोधित किया। विजय संकल्प शंखनाद महारैली में अपने संबोधन की शुरुआत उन्होंने जय जोहार से की। उन्होंने कहा, कोसा-कासा और कंचन की धरती में आज एक अलग ही उत्साह नजर आ रहा है। कुछ महीने पहले लोकसभा चुनाव में मैं आप सभी से आशीर्वाद मांगने आया था, आज फिर तीसरी बार भाजपा सरकार बनाने के लिए आशीर्वाद मांगने आया हूं। प्रधानमंत्री ने कहा, 10 साल तक आपने मुझे देखा है, मैं आपके लिए दौड़ रहा, आपके लिए जाग रहा, इन 10 साल में मैंने एक भी छुट्टी नहीं ली है। सोशल मीडिया में लोग कहते हैं कि मोदी जी कितना काम करते हैं, दिन रात दौड़ते-भागते रहते हैं, इन कामों के बदले मैं आपसे फिर आशीर्वाद मांगने आया हूं। मैं निश्चिंत हूं क्योंकि आप लोग बहुत दिलदार हैं। बहुत आशीर्वाद देने वाले लोग हैं। मैंने जब भी आपसे आशीर्वाद मांगा तो आपने कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने आग्रह करते हुए कहा कि आगामी 26 अप्रैल को मोदी के लिए एक घंटे निकालकर वोट करना है। आपको जांजगीर-चांपा लोकसभा से प्रत्याशी श्रीमती कमलेश जांगडे और रायगढ़ लोकसभा प्रत्याशी श्री राधेश्याम राठिया को मेरी मदद से लिए दिल्ली भेजना है। उन्होंने कहा, मुझे माँ चंद्रहासिनी, अष्टभुजी मैय्या, गिरौदपुरी धाम, दामाखेड़ा की कृपा और आप सभी जनता के आशीर्वाद पर पूरा भरोसा है।

प्रधानमंत्री ने रामनामी समाज के योगदानों को याद करते हुए कहा, रामनामी समुदाय अपनी भक्ति, समर्पण और प्रभु के प्रेम भजन के लिए जाना जाता है। कहते हैं कि रामनामी समुदाय के पूर्वजों के पहले ही बता दिया था कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा कब होगी। यह सौभाग्य हमें मिला। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस के लोग हम पर तंज करते थे। हर चुनाव में हमें पूछा जाता था, मंदिर कब बनेगा, गली-मोहल्लों में कांग्रेस कहा करते थे, मंदिर वहीँ बनाएंगे पर तारीख नहीं बताएंगे। आज देखिए भव्य मंदिर भी बना, तारीख भी बताई और न्योता भी दिया लेकिन कांग्रेस ने हमारी आस्था का मजाक बनाया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति कांग्रेस के डीएनए में है। हमारी प्राथमिकता गरीब, युवा, महिला और किसानों का कल्याण है। कांग्रेस ने 60 साल तक गरीबी हटाओ का नारा दिया और अपने नेताओं के जेब भरते रहे, झूठा वादा किया। लेकिन मोदी ने झूठा सपना नहीं दिखाया बल्कि गरीबी में जी रहे 25 करोड़ लोगों को गरीबी से निकाला। हमारी नीयत सही थी, इसलिए नतीजे भी सही मिले। हमारा 10 साल का ट्रैक रिकार्ड है, हम जो कहते हैं उसे करने में कोई कमी नहीं छोड़ते। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा,

पहले छत्तीसगढ़ का किसान पानी होने के बावजूद भी धान ज्यादा नहीं उगाता था, क्योंकि उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती फसल को बेचना और कम मूल्य की थी। लेकिन आज हमारे विष्णु देव साय की सरकार ने यह समस्या दूर कर दी है। 45 हजार करोड़ रूपए बहुत कम समय में ही किसानों को मिल चुके हैं। हजार करोड़ रूपए किसान सम्मान निधि के किसानों को मिल चुके हैं। मेरा वादा है कि यह रकम ऐसे ही आते रहेगा। हम खेती-किसानी में ड्रोन तकनीक के जरिए माताओं-बहनों की साझेदारी भी सुनिश्चित करेंगे, इसके लिए हम ड्रोन दीदी योजना पर काम कर रहे हैं। हमारी 3 करोड़ बहनों को लखपति दीदी बनाने की गारंटी है। मोदी की गारंटी है कि मुफ्त राशन देने वाली योजना आने वाले 5 साल तक चलती रहेगी। आयुष्मान भारत योजना के तहत 5 लाख रूपए तक मुफ्त स्वास्थ्य सहायता की गारंटी मिलती रहेगी। मैं आपसे कहता हूं कि यदि आपके परिवार में कोई बीमार हो जाए तो उसका अच्छे से अच्छे अस्पताल में इलाज कराएं, पैसा आपका बेटा देगा।

उन्होंने कहा कि 2014 से पहले कांग्रेस सरकार एक परिवार से रिमोट से चलाता था, इसके बाद आपने मोदी को आशीर्वाद देकर प्रधानमंत्री बनाया। कांग्रेस के लोग आदिवासियों की देश की सत्ता में भागीदारी को नकारते हैं, उसका विरोध किया। इतने सालो तक कांग्रेस की सत्ता रही, मगर कांग्रेस एक आदिवासी राष्ट्रपति नहीं दे पाई। जब हमने बनाया तो उन्होंने इसका खुला विरोध किया। कांग्रेस ने पास ना देश के लिए कोई विजन है, ना ही कोई कल्याण की सोच है।

मैं आप सभी से पूछता हूं कि क्या गरीब माँ का बेटा डॉक्टर, इंजीनियर नहीं बन सकता ? कांग्रेस यह नहीं चाहती थी लेकिन हमने यह सम्भव किया। गरीब सेवा के मेरे प्रयासों पर कांग्रेस वाले कहते हैं- मोदी का सिर फोड़ देंगे, लेकिन मैं बता देता हूं कि मोदी का सुरक्षा कवच मोदी की माताएं-बहनें हैं। यहां कांग्रेस के नेता कहते हैं- मोदी मर जाएं, लेकिन जहां 140 करोड़ जनता का आशीर्वाद है वहां पर मौत को भी इंतेजार करना पड़ता है। इनकी ये बौखलाहट चुनाव की हार है, आपके वोट की ताकत का डर है। उन्होंने कहा, इंडी गठबंधन को दिया आपका वोट केंद्र में सरकार नहीं बना सकता लेकिन भाजपा को दिया वोट विकसित भारत बना सकता है।

जेठा में जनसभा को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आज महानदी के तट जेठा गांव की पावन धरती में देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आगमन हुआ है। उनका बहुत-बहुत स्वागत। लोकसभा का यह चुनाव बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है, इस चुनाव में हमें मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। जिसके लिए आपको भाजपा के प्रत्याशियों को अपना आशीर्वाद देना है। श्री साय ने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ की पहचान बदल दी। इसे अपराध, भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया।

जबकि पिछले चार महीने में हमने मोदी जी की गारंटी को पूरा करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हार रही है, कांग्रेस के लोग वोट के लालच में भ्रम फैला रहे हैं कि उनका आरक्षण खत्म हो जाएगा। उन्होंने जनता को आश्वस्त किया कि आरक्षण कभी भी खत्म नहीं होगा। कोई भी ताकत आरक्षण को ख़त्म नहीं कर सकती।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

मोदी ने दलीय दुर्भावना में छग से भेदभाव किया

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चुनावी भाषण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि किस नैतिकता से मोदी छत्तीसगढ़ की जनता से वोट मांगने आये है पांच वर्षो तक दलीय दुर्भावना के कारण मोदी ने छत्तीसगढ़ के साथ अन्याय किया था। छत्तीसगढ़ के किसानों को धान की एक मुश्त कीमत नही देने दिया। राज्य के चावल को लेने के लिये तीन-तीन बार मना किया। हर साल सेन्ट्रल पुल का कोटा घटाते थे, राज्य के किसानों को उर्वरक का कोटा मोदी सरकार ने घटा दिया था। प्रधानमंत्री आवास के 18 लाख आवास को मोदी सरकार ने स्वीकृति नही दिया है। राज्य में केन्द्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती के बदले मोदी सरकार ने छत्तीसगढ़ से 11 हजार करोड़ वसूला था। आज छत्तीसगढ़ में प्रधानमंत्री वोट मांगने आये है तो छत्तीसगढ़ हितैषी होने का दंभ भर रहे है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि प्रधानमंत्री खुद को पिछड़ा वर्ग का बताकर वोट मांग रहे है लेकिन राज्य के पिछड़े वर्ग और वंचित वर्ग के लोगों के आरक्षण को मोदी और भाजपा ने राजभवन में रोकवा रखा है। मोदी को पिछड़ा वर्ग के प्रति हमदर्दी होती तो पिछड़ा वर्ग का 27 प्रतिशत, एसटी का 32 प्रतिशत, एससी 13 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस का 4 प्रतिशत आरक्षण वे राजभवन में नही रोकवाये होते।

मोदी के राजभवन में रुकने पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत किया

रायपुर। प्रधानमंत्री के राजभवन में रूकने पर कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत किया। शिकायत में कहा गया कि दिनांक 23 अप्रैल 2024 मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रायपुर आगमन हो रहा है और उनका रात्रि विश्राम राजभवन में प्रस्तावित है जो कि राज्य के संवैधानिक प्रमुख राज्यपाल का निवास स्थान है। राज्य के संवैधानिक प्रमुख के निवास पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का रात्रि विश्राम करना सीधे-सीधे पूरे राज्य के मतदाताओं को और पूरी सरकारी मशीनरी को प्रभावित करेगा और यह निष्पक्ष चुनाव की परिस्थितियों को दूषित करेगा। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार होते हैं और उनकी सुरक्षा की आवश्यकताएं भी होती हैं जिन्हें हम सब बखूबी समझते हैं और उन्हें हर हालत में पूरा किया जाना चाहिए। लेकिन प्रधानमंत्री के विशेषाधिकार प्रजातंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने की मूलभूत बातों से ऊपर नहीं है। यदि प्रधानमंत्री की सुरक्षा के नाम पर वे राज्य के संवैधानिक प्रमुख के शासकीय निवास राजभवन में रूकते हैं.

10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई : कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि 10 सालों में मोदी की गारंटी फेल साबित हुई एक भी वादा पूरा नहीं किया। मोदी सरकार ने 10 सालो में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा ने अपने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था। 2023 में, केंद्र सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है । वर्तमान में, 25 से कम आयु के दस में से चार स्नातक बेरोजगार हैं। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 परसेंट बेरोजगार युवा है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी। इस लक्ष्य को 2022 तक प्राप्त करने के लिए 2015 से किसानों की आय में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता थी ।वास्तविक वृद्धि 3.5 प्रतिशत ही रही है। इस गति से गारंटी 2035 में ही पूरी हो सकेगी। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मोदी सरकार की नोटबंदी योजना नासूर साबित हुई।

आयुष्मान भारत योजना का करोड़ों का भुगतान लंबित

रायपुर। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना के तहत करोड़ों रुपए की भुगतान नहीं हुई है. अनुबंधित अस्पतालों को 9 महीना से क्लेम का भुगतान अनियमित रूप से किया जा रहा है. इस मामले को लेकर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर शाखा के पदाधिकारी विभागीय मंत्री, विधायक व विभागीय अधिकारियों को ज्ञापन सौंप चुके हैं फिर भी अब तक भुगतना नहीं हो पाई है. इसे लेकर आईएमए की बैठक हो रही है, जिसमें ठोस फैसला लिया जा सकता है. भुगतान नहीं होने पर आयुष्मान से इलाज नहीं कराने का भी फैसला ले सकते हैं. प्रस्ताव पर सहमति और विचार के लिए आईएमए की सामान्य सभा की बैठक जारी है. अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना अंतर्गत अनुबंधित अस्पतालों को विगत 9 महीना से क्लेम का भुगतान अनियमित रूप से किया जा रहा है. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रायपुर शाखा की ओर से समय-समय पर संबंधित मंत्री, सचिव और स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से भुगतान को लेकर अनुरोध किया जाता रहा है, फिर भी इस योजना का भुगतान सुचारू रूप से आज पर्यंत तक नहीं किया जा रहा है. डॉ. गुप्ता ने बताया, रायपुर शाखा और राज्य के अन्य अस्पतालों से आईएमए रायपुर ब्रांच को अनियमित भुगतान से होने वाली समस्याओं से अवगत करवाया जाता रहा है.

स्वीप संध्या का आयोजन 26 की शाम मरीन ड्राईव तेलीबांधा में

रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिले के मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने संचालित किए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार 26 अप्रैल की शाम भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम स्वीप संध्या का आयोजन किया जा रहा है। प्रख्यात मॉडल अधीर भगवानानी और जया भगवानानी का रैम्प वॉक इस अवसर पर होगा, यही नहीं अविवाहित, विवाहित, वरिष्ठ मतदाता, ट्रांसजेंडर्स, दिव्यांग मतदाताओं के साथ ही साथ तीन पीढियों के सदस्य रैम्प वॉक कर सभी को मतदान का संदेश देंगे। स्वीप संध्या की शुरूआत मरीन ड्राईव तेलीबांधा में शाम 06:30 बजे होगी। युवा वोटर्स, अविवाहित, नववधू, तीन पीढियों का प्रतिनिधित्व करने वाले दादी, माँ, बेटी और दादा-दादी एवं पोता, 60 वर्ष से अधिक आयु वाले पुरूष व महिला मतदाता, ट्रांसजेंडर्स, दिव्यांग इस स्वीप संध्या में के रैम्प वॉक के प्रतिभागी होंगे। इसके लिए निर्धारित श्रेणियों के अंतर्गत 18 से 25 वर्ष के अविवाहित मतदाता, 01 वर्ष की नवविवाहिता मतदाता के साथ महिला पुरूष मतदाता वर्ग में पृथक-पृथक एक साथ तीन पीढियां व ट्रांसजेंडर्स एवं दिव्यांग मतदाता रैम्प वॉक कर मतदान का संदेश देंगे। स्वीप संध्या में भाग ले रहें प्रतिभागियों को शाम 05 बजे तक अनिवार्य रूप से कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के लिए कहा गया है।

कलेक्टर ने ली प्रत्याशियों एवं राजनीतिक दलों की पहली बैठक कहा-

आदर्श आचरण संहिता के दायरे में करें चुनाव-प्रचार

बिलासपुर/रायपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अवनीश शरण ने प्रतीक चिन्ह आवंटन के बाद चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों की पहली बैठक मंथन सभाकक्ष में ली। उन्होंने आदर्श आचरण संहिता के दायरें में रहकर चुनाव प्रचार-प्रसार करने को कहा है। चुनाव आयोग के सामान्य प्रेक्षक श्री अभय ए महाजन एवं व्यय प्रेक्षक श्री श्रीकांत नामदेव विशेष रूप से उपस्थित थे। कलेक्टर श्री शरण ने आदर्श आचरण संहिता सहित प्रत्याशियों के लिए चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित नियम-कायदों से अवगत कराया और उन्हें पालन करने का आग्रह किया। प्रत्याशियों को इस अवसर पर आदर्श आचरण संहिता की पुस्तिका, निर्वाचन व्यय रजिस्टर एवं अन्य उपयोग अनुदेशों की प्रतियां भी दी गई। बैठक के बाद व्यय लेखा संधारण का प्रशिक्षण भी दिया गया। चुनाव संबंधी प्रत्याशियों द्वारा पूछे गये शंकाओं एवं जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। चुनाव आयोग के प्रेक्षक अभय ए महाजन ने कहा कि प्रत्याशियों एवं जनता के शांतिपूर्ण सहयोग से ही चुनाव संपन्न होगा। चुनाव प्रक्रिया में सबकी सहभागिता जरूरी है। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के लिए धर्म को आधार मत बनाएं। मतदान के लिए किसी को प्रलोभन देने का प्रयास न करें। उन्होंने शिकायत के लिए आयोग द्वारा निर्मित सी विजिल एप्प का उपयोग करने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि इवीएम मशीन अथवा अन्य किसी भी चुनाव संबंधी मामलों में अफवाह से बचें। पूरी तरह से स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन चुनाव आयोग द्वारा संपन्न कराया जायेगा। पारदिर्शता के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा बुलाये जाने पर जरूर आएं और प्रक्रिया का अपने सामने में अवलोकन करें। व्यय प्रेक्षक श्रीकांत नामदेव ने कहा कि लोकसभा प्रत्याशी के लिए चुनावी खर्च की अधिकतम सीमा 95 लाख रूपये हैं। इससे ज्यादा खर्च करने पर आयोग उन्हें आगामी चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगा सकता है। उन्होंने व्यय लेखा शाखा द्वारा खर्चे की जांच के लिए बुलाये जाने पर अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा है। उन्होंने बताया कि पूरी चुनाव अवधि में प्रत्याशी को 10 हजार रूपये से ज्यादा की राशि नगद स्वरूप में खर्च करने की मनाही है। उन्हें ऑनलाईन अथवा चेक में भुगतान करने होंगे। कलेक्टर अवनीश शरण ने कहा कि चुनावी सभा के लिए स्थलों का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जायेगा।

मोदी महिलाओं को हेय दृष्टि से देखते हैः रंजीत

रायपुर। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रंजीत रंजन ने पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि आज 23 तारीख है कल दूसरे चरण का चुनाव खत्म होने वाला है। तीन चरण में छत्तीसगढ़ में चुनाव है। बहुत दुखद है प्रधानमंत्री जो भारतीय जुमला पार्टी के है पूरे देश के प्रधानमंत्री है। पहले राजस्थान फिर अलीगढ़ में झूठ बोला अब छत्तीसगढ़ में रात रूकने वाले है। इससे पहले गृहमंत्री अमित शाह भी रूक चुके है। सत्ताधारी लोग घबराये हुये है। आज तक के इतिहास में किसी कोई प्रधानमंत्री के बारे में इतनी ओछी और घटिया टिप्पणी नहीं की थी। प्रधानमंत्री की गरिमा को उस तरह से देखा नहीं कि एक प्रधानमंत्री के पद में रहते हुये दूसरे प्रधानमंत्री जिनका पूरा वर्ल्ड लोहा मांगता था के बारे में स्तरहीन टिप्पणी करें। 2008 में पूरा वर्ल्ड में आर्थिक मंदी थी उस समय पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह थे, जिन्होंने ने अपने देश को बचाने का काम किया था। आज देश का प्रधानमंत्री झूठ बोल रहा है उनके बारे में इससे ओछी हरकत आज से पहले हमारे देश के किसी प्रधानमंत्री ने नही किया है। प्रधानमंत्री की गरिमा की रक्षा करनी चाहिये और इस तरह के झूठे और इस तरह के ओछी बाते पूर्व प्रधानमंत्री के बारे में नहीं कहनी चाहिये। जो उन्होंने मंगलसूत्र-मंगलसूत्र का बयान दिया वह उनकी सोच को बताता है वह महिलाओं को हेय दृष्टि से देखते है।एक महिला होने के नाते मैं इसकी निंदा करती हूं। देश की मजबूत महिलाये है जो 1962 से इंदिरा गांधी ने ज्वेलरी और गहने तक आर्मी वाले को दे दिये थे। आर्मी वाले के नाम पे समर्पित किये थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.